विषय सूची
CONTENTS

1. एक अवलोकन 1
   Overview
2. नीति और आयोजना 3
   Policy Strategies and Planning
3. मानक निर्धारण 6
   Standards Formulation
4. उत्पाद प्रमाणन 12
   Product Certification
5. गुणता पद्धति प्रमाणन 17
   Quality Systems Certification
6. प्रयोगशाला सेवाएँ 19
   Laboratory Services
7. मानक संवर्धन 24
   Standards Promotion
8. मानकों तथा अन्य प्रकाशनों की बिक्री 27
   Sale of Standards and other Publications
9. सूचना सेवाएँ 28
   Information Services
10. प्रशिक्षण सेवाएँ 30
    Training Services
11. कम्प्यूटरीकरण तथा कार्यालय स्वचलन 32
    Computerization and Office Automation
12. उपभोक्ता संबंधी गतिविधियाँ 34
    Consumer Related Activities
13. क्षेत्रीय, शाखा और निरीक्षण कार्यालय 36
    Regional, Branch and Inspection Offices
14. अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ 37
    International Activities
15. मानव संसाधन विकास 42
    Human Resource Development
16. वित्त, लेखा और ऑडिट 44
    Finance, Accounts and Audit

भारतीय मानक ब्यूरो पुस्तकालय
BUREAU OF INDIAN STANDARDS LIBRARY
3477/Misc
दिनांक Date 2002-11-15
नई दिल्ली NEW DELHI

उपभोक्ता दिवस समारोह
Consumer Day Celebrations

मानक सलाहकार समिति की बैठक
Standards Advisory Committee meeting in progress

हिन्दी सप्ताह समारोह
Hindi Wook Celebrations

अवलोकन

1995–96 के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो ने चहुंमुखी प्रगति करना जारी रखा। ब्यूरो की इस वर्ष की कुल आय 45.14 करोड़ रुपये रही जो पिछले वर्ष की आय से 18 प्रतिशत अधिक थी और इस वर्ष 30.16 करोड़ रुपये खर्च हुए। भामा ब्यूरो ने लगातार सातवें वर्ष अपनी आवर्ती और गैर योजना व्ययों को अपने स्वयं के संसाधनों से पूरा किया।

इस वर्ष की मुख्य गतिविधियां इस प्रकार रहीं :

'मानकीकरण और गुणता पद्धति के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान' नामक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना जिसका अंततः पूर्णतः आवासीय संस्थान के रूप में विकसित किया जाना है। इस संस्थान की स्थापना के माध्यम से भामा ब्यूरो ने दूसरे सघन प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्र में प्रवेश किया और गुणता पद्धति प्रमाणन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने और बाजार में हम इसे अपने बलबूते पर चलाने में सक्षम हैं, यह प्रदर्शित करने से हमारा आत्मविश्वास व्यक्त हुआ है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रबंध में गुणता प्रबंध पद्धति तथा सूचना सुरक्षा पद्धति के क्षेत्र में मानकीकरण।

- 22 नये उत्पादों को प्रमाणन में शामिल किया, इन उत्पादों में न्यूज प्रिंट, एक बार उपयोग में आने वाली शल्य चिकित्सा में प्रयुक्त रबड़ के दस्ताने, गहराई से पानी निकालने के हथबरमे के संघटक इत्यादि शामिल हैं।

  भामा ब्यूरो की गुणता पद्धति प्रमाणन योजना को अक्तूबर 1994 में प्रत्यायन प्रदान करने के बाद आरवीए, नीदरलैंड द्वारा पहले निगरानी ऑडिट का सफलतापूर्वक समापन।

- भारत में पहली बार बैंकिंग के क्षेत्र में कैनरा बैंक की बंगलौर शाखा को गुणता पद्धति लाइसेंस प्रदान करना।

  केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद, तथा चंडीगढ़, कलकत्ता, मुम्बई तथा मद्रास स्थित क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं द्वारा एनएबीएल प्रत्यायन के लिए आवेदन भरने के लिए संबंधी प्रलेखन कार्य का पूरा होना।

  वर्ष 1993 के लिए सेल के भिलाई इस्पात संयंत्र को राजीव गांधी राष्ट्रीय गुणता पुरस्कार प्रदान करना।

  आईईसी, जिसका प्रतिनिधित्व श्री ए.एम. रेबर्न, महासचिव ने किया और भामा ब्यूरो, जिसका प्रतिनिधित्व श्री पी.एस. दास, अपर महानिदेशक ने किया, के बीच अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग की 61वीं महा सभा की बैठक अक्तूबर 1997 में नई दिल्ली में आयोजित करने के औपचारिक दस्तावेज पर हस्ताक्षर।

- भामा ब्यूरो के कार्य में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए वर्ष के दौरान 31 द्विभाषी कंप्यूटरों का प्रावधान किया जाना।

वर्ष 1996–97 भामा ब्यूरो की पूर्व आवर्ती संस्था भारतीय मानक संस्थान के रूप में भारत के राष्ट्रीय निकाय की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के रूप में आरंभ हो रहा है।

OVERVIEW

The Bureau of Indian Standards continued to make all round progress during the year 1995-96. With the total income of Rs 451.4 million, a growth of 18 percent over the income in the previous year and expenditure of Rs 301.6 million, BIS met its recurring and non-plan expenditure from its own resources for the seventh consecutive year.

The highlights of the year gone by were:

- establishment of a training institute christened the 'National Institute of Training for Standardization and Quality Management' with the ultimate aim of developing a fully residential institute; it marked BIS' foray into another intensely competitive arena and reflects our confidence, after the significant success in Quality Systems Certification, in our ability to hold our own in the market.
- standardization in the areas of quality management systems in health sector, and information security management.
- certification of 22 new products during the year comprising items such as newsprint, disposable surgical rubber gloves, deepwell handpump components, etc.
- successful completion of first surveillance audit by RvA, Netherlands after grant of accreditation in October, 1994 to BIS' Quality Systems Certification Scheme.
- an all-India first quality systems licence in banking sector granted to a Canara Bank branch in Bangalore.
- completion of documentation for filing applications for NABL accreditation by Central Laboratory, Sahibabad; and regional laboratories at Chandigarh, Calcutta, Mumbai and Madras.
- presentation of Rajiv Gandhi National Quality Award for the year 1993 to the Bhilai Steel Plant of SAIL.
- signing of formal agreement between IEC, represented by Mr A.M. Raeburn, General Secretary, and BIS, represented by Shri P.S. Das, Additional Director General, for hosting the 61st General Meeting of International Electrotechnical Commission in New Delhi in October, 1997.
- promotion of Hindi in BIS working marked by provision of bilingual computers in large numbers - as many as 31 - during the year.

The year 1996-97 marks the beginning of the 50th anniversary of founding of the National Standards Body in India in the form of erstwhile Indian Standards Institution, the predecessor to BIS.

50वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए इस वर्ष आईएसओ 14000 मानकों की श्रृंखला के अनुरूप पर्यावरण प्रबंध पद्धति प्रमाणन आरंभ करने का प्रस्ताव है।

हमारा यह भी प्रयास होगा कि 1996–97 के दौरान हम अपनी केन्द्रीय प्रयोगशाला और सभी क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं के लिए एनएबीएल प्रत्यायन प्राप्त कर लें, जिसके लिए तैयारियां पिछले वर्ष की गयी थीं। इसके अलावा हम, सभी प्रयोगशालाओं को एक ही नियंत्रण के अंतर्गत लाने के उद्देश्य से प्रयोगशाला परीक्षण गतिविधि का पुनर्गठन करना चाहते हैं और इसमें स्टाफ के कार्यकलापों की भी पुनः समीक्षा की जायेगी।

विश्व बैंक नीतिगत विशेषज्ञ रिपोर्ट के मैसर्ज सीएमसी लिमिटेड की सहायता से कार्यान्वयन आरंभ होने के साथ भामा ब्यूरो में कंप्यूटरीकरण में बहुत अधिक सुधार हुआ है।

हालांकि भामा ब्यूरो ने कई वर्षों से राष्ट्र को यीमैन की सेवाएं प्रदान की हैं, किन्तु बदलते हुए वातावरण को देखते हुए अब वह समय आ गया है कि हम सेवा मोटो की जगह अपनायें व्यवसाय दृष्टिकोण को। ब्यूरो को अपना ध्यान अपने प्रचालनों में लागत–प्रभाविता पर अधिकाधिक केन्द्रित करना चाहिए और निजी गतिविधियों और अपने पोषण स्वयं करने में समर्थ इकाइयों के माध्यम से मार्ग बनाना चाहिए। बडोदरा के कार्यालय को बंद करना और पुणे और नागपुर के निरीक्षण कार्यालयों को और अधिक बढ़ाना इस निर्णय की दिशा में की गई कार्यवाहियां हैं। अपनी प्रमाणन इकाइयों में लागत– प्रभाविता लागू करना आसान है, तथापि हमें अपनी उन प्रयोगशालाओं की उपयोगिता पर और अधिक ध्यान देना होगा, जिसका आधुनिकीकरण और उन्नयन किया जा रहा है और जिन पर किये गये काफी भारी निवेश को लौटाने की जिम्मेदारी है और यह कार्य प्रयोगशालाएं हमारी उत्पाद प्रमाणन योजना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्पादकता में बढ़ोतरी लाकर और बाहरी मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं पर अपनी निर्भरता कम करके कर सकती हैं और ऐसा करना उनके लिए जरूरी भी है। केवल तभी हम अपने आप को व्यावसायिक सेवा देने वाले निकाय के रूप में प्रतिबिंबित कर पायेंगे।

It is proposed to launch the Environment Management Systems Certification Scheme as per ISO 14000 series of standards during the year to mark the 50th anniversary.

It is also our endeavour to obtain NABL accreditation for Central Laboratory and all Regional laboratories in 1996-97 preparations for which were made during the past year. Besides, we have also initiated a move to restructure the laboratory testing activity with the aim of bringing all laboratories under a single point control and revamping the staff function.

The computerization in BIS is poised for a quantum jump with the beginning of implementation of the World Bank funded expert report with the help of M/s CMC Ltd.

While BIS has rendered yeoman's service to the nation over the years, the time has come to temper the motto of service with business-like approach in view of the changed environment. It must focus more and more on cost-effectiveness of its operations and find ways of making individual activities and units self-sustaining. The closing down of Vadodara Office and decision to upgrade inspection offices in Pune and Nagpur are steps in this direction. While it is easier to establish cost-effectiveness of certification units, we need to pay greater attention to utilization of our laboratories which are being modernized and upgraded and have an obligation to provide returns on the heavy investments made in terms of higher productivity and reduced reliance on outside recognised laboratories to meet the needs of our product certification scheme. Then only would we be able to project ourselves as a professional and business-like service provider.

नीति और आयोजना

भारतीय मानक ब्यूरो (भा मा ब्यूरो) जो भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय भी है, देश में 1947 से मानकीकरण के आंदोलन को सफलतापूर्वक संवर्धित और पोषित कर रहा है। भारत सरकार द्वारा आरंभ की गयी नयी औद्योगिक नीति और आर्थिक सुधारों के कारण अर्थव्यवस्था बाजार से जुड़ गयी है, जिसके परिणामस्वरूप औद्योगिक वातावरण अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है।

इस बदलते हुए परिदृश्य में चाहे वह उत्पाद हो अथवा सेवा, दोनों ही क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए गुणता महत्वपूर्ण घटक बन गयी है। भा मा ब्यूरो ने समय–समय पर ग्राहकों की आवश्यकताओं और भारत के औद्योगिक विकास में मुख्य सहभागी की भूमिका निभाने में समर्थ बनने के लिए अपनी कार्य प्रणाली का मूल्यांकन किया है और अपने प्रचालनों की दक्षता बढ़ाने और सेवाके उन्नयन के लिए कई कदम उठाये हैं। भा मा ब्यूरो को नई नीतियों/आदेशों को लागू करने संबंधित सलाह देने के लिए कार्यकारिणी समिति की इस वर्ष चार बैठकें हुईं। भा मा ब्यूरो द्वारा वर्ष के दौरान किये गये महत्वपूर्ण उपाय निम्नलिखित हैं:

1. गुणता पद्धति प्रलेखन, ऑडिटिंग, सांख्यिकीय गुणता नियंत्रण, सम्पूर्ण गुणता प्रबंध इत्यादि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सितम्बर 1995 में मानकीकरण और गुणता प्रबंध के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से भारतीय उद्योग को गुणता पद्धति के कार्यान्वयन और आई एस ओ 9000 प्रमाणन लेने में सहायता मिलती है।

2. उन उपभोक्ता मदों के लिए ग्रेड निर्दिष्ट करने की संभावना तलाश करने के लिए भारतीय मानकों का पुनरीक्षण करना, जिनका एक सा उपयोग होता है किंतु जो विभिन्न आर्थिक स्तर वाले उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं। यह निश्चित किया जा सकता है कि एक ही मानक से अनुरूपता रखने वाले उत्पाद में सुरक्षा की न्यूनतम अपेक्षाएं हो, किन्तु उपभोक्ताओं के अलग–अलग समूहों की दृष्टि रो उपयुक्त कार्यकारिता के रतर अलग हो।

3. भा मा ब्यूरो की सरल और दक्ष कार्य प्रणाली पर परामर्श देने के लिए भा मा ब्यूरो द्वारा गठित 6 सलाहकार समितियों का पुनर्गठन।

4. नीदरलैंड के राड पूर एक्रिडिटेय (आरवीए) रो मिले प्रत्यायन की अपेक्षाओं के अनुसार गुणता पद्धति प्रमाणन योजना समिति की स्थापना।

योजनागत परियोजनाएं

8वीं पंचवर्षीय योजना (1992–97) के अंतर्गत भामा ब्यूरो परियोजनाओं के लिए 1 500 लाख रु. की राशि व्यय के लिए प्रदान की गयी। इसमें से वर्ष 1995–96 के दौरान 211 लाख रु. विभिन्न योजनागत

POLICY STRATEGIES AND PLANNING

The Bureau of Indian Standards (BIS) as the National Standards Body of India has been successfully promoting and nurturing the standardization movement in the country since 1947. With the commencement of new industrial policy and economic reforms initiated by the Government of India, the economy is becoming market-driven resulting in competitive industrial environment.

In the changed scenario quality is becoming a key factor for the customers whether it is for a product or service. BIS also reassessed the needs of its customers from time to time and to reorient its working in order to enable to play the role of a key partner in India's industrial development, BIS has initiated several steps towards enhancing the efficiency of its operations and upgrading of services. The Executive Committee had its four meetings during the year to advise BIS in implementation of new policy/directives. The important initiatives taken by BIS during the year are:

1. Establishment of the National Training Institute for Standardization and Quality Management in September 1995 to conduct training programmes on quality systems documentation, auditing, Statistical Quality Control, Total Quality Management, etc. These programmes help the Indian industry in implementation of quality systems and getting ISO 9000 certification.
2. Review of Indian standards to explore possibilities of specifying grades for consumer items having similar end use but to cater to different economic levels of consumers. It would be ensured that the products conforming to the same standard have the minimum safety requirements but may have different levels of performance suiting to different segments of consumers.
3. Reconstitution of six advisory committees set up by BIS to advise in smooth and efficient functioning of BIS.
4. Setting up of the Quality System Certification Scheme Committee in accordance with the requirement of accreditation from Raad voor Accreditatie (RvA) of Netherlands.

PLAN PROJECTS

BIS projects for VIII Five Year Plan (1992-97) envisaged an outlay of Rs 150 million. During 1995-96 Rs 21.1 million were spent on various plan

परियोजनाओं में खर्च किये गये। वर्ष 1995–96 के दौरान की गयी प्रगति का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

प्रयोगशाला उपस्कर

परीक्षण की गुणता बनाये रखने के लिए परीक्षण सुविधाओं का आधुनिकीकरण मूलभूत आवश्यकता है। भा मा ब्यूरो प्रयोगशाला को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक लाने के लिए उनका आधुनिकीकरण और परीक्षण सुविधाओं का उन्नयन अद्यतन प्रौद्योगिकी वाले परिष्कृत उपस्कर खरीदकर किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आईसीपी स्पेक्ट्रोमीटर, दो आण्विक अवशोषी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, 6 नमक छिड़काव चैम्बर, बिजली की इस्तरी के लिए सह्यता परीक्षण उपकरण, बिजली के हीटरों के लिए सह्यता परीक्षण पैनल, ए.सी. अवशोषण डायनमोमीटर तथा अन्य प्रयोगशाला उपस्कर की खरीद पर 108 लाख रु. खर्च किये गये।

कंप्यूटर तथा अन्य सम्बद्ध उपस्कर

भामा ब्यूरो की विभिन्न गतिविधियों का कंप्यूटरीकरण उन्हें और अधिक दक्ष बनाने के लिए किया गया है। पीसी और प्रिन्टर की खरीद पर वर्ष 1995–96 के दौरान 10.4 लाख रु. का व्यय किया गया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय समिति की सिफारिशों पर दो परियोजनाएं, अर्थात् भवन तथा सिविल निर्माण के लिए संहिता का विकास और औद्योगिक संरचनाओं का टाइपीफिकेशन की संहिताओं का विकास आरंभ की गई। "भवन संरचना रीतियों" पर हैंडबुक तैयार की गई और यह मुद्रणाधीन है। वर्ष 1995–96 के दौरान 7.2 लाख रु. खर्च किए गए।

गैट मानक संहिता के अंतर्गत केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तकनीकी अवरोधों को समाप्त करने के लिए भारत ने तटकर और व्यापार पर सामान्य करार (गैट) मानक संहिता के अंतर्गत केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र के रूप में भा मा ब्यूरो को नामित किया है। पूछताछ केन्द्र के कार्यकलाप को प्रभावशाली बनाने के लिए यह आवश्यक है कि शक्तिशाली सूचना पद्धति तथा दक्ष नेटवर्क बनाया जाए, ताकि सूचना का वितरण शीघ्र किया जा सके। वर्ष 1995–96 के दौरान माइक्रोग्राफीय उपस्कर की खरीद तथा इसके वार्षिक सेवा प्रभार के रूप में 37 हजार रुपये खर्च किये गये।

स्टाफ के लिए आवास की व्यवस्था

स्थानांतरित होने वाले अधिकारियों के लाभ के लिए भामा ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालयों/शाखा कार्यालयों में आवासीय फ्लैट्स खरीद रहा है। वर्ष 1995–96 के दौरान भामा ब्यूरो ने भोपाल तथा जयपुर में फ्लैट खरीदे और 84.4 लाख रु. खर्च किये।

विश्व बैंक परियोजना

भामा ब्यूरो ने प्रौद्योगिकी सेवा आवर्ती निधि के अंतर्गत विश्व बैंक से वर्ष 1991–92 में 954 लाख रुपये का ऋण सात परियोजनाओं के लिए सरल शर्तों पर प्राप्त किया था। बदलते हुए प्रौद्योगिकी के परिदृश्य

projects. The progress achieved during 1995-96 is given below.

Laboratory Equipment

Modernization of test facilities is fundamental in maintaining the quality of testing. For modernizing and upgrading testing facilities of BIS laboratories in order to bring them to international level, sophisticated equipments with latest technology are being procured. Under this project Rs 10.8 million were spent for procurement of ICP Spectrometer, two Atomic Absorption Spectrophotometers, six Salt Spray Chambers, Endurance Test Apparatus for electric iron, Endurance Test Panels for electric heaters, AC Absorption Dynamometer, and other laboratory equipments.

Computer and Other Associated Equipments

Computerization of various activities in BIS was undertaken to make them more efficient. An expenditure of Rs 1.04 million was incurred for purchase of PCs and printers during 1995-96.

Science and Technology

On the recommendation of the National Committee for Science and Technology, two projects, namely, development of codes for building and civil construction and typification for industrial structures were initiated. A handbook on building construction practices has been prepared and is under printing. An expenditure of Rs 0.72 million was incurred during 1995-96.

Central Enquiry Point Under the GATT Standards Code

To eliminate technical barriers to international trade, Government of India nominated BIS as the Central Enquiry Point under General Agreement on Tariffs and Trade (GATT) Standards Code. For effective functioning of the Central Enquiry Point, it is necessary to have a strong information system and an efficient network for quicker dissemination of information. An expenditure of Rs 37 thousand was incurred for purchase of micrographic equipments and towards its annual service charges during the year 1995-96.

Staff Housing

For the benefit of transferable employees, BIS has been acquiring residential flats in Regional Offices/Branch Offices. During the year 1995-96, BIS has purchased flats at Bhopal and Jaipur and incurred an expenditure of Rs 8.44 million.

WORLD BANK PROJECTS

BIS had negotiated successfully a loan of Rs 95.4 million in 1991-92 on soft terms from the World Bank for its seven projects under the Technology Services

को ध्यान में रखते हुए सभी परियोजनाओं का व्यापक रूप से पुनरीक्षण किया गया।

भा मा ब्यूरो ने 133.2 लाख रुपये की राशि 1995–96 के दौरान मानकीकरण प्रबंध तथा मानक विकास, उत्पादों की गुणता में उन्नयन, भामा ब्यूरो प्रयोशाला नेटवर्क के उन्नयन, भामा ब्यूरो के संवर्धनात्मक प्रयासों को सुदृढ़ करने, भामा ब्यूरों की प्रशिक्षण गतिविधि को सुदृढ़ बनाने तथा मानक सूचना केन्द्र की चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर खर्च किये।

भविष्य की योजनाएं

प्रयोगशाला उपस्कर, कंप्यूटर तथा अन्य सम्बद्ध उपस्कर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा स्टाफ के लिए आवास व्यवस्था की परियोजनाएं जारी हैं तथा ये 1996–97 के दौरान जारी रहेंगी। ये प्रयास किये जा रहे हैं कि 1996–97 के दौरान हरियाणा सरकार से फरीदाबाद में राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान के भवन निर्माण के लिए भूमि प्राप्त की जा सके।

Revolving Fund. A comprehensive review of all the projects was undertaken, keeping in view the changed technology scenario.

BIS utilised Rs 13.32 million during 1995-96 on various on-going projects on standardization management and standards development, upgrading quality of products, upgrading BIS laboratory network, strengthening BIS promotional efforts, strengthening BIS training activity and standards information centres.

FUTURE PLANS

Projects on Laboratory Equipments, Computer and other Associated Equipments, Science & Technology and Staff Housing are on-going projects and will be continued in 1996-97. Efforts are being made to procure land for construction of the building for the National Training Institute from the Haryana Government at Faridabad during 1996-97.

मानक निर्धारण

मानकीकरण के प्रति नया दृष्टिकोण

मानक निर्धारण को आवश्यकता पर आधारित और बाजार से जुड़ी गतिविधि बनाने के लिए मानक निर्धारण के लिए नये नीति संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांत जून, 1995 में प्रकाशित किये गये थे। मानकीकरण के प्रति नये दृष्टिकोण के अनुसार निम्नलिखित पर बल दिया जाना चाहिए :

1. नये विषयों की पहचान के लिए ग्राहक की आवश्यकता और बाजार की मांग के आधार पर चयनात्मक दृष्किोण, तथा
2. वर्तमान मानकों की समीक्षा तथा पुनरीक्षण, अव्यवहारिक मानकों को हटाने तथा मानकों की प्रचुर मात्रा को कम करने के लिए मानकों के भागों/अनुभागों को आपस में मिलाने सहित मानक निर्धारण के प्रति एकीकृत दृष्किोण।

इसके अलावा संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के लिए ऐसी समितियां जो सक्रिय नहीं हैं, उनका सक्रिय समितियों के साथ विलय/समामेलन करने पर बल दिया गया है।

प्रचालनात्मक व्यवस्था

नये मार्ग सिद्धांतों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आरंभ की गई व्यवस्था में निम्नलिखित शामिल हैं :

1. मानकीकरण के लिए नये प्रस्ताव का औचित्य देते हुए एक प्रस्ताव प्रपत्र, जिसे प्रस्तावकर्ता द्वारा भरा जाना है, को पुनः सक्रिय बनाया गया है।

2. मानकीकरण के नये प्रस्ताव के अनुमोदन के लिए विश्लेषण करते हुए एक नया मूल्यांकन प्रपत्र आरंभ किया गया है, जिसे समिति के सचिव द्वारा भरा जाना है।

3. मानकीकरण के नये प्रस्तावों की संवीक्षा के लिए विषय समितियां और विभाग परिषदों की सहायता करने/उन्हें परामर्श देने के लिए कार्यालय की एक उच्च स्तरीय संवीक्षा समिति स्थापित की गई है।

विभाग परिषदों /विषय समितियों की बैठक

मानकीकरण निर्धारण गतिविधि का जायजा लेने के लिए सिविल इंजीनियरी, इलेक्ट्रोनिक तथा दूरसंचार, खाद्य एवं कृषि, भारी यांत्रिक इंजीनियरी, नदी घाटी तथा परिवहन इंजीनियरी की विभाग परिषदों की बैठकें वर्ष के दौरान आयोजित की गयीं। मानकों के मसौदों और सम्बद्ध तकनीकी दस्तावेजों पर विस्तार से विचार करने के लिए 165 विषय समितियों की बैठकें भी आयोजित की गयीं।

मानक निर्धारण

वर्ष के दौरान भा मा ब्यूरो ने 341 (नये तथा पुनरीक्षित) मानक निर्धारित किये, जिससे लागू मानकों की कुल संख्या 31 मार्च, 1996 को 16 804 थी (देखें आकृति 1) मानक निर्धारण गतिविधि का क्षेत्रवार विवरण सारणी 1 में दिया गया है।

STANDARDS FORMULATION

NEW STANDARDIZATION APPROACH

In order to make standards formulation a need based and market driven activity, new policy guidelines for standards formulation were published in June 1995. As per the new standardization approach emphasis is on:

1. A selective approach in identification of new subjects based on customer needs and market demand, and
2. An integrated approach for standards formulation, including review and revision of existing standards; weeding out obsolete standards; and amalgamating Parts/ Sections of standards to avoid standards proliferation.

Besides, emphasis has also been laid on merger/ amalgamation of non-active Committees with active Committees for better utilization of resources.

Operational Mechanism

The mechanism introduced for effective implementation of the new guidelines include the following:

1. A Proposal Proforma for giving justification for new proposals for standardization, to be filled up by the proposer, has been revitalized.
2. An Evaluation Proforma for giving analysis for approval of new proposal for standardization, to be filled up by the Committee Secretary, has been introduced.
3. A high level in-house Screening Committee has been set up to assist/advise Sectional Committees and Division Councils in screening new proposals for standardization.

MEETING OF DIVISION COUNCILS/ SECTIONAL COMMITTEES

To take stock of standards formulation activity, Division Councils of Civil Engineering, Electronics and Telecommunications, Food and Agriculture, Heavy Mechanical Engineering, River Valley and Transport Engineering met during the year. The meetings of 165 Sectional Committees were also held to consider drafts of standards and related technical documents in detail.

STANDARDS FORMULATION

During the year, BIS formulated 341 (new and revised) standards, bringing the total number of standards in force to 16 804 as on 31 March 1996 (*see* Fig. 1). Fieldwise details of standards formulation activity is given in Table 1.

महत्वपूर्ण मानक

कुछ महत्वपूर्ण विषय, जिन पर नये तथा पुनरीक्षित मानक बने, की सूची नीचे दी जा रही है :

रसायन

- सतह सक्रिय अभिकर्मकों (संशोधित स्टर्म परीक्षण) की तैयार जैव–अवकर्षणीयता की परीक्षण पद्धति
- रबड़ के जूतों का आस्तरित चालन – विशिष्टि
- वनस्पति के लिए लेमिनेटित कागज गत्ते का पैक – विशिष्टि

सिविल इंजीनियरी

- सीमेंट की निर्दोषता–परीक्षण के लिए ऑटोक्लेव की विशिष्टि
- सीमेंट चढ़े पार्टिकल बोर्ड

इलैक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार

- आयाम माड्यूलन प्रसारण संचरणों के लिए रेडियो रिसीवर – विशिष्टि

आकृति 1 लागू मानक
Fig. 1 Standards in Force

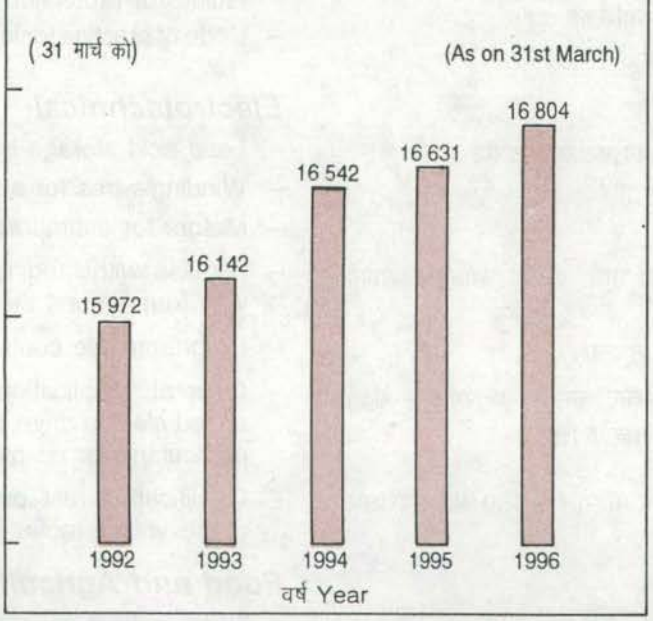

IMPORTANT STANDARDS

Some of the important subjects on which new or revised Indian Standards were formulated are listed below:

Chemical

- Method of test for ready bio-degradability of surface active agents (Modified sturm test)
- Rubber footwear lined conducting – Specification
- Laminated paper board pack for vanaspati–Specification

Civil Engineering

- Specification for autoclave for testing soundness of cement
- Cement bonded particle boards

Electronics and Telecommunication

- Radio receivers for amplitude modulation broadcast transmissions–Specification

सारणी 1 1995–96 के दौरान मानक निर्धारण गतिविधि
Table 1 Standards Formulation Activity During 1995-96

क्षेत्र Field	निर्धारित मानक Standards Formulated	जारी किए गए संशोधन Amendments Issued
(1)	(2)	(3)
रसायन Chemical	29	21
सिविल इंजीनियरी Civil Engineering	13	21
इलैक्ट्रॉनिकी एवं दूरसंचार Electronics and Telecommunications	21	1
विद्युत तकनीकी Electrotechnical	32	25
खाद्य एवं कृषि Food and Agriculture	43	175
भारी यांत्रिक इंजीनियरी Heavy Mechanical Engineering	25	11
हल्की यांत्रिक इंजीनियरी Light Mechanical Engineering	28	7
प्रबन्ध एवं पद्धति Management and Systems	16	16
चिकित्सा उपस्कर एव अस्पताल आयोजना Medical Equipment and Hospital Planning	12	17
धातुकर्म इंजीनियरी Metallurgical Engineering	24	29
पेट्रोरसायन Petrochemicals	25	27
उत्पादन इंजीनियरी Production Engineering	25	38
नदी घाटी River Valley	13	2
वस्त्रादि Textiles	20	8
परिवहन इंजीनियरी Transport Engineering	20	7
योग Total	**346**	**405**

- आवृत्ति माड्यूलन प्रसारण संचरणों के लिए रेडियो रिसीवर – विशिष्टि
- सूचना संसाधनों के संरक्षण की मार्गदर्शिका
- सूचना सुरक्षा प्रबंध की रीति संहिता

विद्युत तकनीकी

- मोटर वाहनों के लिए सीसा–अम्ल की भंडारण बैटरियां
- निमज्जनीय मोटरों के लिए कुंडलन तार
- निमज्जन पंपसेटों के लिए मोटर
- फोर्म वाउन्ड स्टेटर कॉयल सहित घूर्णी ए.सी. मशीनों के आवेग निध्नकारी स्तर
- प्रोग्रामन योग्य नियंत्रक – सामान्य सूचना
- समायोज्य गति विद्युत चालक, अपेक्षाएं, सामान्य अनुप्रयोग – रेटिंग विशिष्टि, विशेषकर डीसी मोटर चालक के लिए
- क्रिस्टलीय सिलिकॉन फोटो–वोल्टीय मॉड्यूल के लिए अर्हता परीक्षण प्रक्रिया

खाद्य एवं कृषि

- अजादिरेक्टिन युक्त नीम रस सांद्र – विशिष्टि
- अजादिरेक्टिन युक्त नीम आधारित ईसी – विशिष्टि

भारी यांत्रिक इंजीनियरी

- प्रत्यक्ष क्रिया हैंडपम्प – विशिष्टि
- पट्टा प्रणाली – रखरखाव सुविधाएं – डिजाइन संबंधी मानदण्ड

हल्की यांत्रिक इंजीनियरी

- पैकेजबंदी – 500 कि.ग्रा. तक के डीज़ल इंजन के निर्यात के लिए पैकेज – रीति संहिता
- अंतरण युक्ति – औद्योगिक उपयोग के लिए सिरा रहित संकीर्ण 'v' आकार के पट्टे
- इंजीनियरी मापमिति–डायल स्नेप गेज–विशिष्टि

प्रबंध एवं पद्धति

- नमूने लेने की निरीक्षण कार्यविधियां – विलगित राशि के निरीक्षण के लिए सीमित गुणता (एल क्यू) द्वारा सूचित गुण–दोष मालूम करने के लिए नमूने लेने की योजना
- कार्य अध्ययन की तकनीक – कार्य मापन
- अस्पताल सहायी सेवाओं के लिए गुणता प्रबंध (30 संस्तरित अस्पतालों) के मार्गदर्शी सिद्धांत

चिकित्सा उपस्कर एवं अस्पताल आयोजना

- अन्तर्नेत्रीय लैंस – विशिष्टि
- चिकित्सा उपयोग के लिए रक्ताधान उपस्कर – एकल उपयोग के लिए रक्ताधान का सैट
- बार्ड पार्कर किस्म के शल्यक वियोज्य ब्लेड तथा दस्ते – विशिष्टि

- Radio receivers for frequency modulation broadcast transmission–Specification
- Guide for protection of information resources
- Code of practice for information security management

Electrotechnical

- Lead acid storage batteries for motor vehicles
- Winding wires for submersible motors
- Motors for submersible pump sets
- Impulse withstand levels of rotating ac machines with form wound stator coils
- Programmable controllers – General information
- General application, requirements for adjustable speed electric drive systems – Rating specifications particularly for dc motor drives
- Qualification test procedure for crystalline silicon photo voltaic modules

Food and Agriculture

- Neem extract concentrate containing Azadirachtin–Specification
- Neem based EC containing Azadirachtin–Specification

Heavy Mechanical Engineering

- Direct action hand pump – Specification
- Conveyor systems – Maintenance facilities – Design parameters

Light Mechanical Engineering

- Packaging – Export packaging of Diesel engines up to 500 kg – Code of practice
- Transmission devices – Endless narrow 'v'-belts for industrial use – Specification
- Engineering metrology – Dial snap gauges–Specification

Management and Systems

- Sampling Inspection Procedures : Attribute sampling plans indexed by limiting quality (LQ) for isolated lot Inspection
- Techniques of Work Study – Work measurement
- Guidelines for Quality Management for hospital support services (upto 30 bedded hospitals)

Medical Equipment and Hospital Planning

- Intra Ocular lenses – Specification
- Transfusion equipment for medical use – Specification for single use Blood-taking set
- Detachable surgical blades (Bard parker type) and handles – Specification

धातुकर्म इंजीनियरी

- धातुओं का तनन परीक्षण
- सतत पूर्व – रोगनित जस्तीकृत इस्पात की चद्दरें एवं कुंडलियां – विशिष्टि
- धातुओं और मिश्रधातुओं का संक्षारण – वातावरण के संक्षारणता संवर्गों के अनुशंसित मान
- विद्युततार बंदी उपसाधनों में धारा निर्वाह भाग के लिए पीतल– विशिष्टि

पैट्रोरसायन

- तेल में कोलाइडल ग्रेफाइट परिक्षेपण – विशिष्टि
- एल्युमिनियम शीतित रोलिंग तेल – विशिष्टि
- संवातन वाहिनी – विनायल लेपित, नम्य तथा अर्धदृढ़ – विशिष्टि

उत्पादन इंजीनियरी

- छैनी और गॉज
- कार्बाइड टिप युक्त एक नोंक वाले आयोजन औज़ार

नदी घाटी

- कंकरीट तथा चिनाई बांधों में रंध्र दाब मापन युक्तियां (कम्पन तार टाइप सैल) का संस्थापन, रखरखाव तथा प्रेक्षण–रीति संहिता
- जल वैज्ञानिक संरचनाओं के लिए भूमिजल अन्वेषण – मार्गदर्शी सिद्धांत
- रिसाव नियंत्रण के लिए डायाफ्रामवाल की डिजाइन तथा निर्माण–रीति संहिता
- जलोढ़ ग्रावटिंग सामग्री का चयन–मार्गदर्शी सिद्धांत
- जल गहराई मापन हेतु प्रतिध्वनि ध्वनित्र

वस्त्रादि

- मत्स्यन प्रयोजन के लिए संयोजी तार रस्से – विशिष्टि
- वस्त्रादि – सादी बुनी हुई महिलाओं की सूती पेंटी – विशिष्टि
- पोलियस्टर बहु तंतु रस्से – विशिष्टि
- भूवस्त्रादि – समलंबाभ विदारण सामर्थ्य की परीक्षण पद्धति
- भूवस्त्रादि – शुष्क चालन तकनीक द्वारा आभासी ओपनिंग साइज ज्ञात करने की पद्धति
- भूवस्त्रादि – जल पारगम्यता ज्ञात करने की परीक्षण पद्धतियां

परिवहन इंजीनियरी

- मोटरगाड़ी वाहन – ब्रेक तथा ब्रेकिंग प्रणाली के लिए परीक्षण प्रक्रिया की सिफारिश
- मोटरगाड़ी वाहन – परावर्ती चद्दर तथा टेप – विशिष्टि
- मोटरगाड़ी वाहन – पंजीकरण पट्टिका – अपेक्षाएं
- मोटरगाड़ी वाहन – एकीकृत पावर स्टीयरिंग गीयर – परीक्षण पद्धति

Metallurgical Engineering

- Tensile testing of metals
- Continuously pre-painted galvanized steel sheets and coils – Specification
- Corrosion of metals and alloys – Recommended values for the corrosivity categories of atmospheres
- Brass for current carrying parts in electrical wiring accessories – Specification

Petrochemicals

- Colloidal graphite dispersion in oil – Specification
- Aluminium cold rolling oil – Specification
- Ventilation ducting – Vinyl coated, flexible and semi-rigid – Specification

Production Engineering

- Chisels and gouges
- Carbide tipped single point planning tools

River Valley

- Installation, maintenance and observation of pore pressure measuring devices (vibrating wire type cell) in concrete and masonry dams – Code of practice
- Ground water investigations for hydraulic structures– Code of practice
- Design and construction of diaphragms for under seepage control – Code of practice
- Choice of grouting materials for alluvial grouting– Guidelines
- Echo sounders for water depth measurement

Textiles

- Combination wire ropes for fishing purposes– Specification
- Textiles – Plain knitted ladies cotton panties– Specification
- Polyester multifilament ropes – Specification
- Geotextiles – Method of test for trapezoid tearing strength
- Geotextiles – Method for determination of apparent opening size by dry sieving technique
- Geotextiles – Methods of test for determination of water permeability permittivity

Transport Engineering

- Automotive vehicles – Test procedure recommendation for brakes and braking systems
- Automotive vehicles – Reflective sheets and tapes – Specification
- Automotive vehicles – Registration plate – Requirements
- Automotive vehicles – Integral power steering gear – Method of test

मानकों की पुनरीक्षा और उन्हें अद्यतन बनाना

मानकों की पुनरीक्षा आवश्यकता होने पर किन्तु 5 वर्ष में एक बार निश्चित रूप से की जाती है। वर्ष के दौरान पुनरीक्षा करने के बाद 346 मानक पुनः निरीक्षण हेतु लिए गये, 77 मानक वापस लिये गये और 3 485 मानक पुनर्पुष्ट किये गये। इसके अतिरिक्त वर्तमान मानकों के 405 संशोधन जारी किये गये।

पर्यावरण प्रबंध

पर्यावरण संरक्षण तथा प्रबंध आज विश्व में चिन्ता का विषय है। अभी तक भामा ब्यूरो ने औद्योगिक निःस्राव, जल तथा अपशिष्ट जल के नमूने लेने और परीक्षण की पद्धति, औद्योगिक निःस्राव के उपचार व निपटान की मार्गदर्शिका, वायु प्रदूषण के मापन की पद्धतियां, उद्योग में वायु प्रदूषण के निरीक्षण की रीति संहिता तथा ठोस औद्योगिक अपशिष्ट के निपटान के मार्गदर्शी सिद्धांतों से संबंधी मानक प्रकाशित किये हैं।

पर्यावरण प्रबंध पद्धति पर अंतर्राष्ट्रीय मानकों, जिन्हें आईएसओ 14 000 श्रृंखला के लोकप्रिय नाम से जाना जाता है, के विकास को देखते हुए भामा ब्यूरो की रसायन विभाग परिषद् ने पर्यावरण संरक्षण और प्रबंध को बल देने वाले क्षेत्र के रूप में पहचाना है। भा मा ब्यूरो की जल पर्यावरण संरक्षण विषय समिति सीएचडी 12, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईएसओ 14000 मानकों की श्रृंखला के निर्धारण की प्रगति को काफी सजग होकर देख रही है और अपनी 19 मार्च, 1996 को हुई बैठक में इस समिति ने आईएसओ/टीसी 207 पर्यावरण प्रबंध समिति द्वारा प्रकाशित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय मानकों की पुनरीक्षा के बाद इन मानकों को राष्ट्रीय मानक के रूप में अपनाने का निर्णय लिया है।

ऊर्जा संरक्षण

बिजली ऊर्जा का सबसे सुविधाजनक रूप है। यह कहा गया है कि विद्युत ऊर्जा की मांग में वृद्धि ज्यामिति के अनुक्रम में होती है, जबकि बिजली की पूर्ति की वृद्धि अंकगणित के अनुक्रम में होती है जिसके परिणामस्वरूप मांग और आपूर्ति में अन्तर बढ़ता जाता है।

भारतीय मानक ब्यूरो ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपस्करों/उत्पादों पर भारतीय मानकों में निम्नलिखित पहलुओं में एक अथवा अधिक को प्रतिबंधित किया गया है :

i) ऊर्जा खपत की अधिकतम सीमा,
ii) न्यूनतम दक्षता, तथा
iii) अधिकतम क्षति।

उत्पाद मानकों के अलावा पद्धति, डिजाइन के चयन तथा संस्थापन और रख–रखाव की संहिताओं से सम्बद्ध ऊर्जा दक्षता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शिकाएं हैं। बिजली की मोटरें तथा पम्पों, बिजली के उपकरणों, विद्युत लैम्पों, रेफ्रीजरेटर तथा वातानुकूलों इत्यादि पर भारतीय मानक, उपभोक्ताओं को ऊर्जा दक्ष उत्पादों को चुनने में सहायता करने के लिए, रेटिंग प्लेटों पर ऊर्जा खपत/दक्षता के बारे में सूचना अंकित करना निर्दिष्ट करते हैं। इसके अलावा ऊर्जा संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा खपत और दक्षता पर वर्तमान मानदण्डों को भी अद्यतन किया जा रहा है। जिन भारतीय मानकों में अभी तक ऊर्जा दक्षता संबंधी मानदण्ड और उनके परीक्षण की पद्धतियां सम्मिलित नहीं की गई हैं, उन मानकों में उपर्युक्त को सम्मिलित करने के लिए भी कार्यवाही की जा रही है।

REVIEW AND UPDATING OF STANDARDS

Standards are reviewed as considered necessary, but at least once in five years. After review, 346 number of standards were taken up for revision, 77 withdrawn and 3 485 re-affirmed during the year. In addition, 405 amendments were issued to the existing standards.

ENVIRONMENT MANAGEMENT

Environment Protection and Management is a matter of global concern today. So far BIS has published standards pertaining to method of sampling and test for industrial effluents, water and wastewater, guide for treatment and disposal of industrial effluents, methods of measurement of air pollution, code of practice for control of air pollution in industry and guidelines for disposal of solid industrial wastes.

Chemical Division Council of BIS, identified Environment Protection and Management as a thrust area, in view of the development of international standards on Environment Management System popularly known as ISO 14 000 series. The Water Environmental Protection Sectional Committee, CHD 12 of BIS is closely watching the progress of formulation of ISO 14000 series of standards at the international level and at its last meeting held on 19 March 1996 decided to adopt these standards as national standards after reviewing the international standards published by ISO/TC 207 Environmental Management Committee.

ENERGY CONSERVATION

Electricity is the most convenient form of energy. It is said that the growth of demand of electrical energy is in geometric progression, whereas the growth of electric supply is in arithmetic progression, resulting in increased gap between demand and supply.

Bureau of Indian Standards plays a significant role in energy conservation. The Indian Standards on the equipment/products by and large stipulate one or more of the following aspects:

i) Maximum limit of energy consumption,
ii) Minimum efficiency, and
iii) Maximum losses.

Besides product standards, there are guides for achieving energy efficiency concerning selection of systems, design and codes for installation and maintenance. Indian standards on electric motors and pumps, electrical appliances, electric lamps, refrigerators and air-conditioners, etc, stipulates marking of energy consumption/efficiency on the rating plates to assist consumer in selecting energy efficient products. Also the existing stipulations on energy consumption and efficiency are being updated with a view to conserve energy. Actions have also been initiated to incorporate energy efficiency parameters and their methods of tests in cases where such requirements are not so far covered in Indian standards.

प्रदीपन इंजीनियरी के क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रकाश व्यवस्था संहिता को तैयार करने का कार्य अंतिम अवस्था में है। इस संहिता में प्राकृतिक प्रकाश की उपयोगिता, विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों इत्यादि पर समुचित प्रकाश स्रोतों की स्थिति और लोकेशन पर विशेष बल दिया गया है।

इस वर्ष किये गये कार्य में निम्नलिखित कार्य उल्लेखनीय हैं :

आईएस 325 : 1996 तीन फेजीय प्रेरण मोटरें (चौथा पुनरीक्षण)

इस पुनरीक्षण में दक्षता और पावर घटक के गुणक के स्थान पर दक्षता को विशेष रूप से निर्दिष्ट करते हुए ऊर्जा संरक्षण के पहलू को शामिल किया गया है और घोषित प्रवर मानों के ऋणात्मक छूट को अनुमति नहीं दी गई है। रेटिंग प्लेट पर मोटर की दक्षता का सूचनांकन अनिवार्य बनाया गया है।

आईएस 8789 : 1996 तीन फेजीय प्रेरण मोटरों के कार्यकारिता अभिलक्षणों के मान (पहला पुनरीक्षण)

इस पुनरीक्षण में कार्यकारिता के मूल्यांकन के लिए दक्षता तथा पावर घटक के गुणक के पहले मानों के स्थान पर मोटरों की दक्षता का मान दिया गया है। इससे उर्जा संरक्षण की दिशा में और उपयोगकर्ता को उचित दक्षता वाली मोटरों के चयन में सहायता मिलेगी।

आईएस 13021 (भाग 1) : 1991 नलिकाकार प्रतिदीप्ति लैम्पों के लिए एसी आपूर्तित इलैक्ट्रोनिक बेलास्ट : भाग 1 सामान्य तथा सुरक्षा अपेक्षाएं, *और*

आईएस 13021 (भाग 2) : 1991 नलिकाकार प्रतिदीप्ति लैम्पों के लिए एसी आपूर्तित इलैक्ट्रोनिक बेलास्ट : भाग 2 कार्यकारिता अपेक्षाएं

इलैक्ट्रोनिक बेलास्ट को ऊर्जा संरक्षण के कारण ही ग्राहकों ने स्वीकार किया है। इलैक्ट्रोनिक बेलास्ट में पावर की क्षति पारम्परिक बेलास्ट की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कम है। यह मानक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए नये विकासों के साथ एकरूप करने के लिए विचाराधीन है।

भामा ब्यूरो पावर मंत्रालय के अंतर्गत ऊर्जा प्रबंध समिति के साथ इंडोयूएस कोपरेशन प्रोग्राम ऑन एनर्जी एफीसेंसी, लेबलिंग एंड टेस्टिंग में सक्रियता से भाग ले रहा है।

In the area of illumination engineering, preparation of 'National Lighting Code' is in an advanced stage. In this code, special emphasis is being given regarding utilization of natural light, layout and location of proper light sources for different kinds of applications, etc.

Among the work done during this year, the following may be worth mentioning:

IS 325 : 1996 Three-phase induction motors (fourth revision)

The aspect of energy conservation has been introduced in this revision by specifying the efficiency in place of product of efficiency and power factor and also negative tolerance has not been permitted on declared superior values. Marking of efficiency of the motor on the rating-plate has been made obligatory.

IS 8789 : 1996 Values of performance characteristics for three-phase induction motors (first revision)

In this revision, the value of efficiency of motors has been given replacing the earlier values of product of efficiency and power factor for evaluating the performance. This would permit the user to choose motors with higher efficiency as a step towards energy conservation.

IS 13021(Part 1) : 1991 AC supplied electronic ballasts for tubular fluorescent lamps : Part 1 General and safety requirements, *and*

IS 13021(Part 2) : 1991 AC supplied electronic ballasts for tubular fluorescent lamps : Part 2 Performance requirements.

Electronic ballasts gained acceptability by consumers because of energy conservation. The power losses in electronic ballasts are significantly less than conventional ballasts. The standard is under review for aligning with new developments at international level.

BIS is actively participating in the Indo-US Cooperation Programme on Energy Efficiency, Labelling and Testing in liaison with Energy Management Committee under Ministry of Power.

उत्पाद प्रमाणन

भा मा ब्यूरो की प्रमाणन मुहर योजना में वर्ष 1995–96 के दौरान भी प्रगति जारी रही। प्रमाणन से प्राप्त आय में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिससे यह आय 3 678 लाख रु. हो गई। वर्ष के दौरान 1 429 नये लाइसेंस जारी किये गये (देखें आकृति 2)। भा मा ब्यूरो प्रमाणन मुहर योजना के अन्तर्गत 22 उत्पाद पहली बार शामिल किये गये। इनमें से कुछ उत्पाद इस प्रकार हैं :

- न्यूज प्रिंट पेपर
- पूर्व लेमिनेटर पार्टिकल बोर्ड
- सिंचाई उपस्कर के संघटक
- गहराई से पानी निकालने के हथबरमे के संघटक
- एक बार उपयोग में आने वाले शल्यक रबड़ के दस्ताने
- निर्गन्धकारी सह रोगाणुनाशी तरल
- विद्युत भाप कुकर
- स्लाइड बंधन सामग्री
- ऐसी स्थैतिक वाटघंटा मापी
- विद्युत तापन एलीमेंट – ठोस अन्तः स्थापित किस्म

प्रमाणन के अन्तर्गत भारतीय मानक

प्रमाणन मुहर योजना लागू होने से लेकर अब तक जिन भारतीय मानकों के प्रति उत्पाद प्रमाणित किये गए हैं उनमें से 325 मानक आम उपभोक्ता द्वारा रोजाना इस्तेमाल की वस्तुओं जैसे एलपीजी सिलेंडर, एलपीजी स्टोव, तेल दाब चूल्हे, प्रेशर कुकर, निरापद माचिस, सेफटी रेजर ब्लेड, जीएलएस लैम्प, प्रतिदीप्ति ट्यूब, शुष्क सैल बैटरियां, सूती बनियानें, चूर्ण के रूप में उपलब्ध हेयर डाई, डेजर्ट कूलर, वनस्पति, बिस्कुट, दूध के उत्पाद, शिशु आहार, मच्छर दानी, मच्छर भगाने वाली रेपिलेंट मेट, चाकलेट, सिलाई के धागे और कोको पाउडर हैं। वर्ष में प्रमाणित की गई वस्तुओं का अनुमानित मूल्य लगभग 9 500 करोड़ रुपये है।

PRODUCT CERTIFICATION

The BIS Product Certification Marks Scheme continued to make progress during 1995-96. The income from certification fees increased by 14 percent and reached the figure of Rs 367.8 million. The new licences issued during the year numbered 1 429 *(see Fig. 2)*. Twenty two products came under the BIS certification scheme for the first time. Some of these products are:

- Newsprint paper
- Prelaminated Partical Boards
- Irrigation Equipment Components
- Deepwell Handpump Components
- Disposable Surgical Rubber Gloves
- Deodourising-cum-disinfectant fluids
- Electric Steam Cooker
- Slide Fasteners
- AC Static Watthour Meter
- Electric Heating Elements — Solid Embedded type

Indian Standards Under Certification

Out of the total number of Indian Standards against which products have been certified since inception of the Scheme, 325 standards relate to items of daily use for common consumers, such as LPG cylinders, LPG stoves, oil pressure stoves, pressure cookers, safety matches, safety razor blades, GLS lamps, fluorescent tubes, dry cell batteries, cotton vests, powder hair dyes, desert coolers, vanaspati, biscuits, milk products, infant foods, mosquito nets, mosquito repellant mats, chocolates, sewing threads and cocoa powder. The value of the goods certified annually is estimated to be of the order of Rs 95,000 million.

आकृति 2 भामा ब्यूरो उत्पाद प्रमाणन (आई एस आई मुहर) दिये गये लाइसेंस

Fig. 2 BIS Product Certification (ISI Mark) Licences Granted

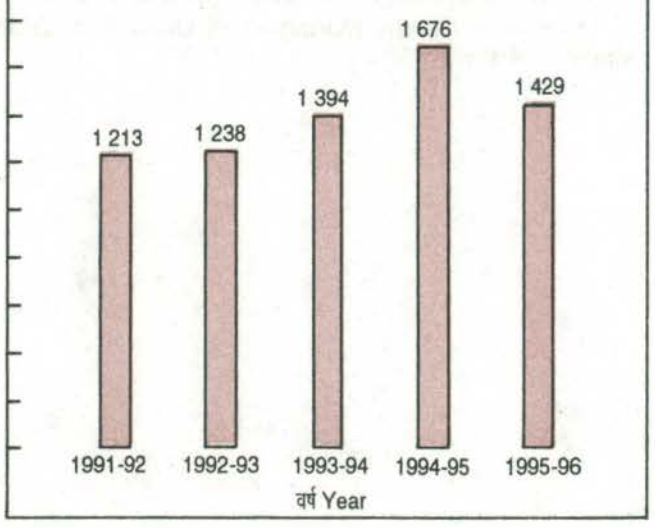

आकृति 3 31 मार्च को लागू लाइसेंसों की संख्या

Fig. 3 Number of Operative Licences as on 31st March

31 मार्च, 1996 तक जारी लाइसेंसों की कुल संख्या 12 279 है (देखें आकृति 3)। इन लाइसेंसों का क्षेत्रवार विवरण तालिका 2 में दिया गया है।

लागू लाइसेंसों/उत्पाद प्रमाणन योजना के अन्तर्गत आवेदकों का मूल्यांकन

नये लाइसेंस प्रदान करने के लिए किये गये आरंभिक निरीक्षणों, वर्तमान लाइसेंसों का पर्यवेक्षण करने के लिए किये गये आवधिक और अन्य निरीक्षणों की संख्या तालिका 3 में दी गई है।

गतावधि/निरस्त किये गये लाइसेंस

वर्ष के दौरान 998 लाइसेंस गतावधि/निरस्त किए गए। लाइसेंसों के गतावधि, निरस्त होने के कारण लाइसेंसधारी की असंतोषजनक कार्यकारिता, निर्माता द्वारा लाइसेंस में शामिल उत्पाद के निर्माण में रुचि न होना इत्यादि थे।

The total number of operative licences as on 31 March 1996 stood at 12 279 *(see* Fig. 3). The region-wise distribution of these licences is given in Table 2.

Assessment of Operative Licences/Applicants under Product Certification Scheme

The number of preliminary inspections carried out for grant of new licences, periodic and other inspections for supervision over existing licences are given in Table 3.

Expired/Cancelled Licences

During the year, 998 licences were expired/cancelled. The reasons for expiry/cancellation of licences include unsatisfactory performance, lack of interest on the part of the licensees to continue manufacturing of the product covered under the licence, etc.

सारिणी 2 प्रमाणन मुहर लाइसेंसों का क्षेत्रवार वितरण
TABLE 2 REGION-WISE DISTRIBUTION OF CERTIFICATION MARKS LICENCES
(31 मार्च 1996 तक) (AS ON 31 MARCH 1996)

क्रम सं. SL NO.	क्षेत्र REGION	शाखा कार्यालय BRANCH OFFICE		लागू लाइसेंस LICENCES IN OPERATION
1.	मध्य CENTRAL	क) दिल्ली	a) Delhi	1 382
		ख) भोपाल	b) Bhopal	573
		ग) गाजियाबाद	c) Ghaziabad	506
		घ) जयपुर	d) Jaipur	542
			योग TOTAL	**3 003**
2.	पूर्वी EASTERN	क) कलकत्ता (गुवाहाटी सहित)	a) Calcutta (including Guwahati)	1 270
		ख) भुतनेश्तर	b) Bhubaneshwar	214
		ग) पटना	c) Patna	326
			योग TOTAL	**1 810**
3.	उत्तरी NORTHERN	क) चण्डीगढ	a) Chandigarh	1 545
		ख) फरीदाबाद	b) Faridabad	343
		ग) कानपुर	c) Kanpur	244
		घ) लखनऊ	d) Lucknow	264
			योग TOTAL	**2 396**
4.	दक्षिणी SOUTHERN	क) मद्रास	a) Madras	699
		ख) बंगलौर	b) Bangalore	419
		ग) कोयम्बत्तूर	c) Coimbatore	439
		घ) हैदराबाद	d) Hyderabad	607
		ङ) तिरूवनंतपुरम	e) Thiruvananthapuram	168
			योग TOTAL	**2 332**
5.	पश्चिमी Western	क) मुम्बई	a) Mumbai	1 669
		ख) अहमदाबाद	b) Ahmedabad	1 069
			योग TOTAL	**2 738**
			महायोग GRAND TOTAL	**12 279**

प्रमाणन प्रचालन की समीक्षा

भारतीय मानक ब्यूरो प्रमाणन मुहर योजना के प्रचालन, मानकों के कार्यान्वयन में आने वाली तकनीकी समस्याओं, किसी उत्पाद के गुणता सुबंधी मानदण्डों में उपयोगकर्ता की कार्यकारिता के बारे में फीडबैक प्राप्त करने के उद्देश्य से भामा ब्यूरो लाइसेंसधारियों तथा संबद्ध उपभोक्ताओं से सरोकार रखने वालों के साथ विशिष्ट क्षेत्रों में पुनरीक्षा बैठके तथा कार्यशालाएं आयोजित करता है। फीडबैक से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग मानकों और प्रमाणन प्रक्रियाओं के पुनरीक्षण के लिए किया जाता है।

Review of Certification Operation

Review meetings and workshops with the BIS licensees and the concerned consumer interests in specified fields are held periodically to obtain feedback on the operation of the BIS Certification Marks Scheme, technical difficulties encountered in the implementation of standards, users preferences for quality parameters of a product, etc. The feedback data received comes handy for reviewing the standards and certification procedures.

सारिणी 3 1 अप्रैल 1995 से 31 मार्च 1996 के दौरान किए गए निरीक्षण

TABLE 3 INSPECTIONS CARRIED OUT FROM 1 APRIL 1995 TO 31 MARCH 1996

क्रम सं. / SL NO.	क्षेत्र / REGION	शाखा कार्यालय / BRANCH OFFICE		निरीक्षणों की संख्या / NO. OF INSPECTIONS			योग / TOTAL
				प्रारंभिक / PRELIMINARY	आवधिक / PERIODIC	अन्य / OTHERS	
1.	मध्य Central	क) दिल्ली	a) Delhi	263	1 030	709	2 002
		ख) भोपाल	b) Bhopal	199	1 021	392	1 612
		ग) गाजियाबाद	c) Ghaziabad	63	726	1 217	2 006
		घ) जयपुर	d) Jaipur	212	405	2 305	2 922
		योग TOTAL		**737**	**3 182**	**4 623**	**8 542**
2.	पूर्वी Eastern	क) कलकत्ता (गुवाहाटी सहित)	a) Calcutta (including Guwahati)	187	1 535	1 046	2 768
		ख) भुवनेश्वर	b) Bhubaneshwar	23	781	534	1 338
		ग) पटना	c) Patna	32	485	257	774
		योग TOTAL		**242**	**2 801**	**1 837**	**4 880**
3.	उत्तरी Northern	क) चण्डीगढ़	a) Chandigarh	188	1 667	1 473	3 328
		ख) फरीदाबाद	b) Faridabad	56	627	5 090	5 773
		ग) कानपुर	c) Kanpur	37	348	113	498
		घ) लखनऊ	d) Lucknow	73	442	177	692
		योग TOTAL		**354**	**3 084**	**6 853**	**10 291**
4.	दक्षिणी Southern	क) मद्रास	a) Madras	52	664	1 862	2 578
		ख) बंगलौर	b) Bangalore	20	572	2 150	2 742
		ग) कोयम्बत्तूर	c) Coimbatore	36	633	105	774
		घ) हैदराबाद	d) Hyderabad	90	852	1 189	2 131
		ङ) तिरूवनंतपुरम	e) Thiruvananthapuram	33	138	266	437
		योग TOTAL		**231**	**2 859**	**5 572**	**8 662**
5.	पश्चिमी Western	क) मुम्बई	a) Mumbai	334	1 305	2 056	3 695
		ख) अहमदाबाद	b) Ahmedabad	186	889	3 110	4 185
		योग TOTAL		**520**	**2 194**	**5 166**	**7 880**
		कुल योग GRAND TOTAL		**2 084**	**14 120**	**24 051**	**40 255**

वर्ष के दौरान लाइसेंसधारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में 21 पुनरीक्षण बैठके आयोजित की गईं। इसमें से कुछ क्षेत्र हैं :

- सीमेंट
- यूपीवीसी पाइप और फिटिंग
- विद्युत मोटर और पम्पसेट
- एलपीजी सिलेंडर, वाल्व और रेगुलेटर
- गहराई से पानी निकालने के हथबरमे
- ढलवां लोहा मृदा पाइप
- कपास
- वनस्पति
- रंग रोगन
- बिजली के केबल
- विद्युत साधिन्न और उपकरण
- डीजल इंजन
- लघु सीमेंट संयंत्र

प्रवर्तन

ब्यूरो ने 24 मार्च, 1994 को हुई अपनी बैठक में प्रवर्तन पर एक स्थायी समिति गठित की, जिसे सरकार द्वारा जारी गुणता नियंत्रण आदेशों के उल्लंघन और भामा ब्यूरो अधिनियम 1986 का उल्लंघन करने वालों के साथ अपनायी जाने वाली नीति पर सुझाव देना था। वर्ष के दौरान इस समिति की एक बैठक 16 मई, 1995 को आयोजित की गई, इस बैठक के दौरान जो महत्वपूर्ण बात उठाई गई, वह थी भामा ब्यूरो अधिनियम और अनिवार्य वस्तु अधिनियम के प्रभावी प्रवर्तन के लिए उन बैठकों में ग्राहक संगठनों को प्रत्यक्ष सहभागिता सुनिश्चित करना, जो उन उत्पादों से संबंधित हों जो अनिवार्य प्रमाणन में शामिल हैं।

छापे और अभियोजन

वर्ष के दौरान, सामान्य ग्राहकों को घटिया और असुरक्षित वस्तुओं के माध्यम से ठगे जाने से बचाने के लिए भामा ब्यूरो मुहर (आईएसआई मुहर) के दुरूपयोग की प्रभावी ढंग से रोकथाम की गई। वर्ष के दौरान भामा ब्यूरो अधिनियम के अंतर्गत मानक (आईएसआई) मुहर के दुरूपयोग पर 14 मामलों में जांच पड़ताल और जब्ती अभियान चलाये गए और राज्य प्रवर्तन अभिकरणों के साथ भामा ब्यूरो अधिकारियों ने सक्रिय सहयोग करके अनिवार्य वस्तु अधिनिगम के अन्तर्गत तीन और छापे मारे। इसके अतिरिक्त, वर्ष के दौरान आईएसआई मुहर के दुरूपयोग के 28 मामले पंजीकृत किए गए जिनमें 15 मामलों में अभियोजन चलाया गया। न्यायालय ने तीन मामलों में अपना निर्णय सुनाया, जिनमें से 2 मामलों में आरोप सिद्ध हो गए और न्यायालय ने पहली बार 1 मामले में अपराधी को दण्ड के अलावा सामान्य कारावास की सजा दी।

भामा ब्यूरो अधिनियम 1986 में संशोधन का प्रस्ताव भारत सरकार के विचाराधीन है जिसमें प्रवर्तन को अधिक प्रभावी बनाना, दण्ड की राशि बढ़ाना और भामा ब्यूरो अधिनियम के अन्तर्गत इसे संज्ञेय अपराध घोषित करना है। इसके अतिरिक्त पहले अपराध के मामले में भी दण्ड तथा सजा की अवधि बढ़ाने के प्रस्ताव के अलावा तीसरी बार अपराध करने पर सजा को छह माह से बढ़ाकर तीन वर्ष या दोनों करने का प्रस्ताव

During the year, 21 review meetings with licensees were organized in different product areas. Some of these include :

- Cement
- UPVC pipes and fittings
- Electric motors and pumpsets
- LPG cylinders, valves and regulators
- Deepwell handpumps
- Cast iron soil pipes
- Jute
- Vanaspati
- Paints
- Electric cables
- Electrical appliances and accessories
- Diesel Engine
- Mini Cement Plants

ENFORCEMENT

The Bureau, in its meeting held on 24 March 1994, had set up a Standing Committee on Enforcement with the responsibility to suggest strategy for dealing with violations of Quality Control Orders issued by the Government as also for dealing with violations of BIS Act, 1986. During the year one meeting of the Standing Committee was held on 16 May 1995. The important issue which was taken up during this meeting related to direct participation of Consumer organizations for effective enforcement of BIS Act and Essential Commodities Act for such products which are covered under mandatory certification under these acts.

Raids and Prosecution

The job of effectively checking the misuse of the BIS Standard Mark (ISI mark) in order to protect the common consumer from being deceived through sub-standard and unsafe goods continued during the year. Search and seizure operations were carried out in 14 cases for the misuse of ISI Mark, under the BIS Act and three more raids were carried out by state enforcement agencies under Essential Commodities Act with the active participation of BIS officials. Besides, 28 cases of misuse of ISI Mark were registered during the year and in 15 cases, prosecutions were launched. Three cases were decided by the courts with conviction orders in two cases. For the first time, the court in one case awarded sentence of simple imprisonment to the accused in addition to fine.

The proposals of the Bureau for amendments to BIS Act, 1986 with a view to make the enforcement more effective and also enhancing the penalties and making the offences under the BIS Act congnizable are under consideration of the Central Government. Besides proposing increase in the penalty and period for imprisonment even for the first offence, recommendations

किया गया है। यह आशा की जाती है कि यदि यह प्रस्ताव मंजूर कर लिया जाता है तो इससे आईएसआई मुहर का दुरूपयोग काफी कम होने की संभावना है। आगे यह भी प्रस्ताव है कि महानिदेशक के स्तर पर स्वतः अपराध को संयोजित किया जा सके।

जागरूकता

व्यापारियों और उपभोक्ताओं को उनके घरों में जाकर शिक्षित करने के उद्देश्य से पूरे देश के महत्वपूर्ण बाजारों में छह उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाये गए। भामा ब्यूरो ने अपने अधिकारियों, राज्य सरकार के अधिकारियों और उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों को भामा ब्यूरो अधिनियम के प्रावधानों, आवश्यक वस्तु अधिनियम और विभिन्न गुणता नियंत्रण आदेशों की जानकारी देने के लिए पांच कार्यशालाएं/सम्मेलन आयोजित किए।

केन्द्र/राज्य सरकारों के साथ पारस्परिक सहयोग

सीमेंट के लिए गुणता नियंत्रण आदेशों में उपयुक्त प्राधिकरण को पुर्नपरिभाषित करते हुए पुनरीक्षित किया गया। मृदु इस्पात नलियों पर गुणता नियंत्रण आदेश पुनरीक्षण के अधीन है, जिसके यथाशीघ्र जारी होने की संभावना है। इसके प्रवर्तन आदेशों का अनुपालन करने के लिए उपयुक्त प्राधिकरण को परिभाषित किया जाना है। भारतीय मानक ब्यूरो, केन्द्र सरकार के पृथक–पृथक मंत्रालयों से अन्य गुणता नियंत्रण आदेशों में उपयुक्त प्राधिकरणों के प्रावधान को शामिल करने के लिए आग्रह कर रहा है ताकि राज्य सरकारों द्वारा इन आदेशों का प्रभावी रूप से प्रवर्तन किया जा सके।

हमारे क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों द्वारा विभिन्न गुणता नियंत्रण आदेशों के कार्यान्वयन के लिए राज्य प्राधिकरणों से पारस्परिक सहयोग किया गया। बिजली के घरेलू उपकरणों, मृदु इस्पात नलियों, सीमेंट इत्यादि से संबंधित गुणता नियंत्रण आदेशों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपाय तलाशने के लिए मानकीकरण और गुणता पद्धति के लिए राज्य स्तरीय समितियों की बैठकों में सहभागिता पर बल दिया गया। गुजरात, तमिलनाडु और दिल्ली में इन गुणता नियंत्रण आदेशों के कार्यान्वयन के लिए राज्य प्राधिकरणों के साथ–साथ व्यापारियों और निर्माता संगठनों से भी उत्साहवर्धन प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। दिल्ली सरकार ने वर्ष के दौरान छह बैठकें आयोजित कीं जिनमें भामा ब्यूरो के अधिकारियों ने विभिन्न गुणता नियंत्रण आदेशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के करने एवं उपभोक्ता कल्याण के लिए कार्यवाही के लिए बातचीत की।

have been made for imprisonment for a minimum period of six months for third offence to be extended upto three years or with both. It is hoped that if the proposals are agreed, misuse of ISI Mark can be contained to a larger extent. Further, proposal has also been made for compounding of the offence at the level of Director General itself.

Awareness

In order to educate traders and consumers at their doorsteps, six consumer awareness drives were carried out in important markets all over the country. Five Workshops/Conferences were also organized by BIS for acquainting its own Officers, State Government Officers and consumer activists with respect to the provisions of BIS Act, Essential Commodities Act and various Quality Control Orders.

Interaction with Central/State Governments

The Quality Control Order for cement was revised defining the appropriate authority. Quality Control Order on Mild Steel Tubes is under revision and is expected to be issued shortly defining the Appropriate Authority empowered to carry out the enforcement of the order. BIS is pursuing with the respective ministries of the Union Government to amend the other Quality Control Orders suitably to incorporate the provisions of Appropriate Authority in the control orders for their effective enforcement by the state governments.

Close interaction with state authorities for implementing various Quality Control Orders was maintained, by our Regional and Branch Offices. Greater emphasis was laid on the ways and means for effective implementation of Quality Control Orders pertaining to household electrical appliances, Mild Steel Tubes, Cement, etc, through participation in the meetings of State Level Committees for Standardization and Quality Systems in various states. Encouraging response was received both from the state authorities as well as the traders' and manufacturers' associations to implement these Quality Control Orders in the states of Gujarat, Tamil Nadu and Delhi. Government of Delhi held 6 meetings during the year where BIS officials participated for discussing actions against the violation of various Quality Control Orders and for taking measures for consumer welfare.

गुणता पद्धति प्रमाणन

भामा ब्यूरो की गुणता पद्धति प्रमाणन योजना (क्यूएससीएस) सितम्बर 1991 में भारतीय मानक अधिनियम 1986 के प्रावधान के अन्तर्गत आरंभ की गई थी। यह योजना आईएसओ/आईईसी गाइड 40–"जनरल रिक्वायरमेंट्स फॉर एक्सेप्टेन्स ऑफ सर्टिफिकेशन बोडीज" और ईएन 45012 "जनरल क्राइटेरिया फॉर सर्टिफिकेशन बोडीज ऑपरेटिंग क्वालिटी सिस्टम्स सर्टिफिकेशन के अनुरूप चलाई जा रही है। आरंभ होने से लेकर अब तक इस योजना में आश्चर्यजनक प्रगति हुई है।

वर्ष 1995–96 के दौरान प्राप्त उपलब्धियों में प्रमुख इस प्रकार हैं।

प्रमाणन

वर्ष के दौरान 85 गुणता पद्धति प्रमाणन लाइसेंस प्रदान किए गए। इनमें से 78 लाइसेंस आईएस/आईएसओ 9002–1994 और 4 आईएस/आईएसओ 9001–1994 के अनुसार दिए गए जिनमें रासायनिक, वस्त्रादि, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, प्लाईवुड, विमानन, औषध, बैंकिंग क्षेत्र, आयुध, पैकेट–बंद खाद्य/पेय, चाय के संराधन आदि के औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। वर्ष के दौरान भा मा ब्यूरो द्वारा पहली बार बैंकिंग क्षेत्र निष्पादन परियोजना को गुणता पद्धति प्रमाणन दिया गया। भामा ब्यूरो गुणता पद्धति प्रमाणन के अन्तर्गत स्वर्ण और आभूषण को भी शामिल किया गया। 31 मार्च 1996 तक गुणता पद्धति प्रमाणन लाइसेंसों की संख्या 217 थी (देखें आकृति 4)।

भामा ब्यूरो की गुणता पद्धति प्रमाणन योजना का प्रत्यायन

भामा ब्यूरो की गुणता पद्धति प्रमाणन योजना का राड वूर एक्रिडिटेटी (आरवीए), नीदरलैंड से दस मुख्य आर्थिक गतिविधियों के लिए प्रत्यायन कराया गया था। आरवीए से अनुरोध किया गया है कि अन्य आर्थिक क्षेत्रों को भी शामिल करते हुए इस प्रत्यायन को विस्तृत किया जाए। वर्ष के दौरान, आरवीए ने दो निगरानी आडिट किए और यह पाया कि गुणता तंत्र प्रमाणन योजना का प्रचालन संतोषजनक है।

प्रशिक्षण

वर्ष के दौरान पुनश्चर्या पाठ्यक्रम श्रृंखला बंगलौर, कलकत्ता, दिल्ली और मुंबई में आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों से आडिटकर्ता कार्मिकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने में सहायता मिली है।

पूर्व प्रमाणन सेवाएं

वर्ष के दौरान, उद्योग के लगभग 400 कार्मिकों को शामिल करते हुए 16 से अधिक गुणता पद्धति परिचय कार्यक्रम और 9 संस्थानों में गुणता प्रबन्ध पद्धति के लिए प्रायोगिक

आकृति 4 31 मार्च को गुणता पद्धति प्रमाणन लाइसेंसों की संख्या

Fig. 4 Number of Quality System Certification Licences as on 31st March

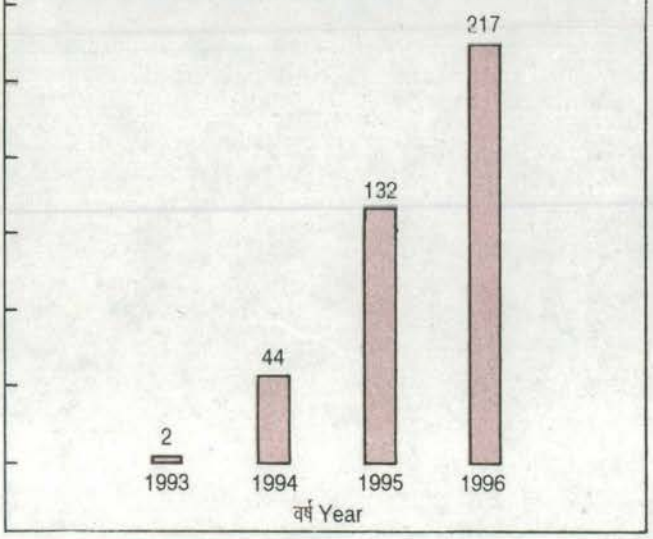

QUALITY SYSTEMS CERTIFICATION

BIS Quality Systems Certification Scheme (QSCS) was launched in September 1991 under the provision of the Bureau of Indian Standards Act, 1986. The Scheme is being operated in accordance with ISO/IEC Guide 40 – General requirements for acceptance of certification bodies and EN 45012 – 'General criteria for certification bodies operating quality systems certification. Ever since its inception, there has been a tremendous progress of the scheme.

Salient features of the achievements made during 1995-96 are listed below.

Certification

During the year, 85 quality systems certification licences were granted. Of these, seventy eight were as per IS/ISO 9002-1994 and four as per IS/ISO 9001-1994 covering industrial sectors, such as chemicals, textiles, cement, petroleum products, plywood, aeronautics, pharmaceuticals, banking sector, ammunition, packed food/drinks, processing of tea, etc. During the year, for the first time the project execution banking sector has been granted QS certificate by BIS. Gold and jewellery have been included in the fold of BIS QS Certification. The total number of Quality Systems Certification licences as on 31 March 1996 stood at 217 (*see* Fig. 4).

Accreditation of BIS QSCS

BIS, Quality Systems Certification Scheme (QSCS) has been accredited by Raad voor Accreditatie (RvA), Netherlands for ten major economic activities. RvA has been approached to extend the scope of accreditation to cover other sectors of economy also. During the year, RvA carried out two surveillance audits and found the operation of Quality Systems Certification Scheme to their satisfaction.

Training

A series of refresher courses were organized during the year at Bangalore, Calcutta, Delhi and Mumbai. These programmes have helped in enhancing the knowledge and skill of the auditing personnel.

Pre-Certification Services

During the year, over 16 quality systems appreciation programmes covering about 400 personnel from the industry, and trial assessment

मूल्यांकन भी आयोजित किए गए। ये संस्थान आई.एस./ आईएसओ – 9000 परिवार के मानकों के अनुसार गुणता प्रबन्ध पद्धति के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में हैं।

गुणता पद्धति प्रमाणन योजना समिति की बैठक

भामा ब्यूरो गुणता पद्धति प्रमाणन योजना की समिति की चौथी बैठक भामा ब्यूरो के महानिदेशक की अध्यक्षता में 28 जुलाई 1995 को हुई, यह बैठक गुणता पद्धति प्रमाणन योजना के प्रचालन से सम्बन्धित नीतिगत मामलों के निर्धारण की समीक्षा और नीतियों के कार्यान्वयन तथा वित्तीय मामलों की समीक्षा के लिए उत्तरदायी है।

पर्यावरण प्रबन्ध पद्धति प्रमाणन

पर्यावरण प्रबन्ध पद्धति प्रमाणन के क्षेत्र में एक सन्तुलित प्रारंभ किया गया। एक कार्यवाही योजना तैयार की गई और योजना के अनुसार वर्ष के अन्त तक पर्यावरण प्रबन्ध पद्धति प्रमाणन आरंभ करने की संभावना है।

of quality management systems at 9 organizations were conducted. These organizations are in the process of implementing Quality Management Systems in accordance with IS/ISO 9000 family of standards.

QSCS Committee Meeting

BIS QSCS Committee which is responsible for formulation of policy matters relating to the operation of Quality Systems Certification Scheme, reviewing the operation and implementing its policies and reviewing the financial affairs; held its fourth meeting under the Chairmanship of Director General, BIS on 28 July 1995.

Environmental Management Systems Certification

A modest beginning has been made in the area of Environment Management Systems Certification. An action plan has been prepared and as per the plan, Environment Management Systems Certification is likely to be started by the end of this year.

गुणता पद्धति लाइसेंस देने का समारोह
Quality System licence awarding ceremony

भा मा ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गुणता पद्धति प्रलेखन प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहभागी
Participants of Quality Systems Documentation Training Programme with senior BIS officials

भारत–यूरोपीय आर्थिक समुदाय कार्यक्रम के अन्तर्गत, ब्रिटेन से आए विशेषज्ञ, भा मा ब्यूरो के अधिकारियों के साथ केन्द्रीय प्रयोगशाला में
Experts from U.K. under Indo-EEC Cooperation programme with BIS officials at Central Laboratory

परमाणविक अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर द्वारा परीक्षण
Testing by atomic absorption spectrophotometer

प्रयोगशाला सेवाएं

भामा ब्यूरो ने देश में फैली आठ प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के माध्यम से सम्बद्ध भारतीय मानकों के प्रति प्रमाणित उत्पादों की अनुरूपता की जाँच जारी रखी। वर्ष के दौरान, भामा ब्यूरो को, नेशनल कांफ्रेंस ऑफ स्टेण्डर्डस लेबोटरीज (एनएससीएल), यूएसए, के संगठन, जो प्रबन्ध और तकनीकी सूचना अत: विनियम के माध्यम से मापन समुदाय को प्रोत्साहित करता है, के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है।

भामा ब्यूरो प्रयोगशालाएं मुख्यत: अनुरूपता परीक्षण के कार्य में लगी हैं लेकिन अपने तकनीकी विभागों के अनुरोध पर भामा ब्यूरो प्रयोगशालाओं में कुछ अनुसंधान एवं विकास कार्य भी किए गए जिनमें विकल्पी पद्धति से मारर्गिन में निहित नमी का अंश ज्ञात करना, स्पक्ट्रोफोटो मीटर पद्धति द्वारा इस्पात में भ्रमक और सिलिकॉन अंश ज्ञात करना तथा वनस्पति में निकल का अंश ज्ञात करना शामिल थे।

नमूना परीक्षण

वर्ष के दौरान, 24 617 परीक्षण रिपोर्ट भामा ब्यूरो प्रयोगशालाओं द्वारा जारी की गईं, जिनका परीक्षण मूल्य रु. 235.2 लाख रु. था। परीक्षण रिपोर्टों का क्षेत्रवार विभाजन निम्न प्रकार है :

LABORATORY SERVICES

The network of eight BIS Laboratories, spread throughout the country, continued to provide conformity testing of BIS certified products against relevant Indian Standards. During the year, BIS was enrolled as member of the National Conference of Standards Laboratories (NSCL), USA, an organization which supports the measurement community through inter-change of management and technical information.

BIS Laboratories are mainly engaged in conformity testing, however, on request from its own technical departments, few R&D jobs were undertaken in BIS laboratories in determining moisture content in margerine by alternative method, manganese and silicon content in steel by spectrophotometer method and nickel content in vanaspati.

SAMPLE TESTING

During the year, 24 617 test reports were issued by BIS laboratories, covering wide range of products, the test value being Rs. 23.52 million. The region-wise output of test reports is given below :

भामा ब्यूरो प्रयोगशालाएं BIS Laboratories	जारी परीक्षण रिपोर्टों की संख्या No. of Test Reports Issued
केन्द्रीय प्रयोगशाला Central Laboratory (साहिबाबाद दिल्ली के पास) (Sahibabad near Delhi)	8 457
पूर्वी क्षेत्र Eastern Region (कलकत्ता, गुवाहाटी और पटना) (Calcutta, Guwahati and Patna)	4 405
उत्तरी क्षेत्र Northern Region (मोहाली, चंडीगढ़ के पास) (Mohali near Chandigarh)	4 134
दक्षिणी क्षेत्र Southern Region (मद्रास और बंगलोर) (Madras and Bangalore)	4 245
पश्चिमी क्षेत्र Western Region (मुम्बई) (Mumbai)	3 376
योग Total	**24 617**

प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण/उन्न्यन

वर्ष के दौरान खाद्य एवं विद्युत प्रयोगशालाओं को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के समान लाने के लिए परीक्षण उपस्करों की खरीद और भौतिक सुविधाओं के जुटाने पर योजना निधि से 110 लाख रु. और विश्व बैंक निधि से 100 लाख रु. व्यय किये गये।

नए परीक्षण उपस्करों की प्राप्ति

केन्द्रीय प्रयोगशाला साहिबाबाद और दक्षिणी क्षेत्र प्रयोगशाला, मद्रास में घरेलू बिजली के उपकरणों के परीक्षण के आधुनिकीकरण के लिए संग्रहण

MODERNIZATION/UPGRADATION OF LABORATORIES

During the year, an expenditure of Rs. 11 million from Plan Fund and Rs 10 million from World Bank Fund was incurred for procurement of testing equipment and creation of infrastructural facilities for the Food and Electrical Laboratories in order to bring them at par with the international level.

Procurement of New Test Equipments

Storage type Oscilloscope, Test Corners for Switches, Endurance Test Apparatus for Electric Iron, Glow Wire

टाइप के ऑसिलोस्कोप, स्विचों के लिए परीक्षण कोनर्स, बिजली की इस्तरी के लिए साह्यता परीक्षण उपस्कर, दीप्ति तार परीक्षण उपस्कर, घर्षण प्रतिरोधी परीक्षण उपस्कर, तापन ऐलीमेंट और पानी के डुबाऊ हीटर के लिए साह्यता परीक्षण पेनल, काल प्रमाणन ओवन, शीत बंक परीक्षण उपस्कर, मोटर चालित बंक परीक्षण उपस्कर, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, शीत प्रभावी परीक्षण उपस्कर, स्नेच परीक्षण उपस्कर और स्पलेश परीक्षण उपकरण लिए गए।

केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद और पूर्वी क्षेत्रीय प्रयोगशाला कलकत्ता में संसाधित खाद्य प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के लिए आईसीपी स्पेक्ट्रोमीटर, आण्विक अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर, गैस तरल क्रोमाटोग्राफ और उच्च कार्यकारिता वाले तरल क्रोमाटोग्राफ लिए गए।

अतिरिक्त परीक्षण सुविधाओं का सृजन

केन्द्रीय प्रयोगशाला साहिबाबाद के रसायन विभाग में खाद्य उत्पादों के गुणात्मक पहलुओं, जैसे विटामिन, कीटनाशक अवशेष और ट्रेस तत्वों के लिए परीक्षण सुविधाओं का सृजन किया गया। नमूना तैयार करने के लिए एक मेकरेटर भी लिया गया। अखबारी कागज में तेल अवशोषणांक की परीक्षण अपेक्षाओं के लिए एक स्वदेशी तेल अवशोषण उपस्कर, का निर्माण किया गया। सीमेंट के परीक्षण के लिए अतिरिक्त परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

उत्तरी क्षेत्रीय प्रयोगशाला मोहाली में भंडारण किस्म के बिजली के पानी के हीटरों और इंस्टेन्ट गीजरों के लिए परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

दक्षिणी क्षेत्रीय प्रयोगशाला, मद्रास में एलपीजी सिलिंडरों के परीक्षण के लिए हत्था अपकर्ष परीक्षण और पात परीक्षण के लिए अतिरिक्त परीक्षण सुविधाओं का सृजन किया गया। इसके अतिरिक्त, दक्षिणी क्षेत्रीय प्रयोगशाला, मद्रास के रसायन विभाग में 35 भारतीय मानकों के प्रति परीक्षण सुविधाओं का भी सृजन किया गया।

पूर्वी क्षेत्रीय प्रयोगशाला, कलकत्ता में जूता पालिश, विरंजक चूर्ण, रवोरवले इस्पात के सेक्शन इत्यादि के परीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान की गई।

नमूना कक्ष का आधुनिकीकरण

खाद्य एवं विकासशील मदों के भंडारण के लिए अपेक्षित पर्यावरणी स्थितियों के सृजन सहित विभिन्न प्रकार के नमूनों का कम्पार्टमेंट प्रकार के भंडारण करने का प्रावधान किया गया है। नमूना कक्ष में नमूने प्राप्त करने से लेकर ग्राहकों को परीक्षण रिपोर्ट भेजने तक की पूरी प्रक्रिया कंप्यूटर नेटवर्क के माध्यम से नियंत्रित की जाती है ताकि अनुबंधिक समय सारणी के अनुसार कार्य हो और ग्राहकों को संतुष्टि मिले।

भारत–यूरोपीय आर्थिक समुदाय सहयोग

भारतीय मानक ब्यूरो प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण उन्नयन के लिए भारत–यूरोपीय आर्थिक समुदाय सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय

Test Apparatus, Wear Resistance Test Apparatus, Endurance Test Panel for Heating Elements and Immersion Water Heater, Ageing Oven, Cold Bend Test Apparatus, Motorized Bending Test Apparatus, Profile Projector, Cold Impact Test Apparatus, Snatch Test Apparatus and Splash Test Apparatus were procured for modernization of Domestic Electrical Appliances testing at Central Laboratory, Sahibabad and Southern Regional Laboratory, Madras.

ICP Spectrometer, Atomic Absorption Spectrometer, Gas Liquid Chromatograph and High Performance Liquid Chromatograph were procured for modernization of Processed Food Laboratories at Central Laboratory, Sahibabad and Eastern Regional Laboratory, Calcutta.

Creation of Additional Testing Facilities

Testing facilities for determining qualitative aspects like vitamins, pesticide residues and trace elements in food products were created in the Chemical Section of Central Laboratory, Sahibabad. A Macerator has been added for sample preparation. An oil absorption equipment has been indigenously fabricated for testing the requirement for oil absorbance in newsprint paper. Additional test facilities have been added to strengthen testing of cement.

Testing facilities for storage type electric water heaters and instant geysers have been created at the Northern Regional Laboratory, Mohali.

Additional Test Facilities for handle pull test and drop test for testing LPG Cylinders have been created in the Southern Regional Laboratory at Madras. In addition, testing facilities against 35 Indian Standards have been created in the Chemical Section at Southern Regional Laboratory, Madras.

Facility for testing shoe polish, bleaching power, hollow steel sections, etc., were added at the Eastern Regional Laboratory, Calcutta.

Modernization of Sample Cell

Provisions for compartment-wise storage of different types of samples have been made alongwith creation of desired environmental conditions for storage of food and perishable items. Entire movement of samples right from the receipt in Sample Cell and upto despatch of test reports to clients, is controlled through computer network so as to adhere to stipulated time schedule for the satisfaction of the clients.

Indo-EEC Cooperation

Under the Indo-EEC Cooperation Programme for modernization/upgradation of BIS Laboratories, number

रूप में स्वीकृत तेजी से विश्लेषण करने के लिए अनेक स्टेट ऑफ आर्ट इक्विपमेंट लिए गए।

केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद और पूर्वी क्षेत्रीय प्रयोगशाला कलकत्ता का खाद्य संसाधन क्षेत्र में आधुनिकीकरण किया गया। नमूने तैयार करने की तकनीकों में वांछित सुधार लाने के साथ परीक्षण प्रयोगशालाओं में पर्यावरणी स्थितियों में सुधार लाने के माध्यम में और संख्या में परिष्कृत उपकरण लेने के माध्यम से प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण किया गया।

वर्ष के दौरान कई बार भारत–यूरोपीय आर्थिक समुदाय सहयोग के अन्तर्गत विशेषज्ञों ने केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद में दौरे किए और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

गुणता आश्वासन गतिविधियां

राष्ट्रीय परीक्षण एवं अशंशोधन प्रत्यायन परिषद् (एनएबीएल), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा विर्निदिष्ट आईएसओ/आईईसी मार्गदर्शिका 25 के आधार पर गुणता पद्धति प्रलेख (गुणता मैन्यूल, प्रक्रिया, कार्य संबंधी अनुदेश, फोर्म एवं सूची) अच्छी प्रयोगशाला रीतियों के प्रचालन और प्रबन्ध के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए इन्हें भामा ब्यूरो की सभी प्रयोगशालाओं में कार्यान्वित किया जा रहा है। यथा कार्यान्वित गुणता पद्धति का अर्हक और प्रशिक्षित आडिटरों द्वारा नियमित अंतराल के बाद आडिट किया जाता है, ये आडिटर एनएबीएल प्रयोशाला मूल्यांकनकर्ता अथवा आईएसओ 9000 का अग्रणी मूल्यांकनकर्ता पाठ्यक्रम कर चुके होते हैं।

भामा ब्यूरो प्रयोगशालाओं ने राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद् (एनसीसीबीएम) बल्लभगढ़ द्वारा आयोजित सीमेंट परीक्षण प्रवीणता में भाग लिया।

भामा ब्यूरो केन्द्रीय प्रयोगशाला ने प्रवीणता परीक्षण आयोजन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय रूप में स्वीकृत पद्धति का अनुकरण करते हुए दूध पाउडर की अपेक्षाओं के विशिष्ट परीक्षण के लिए कार्यवाही की है।

भामा ब्यूरो क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं की सभी परीक्षण प्रयोगशालाओं कलकत्ता, मद्रास, मोहाली, मुंबई और केन्द्रीय प्रयोगशाला ने पहले ही विद्युत, यांत्रिक और रासायनिक क्षेत्रों में अपनी परीक्षण प्रयोगशालाओं के प्रत्यायन के लिए एनएबीएल से आवेदन किया है। केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद ने यांत्रिक और विद्युत तकनीकी क्षेत्र में अंशशोधन प्रयोगशालाओं के प्रत्यायन के लिए भी आवेदन किया है।

प्रयोगशालाओं को मान्यता देने वाली राष्ट्रीय संस्था के साथ बीआईएस का संबंध

एनएबीएल ने अनेक अधिकारियों को चुना है और उन्होंने एनएबीएल द्वारा आयोजित प्रयोगशाला मूल्यांकक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एनएबीएल की आवश्यकता के अनुसार ये अधिकारी उसकी मूल्यांकक के रूप में सहायता कर रहे हैं।

of state of art equipments have been procured for rapid analysis and to adopt test methods, as internationally accepted.

Central Laboratory, Sahibabad and Eastern Regional Laboratory, Calcutta have been modernized in the field of food processing sector. Modernization has been done in respect of procuring number of sophisticated equipments and improving the environmental conditions in the testing laboratories along with bringing desired improvement in sample preparation techniques.

Experts under the Indo-EEC Cooperation visited Central Laboratory, Sahibabad, number of times during the year and provided necessary guidance.

QUALITY ASSURANCE ACTIVITIES

Quality System Documents (Quality Manual, Procedures, Work Instructions, Form and Lists) covering all aspects of management and operation of good laboratory practices based on the ISO/IEC Guide 25 Criteria as specified by National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL), Department of Science and Technology, Government of India are under implementation in all the BIS Laboratories. The quality system as implemented is audited at regular intervals by qualified and trained auditors who have either undergone NABL laboratory assessors course or ISO 9000 lead assessors course.

BIS Laboratories participated in proficiency testing of cement conducted by National Council of Cement and Building Materials (NCCBM), Ballabhgarh.

BIS Central Laboratory has taken steps in organizing proficiency testing in certain test requirements of Milk Powder by following internationally accepted system of organizing Proficiency Testing.

All the testing laboratories of BIS regional labs at Calcutta, Madras, Mohali, Mumbai and Central Laboratory have already applied to NABL for accreditation of their testing labs in the Electrical, Mechanical and Chemical discipline. Central Laboratory, Sahibabad has also applied for accreditation of calibration laboratories in the field of Mechanical and Electrotechnical discipline.

Linkage of BIS with National Accreditation Body for Laboratories

A number of officers have been selected by NABL and they have undergone the Laboratory Assessors Course as conducted by NABL. These officers are assisting NABL as assessors whenever required by NABL.

अंशांकन सुविधाएँ

आईएसओ 9000 पद्धति के लिए प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के इच्छुक उद्योगों की ओर से अंशांकन सुविधाओं की अत्यधिक मांग को देखते हुए यांत्रिक अंशांकन प्रयोगशालाओं में लम्बाई और दाब की अंशांकन सुविधाएं उद्योगों को भी मुहैया कराई गई हैं, ताकि वे गुणता पद्धति प्रमाण–पत्र प्राप्त कर सकें। उन्होंने इसमें अच्छी रुचि ली है और इस वर्ष केन्द्रीय प्रयोगशाला के यांत्रिक अंशांकन अनुभाग ने 65 उपकरण अंशांकित किए हैं।

संहति, आयतन, वाट और ऊर्जा के क्षेत्र में अतिरिक्त अंशांकन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद के अंशांकन अनुभाग में फिलहाल लम्बाई, दाब, निर्वात्, बल, डीसी और एसी वोल्टता, डीसी और एसी करन्ट, प्रतिरोध और उच्च वोल्टता (20 किवो तक) के क्षेत्र में अंशांकन सुविधाएं उपलब्ध हैं। यांत्रिक और विद्युतीय अंशांकन प्रयोगशालाओं ने मान्यता प्राप्त करने के लिए एनएबीएल को आवेदन किया है।

प्रयोगशाला को मान्यता देने की भामा ब्यूरो की योजना

प्रयोगशालाओं को मान्यता देने की भामा ब्यूरो की योजना का प्रचालन मुख्य रूप से भामा ब्यूरो प्रमाणन मुहर योजना के अन्तर्गत प्राप्त नमूनों का परीक्षण करने के लिए बाहर की प्रयोगशालाओं को मान्यता देने के लिए किया जाता है, ताकि इस कार्य में उनकी सहायता ली जा सके। प्रयोगशालाओं को मान्यता देने की वर्तमान योजना को आईएसओ/आईईसी गाइड 25 (जनरल रिक्वायरमेंट्स फॉर कंपीटेंस ऑफ कैलिबरेशन एंड टैस्टिंग लेबोरेट्रीज) में निर्धारित सामान्य/तकनीकी मापदण्डों की अन्तर्राष्ट्रीय पद्धति के अनुरूप बनाया गया है। इस पुनरीक्षित योजना का कार्यान्वयन हो रहा है।

परीक्षण और अंशांकन की गुणता में सुधार के प्रति जागरूकता लाने के लिए भामा ब्यूरो ने सभी मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से यथाशीघ्र मान्यता प्राप्त करने के लिए कहा है।

भविष्य की प्राथमिकताएं और बल दिए जाने वाले क्षेत्र

केन्द्रीय प्रयोगशाला में सुरक्षा ग्लास और सुरक्षा हैलमेट की परीक्षण सुविधाएं ईसी के विनियमों के अनुसार उपलब्ध कराने के लिए ठोस उपाय किये गये हैं, ताकि आटोमोबाइल क्षेत्र को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस क्षेत्र में विदेशों को निर्यात करने की व्यापक संभावनाएं हैं। इसके लिए 88 लाख रुपये के व्यय का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय प्रयोगशाला में विद्युतीकरण प्रयोगशाला, अंशांकन प्रयोगशाला का और अधिक आधुनिकीकरण तथा सीमेन्ट की परीक्षण सुविधाओं में बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव है।

क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूर्वी क्षेत्रीय प्रयोगशाला, कलकत्ता का सूक्ष्म जीव विज्ञान और प्लाइवुड के क्षेत्र में आधुनिकीकरण किया जाएगा।

CALIBRATION FACILITIES

In view of great demand for the calibration facilities from the industries who are seeking ISO 9000 System Certification, the calibration facilities for Length and Pressure in the Mechanical Calibration Laboratory have been extended to the industries so as to enable them in achieving quality system certification. There is a good response and in this year 65 instruments were calibrated in Mechanical Calibration Section of Central Laboratory.

Steps have been taken for creating additional calibration facilities in the area of Mass, Volume, Watt and Energy. Presently, the Calibration Section at Central Laboratory, Sahibabad, is having calibration facilities in the area of Length, Pressure, Vaccum, Force, DC and AC Voltage, DC and AC Current, Resistance and High Voltage (upto 20 kV). Both the Mechanical and Electrical Calibration Labs have applied to NABL for accreditation.

BIS Laboratory Recognition Scheme

BIS Laboratory Recognition Scheme is operated to recognize outside laboratories for utilisation of their services mainly to test samples generated from BIS Certification Marks Scheme. The existing Laboratory Recognition Scheme has been aligned with international system for general/technical criteria as outlined in ISO/IEC Guide 25 (General Requirements for Competence of Calibration and Testing Laboratories). This revised scheme is under implementation.

In order to create a general awareness for improving the quality of testing and calibration, all the outside recognized labs have been requested by BIS to seek NABL Accreditation as early as possible.

FUTURE PRIORITIES AND THRUST AREAS

A concrete step has been taken in creating test facilities in Central Laboratory as per EC Regulations for Safety Glass and Safety Helmet to cater to the need for providing testing facilities to the Automobile Sector which is having tremendous potentiality for export to overseas countries. An expenditure of Rs 8.8 million is planned for the purpose. Besides, further modernization of Electrical Lab, Calibration Lab and enhancement of Cement testing facilities are proposed in Central Laboratory.

In keeping with the needs of the region the Eastern Regional Laboratory, Calcutta will be modernized in the field of Microbiology and Plywood testing.

मोहाली स्थित उत्तर क्षेत्रीय प्रयोगशाला ने अपकेन्द्री पम्पों की परीक्षण सुविधाओं तथा बिजली की इस्तरी, तीन-पिन प्लग और साकेट तथा घरेलू स्विचों के लिए अतिरिक्त परीक्षण सुविधाओं को बल दिए जाने वाले क्षेत्रों के रूप में पहचान की है।

दक्षिण क्षेत्रीय प्रयोगशाला, मद्रास में एलपीजी सिलेण्डर की द्रवस्थैतिक खिंचाव परीक्षण सुविधाओं तथा और अधिक कीटनाशकों को शामिल करने के लिए कुछ अतिरिक्त परीक्षण सुविधाएं जुटाई जा रही हैं।

दक्षिण क्षेत्रीय प्रयोगशाला में एलटी पावर सप्लाई को एचटी पावर सप्लाई में बदलने का काम भी हाथ में लिया जा रहा है।

The Northern Regional Laboratory at Mohali has identified testing facilities for centrifugal pumps and additional testing facilities for testing of electric iron, three pin plugs and sockets and domestic switches as its thrust areas.

Facilities for Hydrostatic stretch testing for LPG Cylinder and some additional test facilities to cover more pesticides are being created at Southern Regional Laboratory, Madras.

Conversion of LT Power supply into HT Power supply is also being undertaken at Southern Regional Laboratory.

मानक संवर्धन

भारतीय मानकों का शैक्षिक उपयोग (ईयूएस)

मानकीकरण के संदेश का प्रचार करने और तकनीकी संस्थाओं के शिक्षकों एवं वरिष्ठ छात्रों को भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के नवीनतम भारतीय मानकों से परिचित कराने के लिए भामा ब्यूरो मानकों के शैक्षिक उपयोग के बारे में नियमित रूप से कार्यशालाएँ आयोजित करता रहा है। वर्ष के दौरान ऐसी कार्यशालाएँ लेडी इर्विन कॉलिज, नई दिल्ली, कॉलिज ऑफ होम साइंस, मुक्तसर, पंजाब, गवर्नमेंट लेदर इंस्टीच्यूट, आगरा, पीएसजी इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, कोयम्बटूर तथा टैक्सटाइल इंस्टीच्यूट, कानपुर में आयोजित की गई।

विश्व बैंक परियोजना

जागरूकता कार्यक्रम

जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य ध्येय लघु स्तर के उद्योगों में मानकीकरण एवं गुणता पद्धति की अवधारणा का प्रचार करना है। ऐसे कार्यक्रम दुर्गापुर, कोल्हापुर, पांडिचेरी, आगरा, जोधपुर, गोआ, मदुरई और तिरुवनन्तपुरम में किए गए। इन कार्यक्रमों में संबद्ध राज्य सरकारों, प्रमुख स्थानीय उद्योग संघों और लघु उद्योग सेवा संस्थानों ने सक्रिय रुचि ली।

कम्पनी मानकीकरण कार्यक्रम

क) *प्रशिक्षण*

भा मा ब्यूरो विभिन्न संगठनों के मध्यस्तरीय कार्मिकों को कम्पनी मानकीकरण का प्रशिक्षण देता है। वर्ष के दौरान मैसर्स कालामा पंप्स, अहमदाबाद और मैसर्स जयन्त लैंप्स, कलकत्ता के अधिकारियों के लिए 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ख) *कम्पनी मानकीकरण गतिविधि की पुनरीक्षा*

प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने के बाद भा मा ब्यूरो उद्योगों की पुनरीक्षा करता है। वर्ष के दौरान प्रीसीजन इलैक्ट्रिकल्स, ठाणे, इलैक्ट्रॉनिक ऑटोमेशन लिमिटेड, बंगलौर और आनिकार शू कम्पनी लिमिटेड, मद्रास की पुनरीक्षा की गयी।

मानकीकरण और गुणता पद्धतियों की राज्यस्तरीय समितियाँ (एसएलसी)

मानकीकरण और गुणता पद्धतियों का प्रचार पूरे देश में करने के लिए 25 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में मानकीकरण एवं गुणता पद्धति की राज्यस्तरीय समितियाँ स्थापित की गई हैं। 1995-96 के दौरान दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, केरल, उड़ीसा, राजस्थान, सिक्किम और तमिलनाडु की समितियों की बैठकें हुईं। इन बैठकों के दौरान राज्य

STANDARDS PROMOTION

Educational Utilization of Indian Standards (EUS)

In order to propagate the message of standardization and to make the faculty members and senior students of technical institutions aware of the latest Indian Standards in the various fields, BIS has been regularly organizing workshops on educational utilization of Indian Standards. During the year, EUS were organized for Lady Irwin College, New Delhi, College of Home Science, Muktasar, Punjab, Government Leather Institute, Agra, PSG Institute of Technology, Coimbatore and Textile Institute, Kanpur.

WORLD BANK PROJECT

Awareness Programme

The basic aim of the awareness programmes is to propagate the concept of standardization and quality systems among small scale industries. Such Programmes were organized at Durgapur, Kolhapur, Pondicherry, Agra, Jodhpur, Goa, Madurai and Thiruvananthapuram. Respective State Governments, prominent local industries associations and Small Industries Service Institutes were actively associated with these programmes.

COMPANY STANDARDIZATION PROGRAMME

a) *Training*

BIS is organizing training for middle level personnel of various organizations in the field of Company Standardization. During the year two training programmes were organized for the executives of M/s. Calama Pumps, Ahmedabad and M/s. Jayanta Lamps, Calcutta.

b) *Review on Company Standardization Activity*

BIS is conducting review of industries after the completion of the training programme. During the year, reviews were conducted for Precision Electricals, Thane, Electronic Automation Ltd., Bangalore, and Anikar Shoe Company Ltd., Madras.

STATE LEVEL COMMITTEES FOR STANDARDIZATION AND QUALITY SYSTEMS (SLCs)

To propagate the message of standardization and quality systems all over the country, the State Level Committees for Standardization and Quality Systems (SLCs) have been set up in 25 states/union territories. During 1995-96 meetings of SLCs of Delhi, Gujarat,

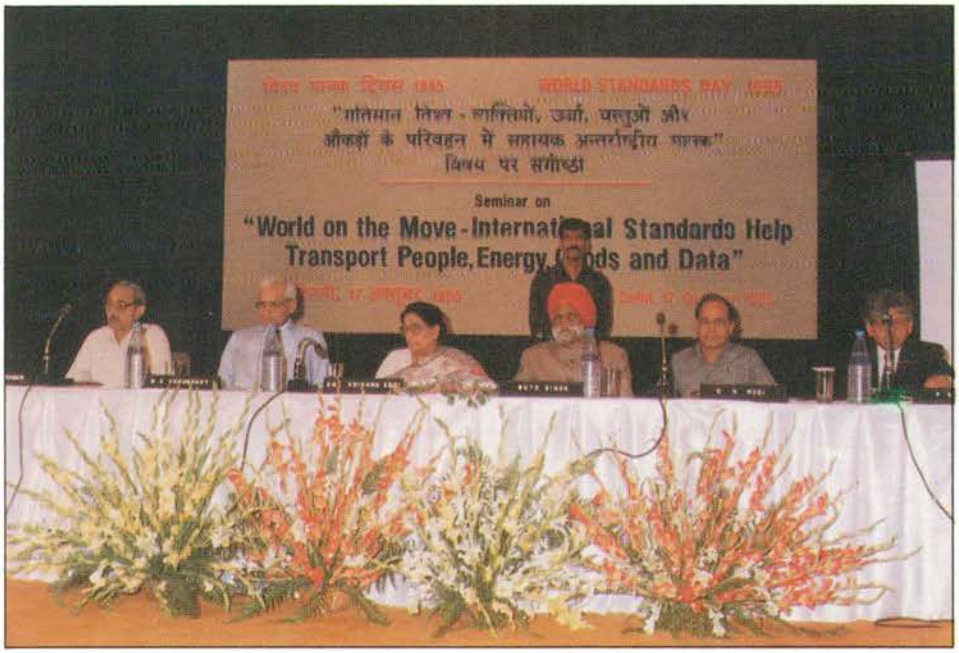

विश्व मानक दिवस समारोह
World Standards Day Celebrations

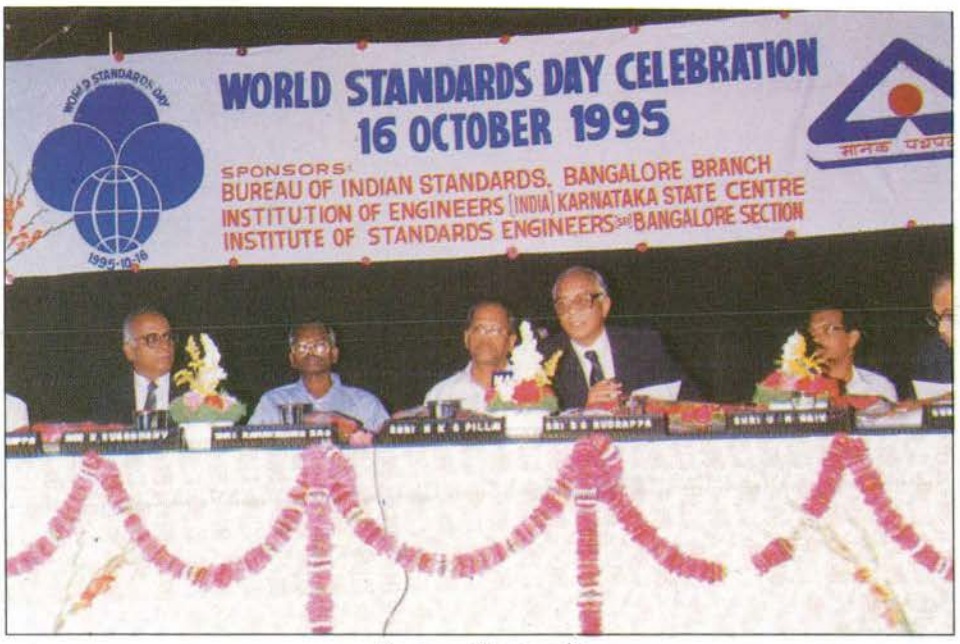

विश्व मानक दिवस समारोह
World Standards Day Celebrations

मानकीकरण और गुणता पद्धति के लिए उड़ीसा राज्यस्तरीय समिति की बैठक
Orissa State level committee for standardization and Quality Systems, meeting in progress

मानकीकरण और गुणता पद्धति पर आयोजित जागरुकता कार्यक्रम
Awareness programme on Standardization and Quality Systems

सरकारों द्वारा आईएसआई मुहर लगी वस्तुओं की खरीद, कार्मिक प्रशिक्षण, गुणता नियन्त्रण आदेशों को लागू करने, उपभोक्ता जागरूकता और उत्पाद के साथ-साथ गुणता पद्धति प्रमाणन के लिए लाइसेंसधारी इकाइयों को राज्य सरकारों द्वारा और अधिक प्रोत्साहन दिए जाने पर बल दिया गया।

संवर्धन संबंधी अन्य गतिविधियाँ

उद्योग संघों के साथ विचार-विमर्श

1995-96 के दौरान भा मा ब्यूरो के अधिकारियों ने फैडरेशन ऑफ इण्डियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ), फैडरेशन ऑफ इण्डियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (फिक्की), नेशनल फाउन्डेशन ऑफ इंडियन इंजीनियर्स (नैफेन) से विचार-विमर्श किया। इस विचार-विमर्श के फलस्वरूप ये संगठन अपने सदस्यों एवं निर्यात-बहुल इकाइयों के लिए मानकीकरण एवं गुणता पद्धतियों के बारे में नियमित रूप से कार्यक्रम करने पर सहमत हो गये।

सरकारी संगठनों के साथ विचार-विमर्श

भा मा ब्यूरो ने दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम (डीएसआईडीसी), लघु उद्योग सेवा संस्थान (एसआईएसआई) और राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) के साथ विचार-विमर्श किया और उनके सहयोग से लघु एवं मध्यम स्तर के उद्योगों के उद्यमियों के लाभ के लिए मानकीकरण एवं गुणता पद्धतियों के बारे में कई जागरूकता कार्यक्रम/सेमिनार आयोजित किए। स्माल स्केल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इण्डिया (सिडबी) के साथ भी विचार-विमर्श किया गया तथा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में लघु स्तर के उद्योगों को दिए गए वित्तीय प्रोत्साहनों के बारे में प्रस्तुतिकरण के लिए उनके अधिकारियों को आमंत्रित किया गया।

विश्व मानक दिवस

अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) की स्थापना की स्मृति में 17 अक्तूबर 1995 को विश्व मानक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यालय, क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों में सेमिनारों, प्रदर्शनियों, व्याख्यान मालाओं एवं खुली परिचर्चाओं का आयोजन किया गया। नई दिल्ली में "प्रगतिशील विश्व-व्यक्तियों, ऊर्जा, आंकड़ों और वस्तुओं के परिवहन में सहायक अंतरराष्ट्रीय मानक" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन माननीय नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री बूटा सिंह द्वारा किया गया। श्रीमती कृष्णा साही, नागरिक पूर्ति राज्य मंत्री ने अध्यक्षीय भाषण दिया। तीन प्रतिष्ठित वक्ताओं श्री एस.बी. राय, ग्रुप महाप्रबन्धक, कन्टेनर कारपोरेशन ऑफ इण्डिया, श्री जी. सुदेश्वरन्, मुख्य पद्धति विश्लेषक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र और श्री वाई.आर. तनेजा, उपमहानिदेशक भामा ब्यूरो ने 3 तकनीकी प्रलेख प्रस्तुत किए। श्री ए.डी. नारायण, महानिदेशक (सड़क विकास) एवं सदस्य (तकनीकी), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

Himachal Pradesh, Kerala, Orissa, Rajasthan, Sikkim, and Tamil Nadu, were held. During these meetings emphasis was laid on purchase of BIS marked material by the State Governments, training of personnel, enforcement of quality control orders, consumer education and granting of more incentives by State Governments to units holding product as well as quality system certification licences.

OTHER PROMOTIONAL ACTIVITIES

Interaction with Industries Associations

During the year 1995-96 officers of BIS interacted with Federation of Indian Export Organization (FIEO), Federation of Indian Chamber of Commerce and Industries (FICCI), National Foundation of Indian Engineers (NAFEN). As a result of the interaction, these organizations agreed to organize regular programmes on standardization and quality systems for the benefit of their members and export oriented units.

Interaction with Government Organizations

BIS interacted and organized a number of awareness programmes/seminars on standardization and quality systems in association with Delhi State Industries Development Corporation (DSIDC), Small Industries Service Institute (SISI) and National Small Industries Corporation (NSIC) for the benefit of enterpreneurs from small and medium scale industries. Interaction was also made with Small Scale Industries Development Bank of India (SIDBI), their officers were invited to make presentations on financial incentives offered to SSI in various Awareness Programmes.

WORLD STANDARDS DAY

World Standards Day, 1995, was celebrated on 17 October, 1995 to commemorate the establishment of International Organization for Standardization (ISO). To mark this occasion, seminars, exhibitions, lecture meetings and open houses were organized at Headquarters, Regional and Branch Offices. In New Delhi, BIS organized a seminar on the theme "A World on the Move – International Standards help transport people, energy, goods and data" which was inaugurated by Hon'ble Minister for Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution, Shri Buta Singh. Presidential Address was given by Smt. Krishna Sahi, Minister of State for Civil Supplies. Three technical papers were presented by eminent speakers, Shri S.B. Roy, Group General Manager, Container Corporation of India, Shri G. Sudeswaran, Principal Systems analysts, National Informatics Centre and Shri Y.R. Taneja, Deputy Director General, BIS. The technical session was chaired by Shri A.D. Narain, Director General (Road Development) & Member (Technical), National Highways Authority of India.

प्रचार

भामा ब्यूरो ने जनता में मानक निर्धारण, भामा ब्यूरो प्रमाणन मुहर योजना और गुणता पद्धति प्रमाणन सम्बन्धी अपनी गतिविधियों के प्रति जागरूकता लाने के प्रयास जारी रखे। दूरदर्शन पर भामा ब्यूरो की गतिविधियों के बारे में लगभग 21 कार्यक्रमों का प्रसारण हुआ और लगभग इतने ही कार्यक्रम आकाशवाणी (एआईआर) के विभिन्न केन्द्रों से प्रसारित हुए। भा मा ब्यूरो ने विभिन्न शहरों में लगभग 13 प्रदर्शनियों में भाग लिया। होर्डिगों और बस पैनलों के माध्यम से भी प्रचार किया गया। विभिन्न समाचार पत्र/पत्रिकाओं में 37 विज्ञापन दिए गए तथा 70 प्रेस नोट जारी किए गए, जिनसे ब्यूरो की गतिविधियों का व्यापक प्रचार हुआ।

इंस्टीच्यूट ऑफ स्टैण्ड्डर्स इंजीनियर्स (एसईआई)

इंस्टीच्यूट ऑफ स्टैण्ड्डर्स इंजीनियर्स कार्यशील स्टैण्ड्डर्स इंजीनियरों की एक व्यावसायिक संस्था है, जिसकी सदस्यता 3 500 से अधिक है। एसईआई की गतिविधियों का उददेश्य मानकीकरण की अवधारणा को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय मानकों को लागू कराना है। भामा ब्यूरो ने एसईआई की केन्द्रीय संस्था और इसके विभिन्न खण्डों को सचिवालयी सुविधाएँ प्रदान करनी जारी रखीं। भामा ब्यूरो को इस संस्था से प्रकाशित भारतीय मानकों के बारे में लगातार फीड बैक प्राप्त होने के साथ–साथ किसी क्षेत्र विशेष में राष्ट्रीय मानक बनाने के लिए सूचना भी प्राप्त होती है। देश में मानकीकरण और गुणता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एसईआई के खण्डों ने स्वतंत्र रूप से अथवा भामा ब्यूरो और अन्य व्यावसायिक संस्थाओं के सहयोग से अनेक सेमिनार, सम्मेलन, व्याख्यान मालाएँ, कार्यशालाएँ इत्यादि आयोजित कीं।

एसईआई के कई खण्डों ने उद्योग के हित के लिए कम्पनी मानकीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम और गुणता पद्धति जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए।

संस्था की वार्षिक महासभा 24 जून, 1995 को नई दिल्ली में हुई। एसईआई ने जमशेदपुर में 23 से 24 नवम्बर, 1995 तक "मानकीकरण–लघु एवं बड़े स्तर के उद्योगों के बीच एक महत्वपूर्ण सूत्र" विषय पर राष्ट्रीय मानकीकरण सम्मेलन भी आयोजित किया। इस सम्मेलन का उद्घाटन श्री पी.एस. दास, अपर महानिदेशक, भा मा ब्यूरो एवं अध्यक्ष एसईआई ने किया। इस समारोह में 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

PUBLICITY

BIS continued efforts to spread awareness of its activities like Standards Formulation, BIS Certification Marks Scheme and Quality Systems Certification amongst the masses. About 21 programmes on BIS activities were telecast on Doordarshan and almost same number of programmes broadcast from various kendras of All India Radio (AIR) featuring BIS Officials/ activities. BIS participated in about 13 Exhibitions in various cities. Publicity campaigns were also undertaken on Hoardings and Bus Panels. 37 advertisements were released in various newspapers/journals and 70 press notes were issued which received wide publicity.

INSTITUTE OF STANDARDS ENGINEERS (SEI)

The Institute of Standards Engineers (SEI) is a professional body of practising standards engineers with a membership of over 3 500. The activities of the SEI are aimed at promoting the concept of standardization and application of national standards. BIS continued to provide secretariat facilities to the Central Body of SEI and its various sections. BIS is getting continuous feedback from this body on published Indian Standards as well as information on the areas requiring sustained efforts by BIS for formulating national standards. SEI sections, independently or in collaboration with BIS and other professional bodies, organized several seminars, conferences, lecture meetings, workshops, etc., to promote standardization and quality consciousness in the country.

Company Standardization training programmes and quality systems awareness programmes were also organized by many sections of SEI for the benefit of the industry.

The Annual General Meeting of the Institute was held on 24 June, 1995 in New Delhi. SEI also organized the National Conference on Standardization (NACOSTAN) on the theme "Standardization – A vital link between Small and Large Scale Industries" at Jamshedpur during 23-24 November, 1995. The conference was inaugurated by Shri P.S. Das, Additional Director General of BIS and President of SEI. The function was attended by over 150 delegates.

मानकों और अन्य प्रकाशनों की बिक्री

भारतीय मानक ब्यूरो अपने प्रकाशनों की बिक्री मुख्यालय एवं देश भर में फैले क्षेत्रीय/शाखा/निरीक्षण कार्यालयों के 17 बिक्री केन्द्रों तथा 125 पंजीकृत पुस्तक विक्रेताओं के माध्यम से करता है। 1995–96 के दौरान 234.5 लाख रुपये की बिक्री हुई। विदेशी मानकों की बिक्री से कमीशन के रूप में 15.8 लाख रूपये की आय हुई।

मानकीकरण तथा गुणता नियन्त्रण के क्षेत्र में ज्ञान का अद्यतन बनाए रखने के लिए उद्योग, व्यापार, अकादमियों, सरकारी संगठनों और उपभोक्ताओं की मांगों को ध्यान में रखते हुए भामा ब्यूरो मानक अद्यतन करने की दो योजनाएं चला रहा है।

स्टैण्डर्ड्स अपडेट स्कीम का वार्षिक चन्दा 25 000 रुपये है और इसके अन्तर्गत चन्दादायी सदस्य सभी नये और पुनरीक्षित मानकों तथा वर्ष के दौरान प्रकाशित संशोधनों की 1-1 प्रति के अतिरिक्त स्टैण्डर्ड्स इण्डिया, स्टैण्डर्ड्स: मंथली एडीशन्स, स्टैण्डर्ड्स वर्ल्ड ओवर: मंथली एडीशन्स, करन्ट पब्लिस्ड इन्फोर्मेशन ऑन स्टैण्डर्डाइजेशन, बीआईएस हैंडबुक तथा वार्षिक रिपोर्टों की 1-1 प्रति निशुल्क पाने के हकदार होते हैं। उन्हें संदर्भ के लिए मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में स्थित पुस्तकालयों का उपयोग करने की छूट भी दी जाती है।

किसी क्षेत्र विशेष में स्टैण्डर्ड्स अपडेट स्कीम का सदस्य बनने के लिए 4 000 रुपये वार्षिक चन्दा देना होता है। प्रबन्ध और पद्धति के क्षेत्र में यह चन्दा 1 500 रुपये है। इस योजना के अन्तर्गत चन्दादायी सदस्य अपने चुनिंदा क्षेत्र में प्रकाशित नये और पुनरीक्षित मानकों तथा संशोधनों की 1-1 प्रति प्राप्त करने का हकदार होता है। इसके अतिरिक्त 1 000 रुपये का अतिरिक्त शुल्क दे कर वह स्टैण्डर्ड्स इण्डिया, स्टैण्डर्ड्स मंथली एडीशंस, स्टैण्डर्ड्स वर्ल्डओवर मंथली एडीशंस, करन्ट पब्लिश्ड इन्फोर्मेशन ऑन स्टैण्डर्डाइजेशन तथा वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त कर सकता है।

1995–96 के दौरान इन योजनाओं के 64 सदस्य थे।

SALE OF STANDARDS AND OTHER PUBLICATIONS

The Bureau of Indian Standards organizes sale of BIS Publications through 17 Sales Outlets at Headquarters and Regional/Branch/Inspection Offices spread all over the country, besides 125 registered booksellers. The sales figures during 1995-96 was Rs 23.45 million. The commission earned from sale of overseas standards amounted to Rs 1.58 million.

Keeping in view the requirements of industry, trade, academia, Government organizations and consumers to update their knowledge in the field of standardization and quality control, BIS is operating two Standards Update Schemes.

Standards Update Scheme with an annual subscription of Rs 25 000 entitles the subscriber to receivo onc copy each of all the new and revised standards and amendments published during the year besides free copies of Standards India, Standards:Monthly Additions, Standards Worldover: Monthly Additions, Current Published Information on Standardization, BIS Handbook and Annual Report. They are also allowed to use libraries at Headquarters and Regional Offices for reference purposes.

Standards Update Scheme in specific fields is in operation with the annual subscription of Rs 4 000 for each field except for management and systems for which it is Rs 1 500. Under the Scheme, the subscriber is entitled to receive one copy each of the new and revised standards and amendments published in the field of his choice. Besides, by paying an additional Rs 1 000, the subscriber can get Standards India, Standards : Monthly Additions, Standards Worldover : Monthly Additions, Current Published Information on Standardization and Annual Report.

During 1995-96, there were 64 subscribers in these schemes.

सूचना सेवाएँ

भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश भर में फैले क्षेत्रीय तथा शाखा कार्यालयों के माध्यम से सूचना सेवा प्रदान करता है। मुख्यालय में सेवाएं गैट/डब्लूटीओ पूछताछ केन्द्र, आईसोनेट केन्द्र और भारत की राष्ट्रीय मानक संस्था के रूप में प्रदान की जाती हैं।

डब्लूटीओ–गैट पूछताछ केन्द्र

भामा ब्यूरो का तकनीकी सूचना सेवा केन्द्र व्यापार में तकनीकी अवरोध सम्बन्धी गैट समझौते के अन्तर्गत डब्लूटीओ–गैट पूछताछ केन्द्र के रूप में कार्य कर रहा है। भामा ब्यूरो को वर्ष के दौरान 314 टीबीटी (व्यापार में तकनीकी अवरोध) अधिसूचनाएं प्राप्त हुईं और उसने डब्लूटीओ के सदस्य देशों की जानकारी के लिए भारतीय मानकों के बारे में 11 अधिसूचनाएं जारी कीं। भामा ब्यूरो ने मानकों, तकनीकी विनियमों और प्रमाणन पद्धतियों के बारे में व्यक्तियों, उद्योगों, सरकारी एजेन्सियों और विदेशों से प्राप्त 4 600 पूछताछों का समाधान किया।

इलैक्ट्रॉनी मीडिया के माध्यम से प्रदान की गई सूचना

वर्ल्ड इस्टैण्डर्ड्स – मानक संदर्भिका जिसमें 2 लाख से अधिक रिकार्ड हैं, से जनता को संदर्भ सम्बन्धी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

भामा ब्यूरो उद्योग और क्रेता सगठनों को बायर्स गाइड के बारे में सूचना उपलब्ध कराता है। भामा ब्यूरो की प्रमाणन मुहर योजना के अन्तर्गत सम्मिलित उत्पादों के आंकड़ा आधार में लाइसेंसधारी, उसका पता, आईएस नम्बर, लाइसेंस संख्या और लाइसेंस की वैधता अवधि सम्मिलित हैं।

भामा ब्यूरो ने आइसोनेट मैनुअल के अनुसार सभी वर्तमान भारतीय मानकों के बारे में ऐसा आंकड़ा आधार तैयार किया है, जिससे यूजर फ्रैन्डली सॉफ्टवेयर के माध्यम से सीधे जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस आंकड़ा आधार में शीर्षक, सार, डेस्क्रिप्टर, अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों से सम्बद्धता तथा भारतीय मानकों के आईसीएस और एचएस कोड सम्मिलित हैं।

सूचना बुलेटिन

उपयोगकर्ता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानकीकरण एवं गुणता पद्धति में हुए नवीनतम विकासों से परिचित कराए रखने के लिए भामा ब्यूरो निम्नलिखित सूचना बुलेटिन नियमित रूप से प्रकाशित करता है :

i) स्टैण्डर्ड्स इण्डिया (मासिक, अंग्रेजी पत्रिका)
ii) स्टैण्डर्ड्स वर्ल्ड ओवर – मंथली एडीशंस
iii) करंट पब्लिश्ड इनफारमेशन ऑन स्टैण्डर्ड्इजेशन (मासिक)
iv) ईसी नार्म स्कैन (ईसी की मानकीकरण सूचनाएं) (तिमाही)
v) स्टैण्डर्ड्स मंथली एडीशंस
vi) बीआईएस हैंडबुक
vii) मानकदूत (तिमाही हिन्दी पत्रिका)

INFORMATION SERVICES

The Bureau of Indian Standards provides information services from its Headquarters at New Delhi and Regional and Branch Offices spread throughout the country. The services at Headquarters are being provided in our capacity as the GATT/WTO Enquiry Point, ISONET Centre and the National Standards Body of India.

WTO-GATT Enquiry Point

Technical Information Services Centre, BIS has been working as WTO-GATT Enquiry Point under the GATT Agreement on Technical Barriers to Trade. BIS received 314 TBT (Technical Barriers to Trade) Notifications during the year and issued 11 Notifications for the information of member countries of WTO about Indian Standards. BIS answered 4 600 enquiries from individuals, industry, Government agencies and foreign countries about standards, technical regulations and certification systems.

INFORMATION PROVIDED THROUGH ELECTRONIC MEDIA

Bibliographic service to the public is provided from the database of world standards – Manaksandarbhika which has more than 200 thousand records.

BIS provides information about Buyers' Guide to Industry and purchase organizations. The database of products covered under certification marks scheme of BIS, include name of the licensee, address, IS number, licence number and validity of licence.

BIS has developed a database as per ISONET manual for all the existing Indian Standards on which information can be directly accessed through a user friendly software. The database provides basic information such as title, abstract, descriptors, relatedness with other national and international standards, ICS and HS Code of Indian Standards.

INFORMATION BULLETIN

To keep the users abreast with the latest development in standardization and quality systems, at national and international level, following information bulletins are brought out by the BIS regularly:

i) Standards India (monthly, English journal)
ii) Standards Worldover – Monthly Additions
iii) Current Published Information on Standardization (monthly)
iv) EC Norm Scan (Standardization news of E.C.) (quarterly)
v) Standards:Monthly Additions
vi) BIS Handbook
vii) Manakdoot (quarterly Hindi journal)

पुस्तकालय सेवाएँ

समीक्षागत अवधि के दौरान मुख्यालय तथा मुम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, मद्रास स्थित 4 क्षेत्रीय कार्यालयों में 14 000 पुस्तकें तथा विदेशी मानक संस्थाओं द्वारा जारी किए गए मानकनुमा प्रलेखों के साथ-साथ मानकीकरण के कार्य में रत विभिन्न प्रतिष्ठित समितियों और विदेशी संगठनों के प्रकाशन और मानक शामिल किए गए।

अद्यतन जानकारी सेवा योजना के अंग के रूप में मुख्यालय स्थित पुस्तकालय ने अपने यहाँ प्रति माह प्राप्त पुस्तकों की सूची "एडीशन्स टू द लाइब्रेरी बुक्स एंड पेम्पलेट्स" शीर्षक के अन्तर्गत जारी की। इस बुलेटिन में यूडीसी से चयन किए गए 120 विषयों संबंधी व्यापक समूहों के अन्तर्गत वर्गीकृत सूचना दी गई।

फिलहाल पुस्तकालय में 425 पत्रिकाएँ प्राप्त होती हैं, जिनके अंक संबद्ध विभागों को नियमित रूप से परिचालित किए जाते हैं, ताकि वे वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी में हुए नवीनतम विकासों से परिचित रहे।

900 व्यक्ति तथा संगठन इस समय पुस्तकालय के विभिन्न वर्गों के सदस्य हैं। व्यापार और उद्योग के प्रतिनिधियों तथा भामा ब्यूरो के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 70 000 प्रकाशनों/मानकों को संदर्भ के लिए देखा अथवा इन्हें उनको जारी किया गया।

21 विस्तृत विषय संदर्भिकाएँ तैयार करके और उनकी चुनिंदा संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराकर 7 000 आगन्तुकों को संदर्भ सेवाएँ प्रदान की गयीं। संदर्भ यूनिट ने संदर्भिकाएँ दस्ती तैयार करके मानक बनाने वाले विभागों की पूरी तरह सहायता की। इसने भारतीय व्यापार और उद्योग से प्राप्त 2 200 पूछताछों का समाधान करके उनकी सहायता की।

Library Services

During the period under review, the library, at Headquarters and also at its four Regional Offices at Mumbai, Calcutta, Chandigarh, Madras added to its collection 14 000 books, standards type documents issued by overseas standard bodies as well as publications and standards issued by various learned societies and Foreign Associations engaged in the work of standardization.

As part of its current awareness services, Library at Headquarters published on monthly basis, list of all the books received in the library, under the title 'Additions to the Library Books and Pamphlets'. This bulletin presents information in classified form under 120 broad subject groups, selected from Universal Decimal Classification (UDC).

At present library receives 425 periodicals, current issues of which are regularly circulated to the concerned departments to keep the office abreast of the latest developments in science and technology.

900 individuals and organizations are currently members of the library in various categories. About 70 000 publications/standards were consulted or issued to the representatives of trade and industry and officers and staff of BIS.

Reference services were provided to 7 000 visitors by way of preparing 21 exhaustive subject bibliographies and making available, the reference materials of their choice. The reference unit fully supported the standard making departments by providing the bibliographies prepared manually. It assisted the Indian Trade and Industry by answering nearly 2 200 queries received from them.

प्रशिक्षण सेवाएँ

विदेशी अधिकारियों को प्रशिक्षण

क) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 11 अक्तूबर से 8 दिसम्बर 1995 तक विकासशील देशों के लिए मानकीकरण एवं गुणता पद्धति के बारे में 28वाँ अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमरीका और यूरोप के 27 विकासशील देशों से 39 व्यक्तियों ने भाग लिया। इन व्यक्तियों ने कोलम्बो प्लान, विशेष कॉमनवेल्थ अफ्रीका सहायता योजना (स्कैप) एवं भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) नामक भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं के अन्तर्गत भाग लिया। पांच अन्य देशों अर्थात् आर्मेनिया, बोट्सवाना, मोल्दोवा, सेन्टलुसिया एवं यूक्रेन के अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। सउदी अरब के दो अधिकारियों ने कार्यक्रम में स्व–वित्त पोषण योजना के अन्तर्गत भाग लिया।

ख) द्विपक्षीय सहयोग के अन्तर्गत भामा ब्यूरो द्वारा प्रशिक्षण

श्रीलंका मानक संस्थान (एसएलएसआई) के लिए भामा ब्यूरो ने 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। श्रीमती पी. तल्गास्वेत राजीव गाँधी गुणता पुरस्कार के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 25 मई से 2 जून 1995 तक भामा ब्यूरो आई तथा श्री बी.एस.पी. मेंडिस, उपमहानिदेशक, आईएसओ 9000 गुणता पद्धतियों और सम्बद्ध मामलों के अध्ययन के लिए 6 से 10 नवम्बर 1995 तक भामा ब्यूरो आए।

बाहर की एजेन्सियों के लिए सामूहिक प्रशिक्षण

रेलवे स्टाफ महा विद्यालय, बड़ौदरा के अनुरोध पर भारतीय रेलवे स्टोर सेवा के 11 प्रोबेशनरों के लिए दिनांक 25 से 29 मार्च 1996 तक चार दिनों तक मानकीकरण में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम रेलवे स्टाफ महाविद्यालय के परामर्श से बनाया गया।

प्रशिक्षण संस्था

भामा ब्यूरो ने भारतीय उद्योग, सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र एवं सेवा क्षेत्र को मानकीकरण, गुणता नियंत्रण, गुणता पद्धति इत्यादि में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मानकीकरण एवं गुणता प्रबन्ध की राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्था (एनआईटीएस क्यूएम) स्थापित की है। इस प्रशिक्षण संस्थान को दिल्ली के आसपास स्थापित करने के लिए भूमि प्राप्त करने हेतु सम्बद्ध प्राधिकरणों से बातचीत की जा रही है।

इस प्रशिक्षण संस्था ने गुणता पद्धति के आडिटिंग और प्रलेखन के बारे में अब तक 13 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं और उद्योग तथा सरकारी विभागों के 321 कार्मिकों को गुणता प्रबन्ध के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षित किया है।

भामा ब्यूरो के लाइसेंसधारियों और आवेदकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

उद्योग के परीक्षण कार्मिकों के लिए केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद में पैराफिन मोम के परीक्षण के लिए 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

TRAINING SERVICES

TRAINING TO OVERSEAS PARTICIPANTS

a) International Training Programme

Twenty-eighth International Training Programme in Standardization and Quality Systems for Developing Countries, was organized from 11 October to 8 December 1995. This programme was attended by 39 participants from 27 developing countries of Asia, Africa, Latin America and Europe. The participants were under the Government of India Fellowship Schemes namely, Colombo Plan, Special Commonwealth African Assistance Plan (SCAAP) and Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC). The officers from five new countries namely, Armenia, Botswana, Moldova, St. Lucia and Ukraine also attended the programme. Two participants from Saudi Arabia attended the programme under self-financing scheme.

b) Training by BIS under Bilateral Cooperation

Two training programmes were organized by BIS for Sri Lanka Standards Institution (SLSI). Mrs P. Talgaswate visited BIS from 25 May to 2 June 1995 for training for Rajiv Gandhi National Quality Award and Mr B.S.P. Mendis, Deputy Director General, visited BIS during 6-10 November 1995 for study on ISO 9000 Quality Systems and related matters.

GROUP TRAINING FOR OUTSIDE AGENCIES

At the request of the Railway Staff College, Vadodara, 4 days training programme in standardization for 11 probationers of Indian Railway Store Services was organized from 25-29 March 1996. The programme schedule was designed in consultation with the Railway Staff College.

TRAINING INSTITUTE

Bureau of Indian Standards has set up a National Institute of Training for Standardization and Quality Management (NITSQM) to impart training in the field of Standardization, Quality Control, Quality Systems, etc, to the Indian industry, Government Departments, Public Sector and Service Sector. The matter for the procurement of land for setting up of Training Institute around Delhi is being pursued with appropriate authorities.

So far, Training Institute has conducted 13 Training Programmes on Quality Systems Auditing and Documentation and trained about 321 personnel from Industry and Government Departments in various aspects of Quality Management.

TRAINING PROGRAMME FOR BIS LICENSEES AND APPLICANTS

Two training programmes on Testing of Paraffin Wax were organized in Central Laboratory, Sahibabad for

पूर्वी क्षेत्रीय प्रयोगशाला, कलकत्ता में भी उद्योग के परीक्षण कार्मिकों को इस्पात उत्पादों के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया गया। पूर्वी क्षेत्रीय प्रयोगशाला, कलकत्ता में मैसर्स स्टेटफैड, असम सरकार के परीक्षण कार्मिकों हेतु भी वनस्पति परीक्षण के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

testing personnel from the industry. Training was also imparted to the testing personnel from the industry in the field of steel products in Eastern Regional Laboratory, Calcutta. One training programme was also organized in testing of Vanaspati for testing personnel from M/s Statfed, Government of Assam in Eastern Regional Laboratory, Calcutta.

कंप्यूटरीकरण और कार्यालय स्वचलन

भामा ब्यूरो ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए विकासों से कदम से कदम मिलाए रखकर अपनी मानकीकरण और प्रमाणन गतिविधियों के बारे में विश्वसनीय सूचना तीव्रता से देने का प्रयास जारी रखा। इस कार्य में वर्तमान सूचना पद्धतियों की मॉनीटरिंग और उनमें सुधार तथा भामा ब्यूरो की विशिष्टताओं की पूर्ति के लिए नए सूचना तंत्रों का विकास करना शामिल है।

कंप्यूटरीकरण एवं स्वचलन सुविधाएँ

भामा ब्यूरो में कंप्यूटरीकरण गतिविधियाँ 1987 में आरम्भ की गईं। वर्तमान सूचना तंत्र में सुधार तथा नवीनतम प्रौद्योगिकी के अनुसार कंप्यूटर तंत्र को समाकलित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि. (ईसीआईएल) ने मुख्यालय तथा क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में समाकलित प्रबन्ध सूचना तंत्र के बारे में अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की है। मैसर्स सीएमसी लि., ईसीआईएल की इस अध्ययन रिपोर्ट के आधार पर एक कन्सेप्ट डाकूमेंट शीघ्र ही प्रस्तुत करेगा। स्थानिक क्षेत्र एवं व्यापक क्षेत्र नेटवर्क के माध्यम से इस पद्धति के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में लागू होने पर भामा ब्यूरो की गतिविधियों को प्राथमिकता देने और उनका नियमन करने के लिए इस तंत्र पर प्रबन्ध सूचना सदा उपलब्ध रहेगी।

तंत्र विकास एवं आँकड़ा संसाधन

निम्नलिखित आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनुप्रयोग के वर्तमान सॉफ्टवेयर पैकेजों में बढ़ोतरी की गई तथा नए सॉफ्टवेयरों का विकास किया गया :

क) वर्ष के दौरान पुस्तकालय सदस्यता सूचना तंत्र का विकास किया गया, जिसमें व्यवहार्यता अध्ययन, डेटा फीडिंग के लिए आँकड़ों का निर्माण एवं सॉफ्टवेयर विकास तथा रिपोर्ट बनाने की पद्धति शामिल है।

ख) क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों के पीसी आधारित एमआईएस पैकेजों में सुधार, ताकि शाखा कार्यालय प्रदान किए गए नए लाइसेंसों के बारे में आँकड़े देने के साथ–साथ स्थिति गत परिवर्तन एवं आय सम्बन्धी आँकड़े भी दे सकें।

ग) राजपत्र अधिसूचना के लिए प्रदान किए गए, गतावधि हुए एवं रद्द किए गए लाइसेंसों की रिपोर्ट देना।

घ) एक ही गतिविधि में पर्याप्त समय से कार्य कर रहे अधिकारियों की सूची तैयार करने के लिए सॉफ्टवेयर तैयार किया गया, ताकि उनकी सेवाओं का और अधिक उपयुक्त रूप से उपयोग किया ज़ा सके।

बिक्री एवं स्टॉक

वर्ष के दौरान मुख्यालय तथा क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में स्थित भामा ब्यूरो के सभी बिक्री केन्द्रों की बिक्री गतिविधि के कंप्यूटरीकरण को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए गए। इस उद्देश्य के लिए वर्तमान सॉफ्टवेयर पैकेजों को

COMPUTERIZATION AND OFFICE AUTOMATION

BIS continued to make efforts in order to keep pace with the advancement in the field of information technology and providing speedier and reliable information on its standardization and certification activities. The work included monitoring and improvement in the existing information systems and development of new information systems to cater to the specific needs of BIS.

COMPUTERIZATION AND AUTOMATION FACILITIES

Computerization activity in BIS was started in 1987. For improvement of existing information system and to integrate computer systems as per latest technology Electronics Corporation of India Limited (ECIL) had submitted a study report on integrated management information system at Headquarters, Regional and Branch Offices. M/s CMC Ltd would be submitting very shortly a concept Document which is based on the above ECIL study report. On implementation of the system both at Headquarters, Regional and Branch Offices through local area and wide area network, the management information would be available on line to prioritize and control the activities of BIS.

DEVELOPMENT OF SYSTEMS AND DATA PROCESSING

The existing application software packages were augmented and new application software developed to cater to the following requirements:

a) Library membership information system was developed during the year which included the feasibility study, data base designing and software development for data feeding and report generation.

b) Modification in PC based MIS package for Regional Offices/Branch Offices so that the Branch Offices may send the data on new licences granted apart from status change and income data.

c) To generate reports regarding licences granted, licences lapsed and licences cancelled for gazette notification.

d) Software was developed to generate a list of officers who are in the same activity continuously over a period of time with a view to utilise their services in more appropriate manner.

SALES AND INVENTORY

During the year steps were taken to put sales activity at BIS Headquarters and all sales points at Regional and Branch Offices on computer system. For this purpose information has been collected from the various

काम में लेने में आ रही दिक्कतों के बारे में सभी बिक्री केन्द्रों से सूचना प्राप्त की गई और उसका विश्लेषण किया जा रहा है।

मानकों के पूरे पाठ इलैक्ट्रोनी संग्रहण और उसे पुनः प्राप्त करने की पद्धति

विकसित देशों में मानक निर्धारण के लिए अपनायी गयी प्रक्रिया के अनुसार भा मा ब्यूरो ने मानकों के पूरे पाठ के इलैक्ट्रोनी संग्रहण और उसे पुनः प्राप्त करने की पद्धति का मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य के लिए दरें आमंत्रित की गयीं और उनका इस परियोजना के लिए गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया जा रहा है। इस परियोजना के लागू होने पर मुद्रित मानकों के भौतिक स्टॉक में कमी आयेगी, जिससे बहुमूल्य स्थान की बचत होने के साथ-साथ साफ-सुथरे वातावरण का भी सृजन होगा।

फैक्स मशीन

वर्ष के दौरान पांच फैक्स मशीनें खरीदी गईं और भा मा ब्यूरो के मुख्यालय नई दिल्ली, पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय, कलकत्ता, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़, दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास तथा पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय, मुम्बई में लगाई गईं।

sales points in regard to the difficulties experienced in the operation of the existing software package and is being analysed further.

ELECTRONIC STORAGE AND RETRIEVAL SYSTEM FOR FULL TEXT OF STANDARDS

As per the practice followed in standards formulation in the advanced countries, BIS decided to evaluate the system for electronic storage and retrieval for full text of standards. For this purpose quotations were invited and the same are in the process of analysis and evaluation by the expert committee constituted for this project. On implementation, this project will help in reducing the inventory of printed standards and result in saving of precious space and also provide a cleaner environment.

FAX MACHINES

During the year, 5 Fax Machines were purchased and were installed each at Headquarters, New Delhi, Eastern Regional Office, Calcutta, Northern Regional Office, Chandigarh, Southern Regional Office, Madras, and Western Regional Office, Mumbai.

उपभोक्ता संबंधी गतिविधियाँ

भामा ब्यूरो ने दूरदर्शन, रेडियो, समाचार पत्रों और संचार के अन्य साधनों के माध्यम से उपभोक्ता जागरूकता का प्रसार करने के प्रयास जारी रखे। आम उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने और सेमीनार, वर्कशाप, सम्मेलन तथा प्रदर्शनियाँ आयोजित करके अथवा उनमें भागीदारी द्वारा उन्हें और अधिक जागरूक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

वर्ष के दौरान उपभोक्ता नीति सलाहकार समिति का पुनगर्ठन किया गया। भामा ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों ने उपभोक्ता कल्याण निधि और केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण परिषद्, जो आम उपभोक्ताओं को संरक्षण देने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है, की बैठक में भाग लिया।

भारतीय मानकों का निर्धारण करने वाली तकनीकी समितियों में उपभोक्ता संगठनों की भागीदारी को और अधिक बढ़ाने के प्रयास भी किये जा रहे हैं।

उपभोक्ता जागरूकता

भामा ब्यूरो ने उपभोक्ता संगठनों के पदाधिकारियों और विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्रों एवं शिक्षकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये। ऐसे कार्यक्रमों के दौरान भाग लेने वालों को विभिन्न गुणता नियंत्रण आदेशों, आईएसआई मुहर के दुरुपयोग के लिए दण्ड, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 एवं उपभोक्ता शिकायत निवारण पद्धति के बारे में जानकारी दी गयी। वर्ष के दौरान देश भर में ऐसे 29 कार्यक्रम आयोजित किये गये (चित्र 5 देखें)।

उपभोक्ता दिवस

15 मार्च 1996 को विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर भामा ब्यूरो एवं पावर मंत्रालय के ऊर्जा प्रबंध केन्द्र द्वारा 'ऊर्जा दक्षता एवं उपभोक्ता कल्याण' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस समारोह का उद्घाटन माननीय नागरिक पूर्ति राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा साही ने किया। श्री पी.एस. दास, अपर महानिदेशक, भामा ब्यूरो ने प्रतिष्ठित सहभागियों का स्वागत किया। डॉ भास्कर नटराजन, निदेशक, ऊर्जा प्रबंध केन्द्र ने तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। तकनीकी सत्र के दौरान सहभागियों का ध्यान ऊर्जा संरक्षण द्वारा ऊर्जा की समस्या को हल करने की ओर आकर्षित किया गया।

साहित्य

उपभोक्ता दिवस कार्यक्रम के दौरान माननीय नागरिक पूर्ति राज्य मंत्री, श्रीमती कृष्णा साही ने "भामा ब्यूरो और उपभोक्ता" विषय पर एक ब्रोशर जारी किया। इस पुस्तिका में आम उपभोक्ताओं को भामा ब्यूरो एवं इसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई है।

"अनिवार्य प्रमाणन" विषय पर वर्तमान ब्रोशर का पुनरीक्षण करके उसे छपाई के लिए भेजा गया। वर्ष के दौरान "भामा ब्यूरो और उपभोक्ता संगठन – उपभोक्ता कल्याण के भागीदार" विषय पर एक लेख तैयार करके उसे "वॉयस" नामक स्मारिका में प्रकाशन के लिए भेजा गया।

CONSUMER RELATED ACTIVITIES

BIS continued its efforts to spread consumer awareness through TV, Radio, Newspapers and other means of communications. It's endeavour to educate common consumers and to increase awareness regarding BIS activities continued by way of organizing/participating in seminars/workshops/conferences and exhibitions.

The Consumer Policy Advisory Committee was reconstituted during the year. Meetings of Consumer Welfare Fund and Central Consumer Protection Council, the apex authority providing protection to common consumers in the country, were attended by senior officers of BIS.

Efforts are also being made to increase participation of Consumer Organizations in the Technical Committees for formulation of Indian Standards.

Consumer Education

BIS conducted awareness programmes for office bearers of consumer organizations and for students and the faculty of schools and colleges. During such programmes, participants were informed about various Quality Control Orders, Penalities for misuse of ISI Mark, Consumer Protection Act 1986, and Consumer Grievances Redressal Mechanism. 29 such programmes, spread across the country, were conducted during the year (*see* Fig. 5).

Consumer Day

On the occasion of World Consumer Day on 15 March 1996, an Awareness Programme on the theme of 'Energy Efficiency & Consumer Welfare' was organized by BIS and Energy Management Centre, Ministry of Power. The function was inaugurated by the Hon'ble Minister of State for Civil Supplies, Smt Krishna Sahi. Shri P.S. Das, Additional Director General, BIS welcomed the distinguished delegates. Dr Bhaskar Natarajan, Director, Energy Management Centre, chaired the Technical Session. During the technical session, attention of the participants was focussed on ways to tackle the energy problem through energy conservation.

Literature

A brochure titled 'BIS and Consumer' was released by the Hon'ble Minister of State for Civil Supplies, Smt Krishna Sahi, during the Consumer Day programme. The booklet provides information to common consumers about BIS and its activities.

An existing brochure on 'Mandatory Certification' was revised and sent for printing. During the year, an article titled 'BIS and Consumer Organization - Partners in Consumer Welfare' was sent for publication in commemorative issue of 'VOICE' magazine.

विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए आयोजित उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम
Consumer Awareness Programme for Schools & Colleges

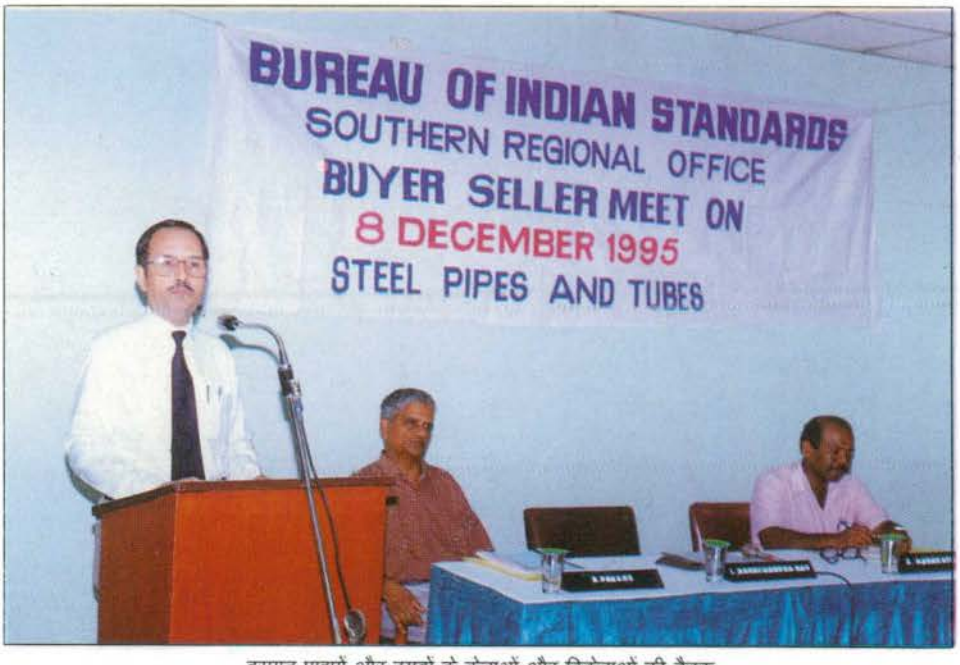

इस्पात पाइपों और ट्यूबों के क्रेताओं और विक्रेताओं की बैठक
Buyer Seller Meet on Steel Pipes & Tubes

मानकीकरण और गुणता पद्धति पर आयोजित 28वां अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
28th International Training Programme in Standardization and Quality Systems

भा मा ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मानक भवन के द्वार पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहभागी
Participants of International Training Programme with senior BIS officials at the gate of Manak Bhawan

उपभोक्ता संगठनों को मान्यता प्रदान करना

भामा ब्यूरो (उपभोक्ता संघों को मान्यता) अधिनियम के अंतर्गत भामा ब्यूरो नियम 1991 के अनुसार एक उपभोक्ता संगठन को मान्यता प्रदान की गयी। इस अवधि के दौरान तीन अन्य उपभोक्ता संगठनों के आवेदनों की जाँच की गई और उन्हें गान्यता प्रदान करने हेतु मंत्रालय को भेजा गया।

जन शिकायत

वर्ष के दौरान भामा ब्यूरो द्वारा प्रमाणित उत्पादों के बारे में उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान देना जारी रखा गया। जन शिकायतों के बारे में एक आंकड़ा आधार का रखरखाव किया जा रहा है तथा सभी क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों में प्राप्त शिकायतों की स्थिति संबंधी मासिक रिपोर्ट तैयार करने के लिए उसका नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है, जिससे उनकी पुनरीक्षा की जा सके। शिकायतों की नियमित पुनरीक्षा एवं मॉनीटरिंग के कारण लंबित शिकायतों की संख्या में पर्याप्त कमी आई है (चित्र 6 देखें)।

उपभोक्ता संबंधी अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भामा ब्यूरो उपभोक्ता नीति संबंधी आईएसओ/आईईसी परिषदों की समिति, कोपोलको, से सम्पर्क रखता है। बीजिंग में दिनांक 29 से 31 मई 1995 तक आयोजित कोपोलको की सतरहवीं बैठक में श्री वी. के. कपूर, निदेशक, उपभोक्ता मामले ने भामा ब्यूरो का प्रतिनिधित्व किया। इस बैठक में भामा ब्यूरो द्वारा प्रकाशित "मानकीकरण – उपभोक्ताओं को लाभ" विषय पर उपभोक्ता को जागरूक बनाने संबंधी ब्रोशर की सराहना की गयी और बाद में उनके अनुरोध पर इसे सभी सदस्यों को उपलब्ध कराया गया।

Recognition to Consumer Organization

Recognition to one Consumer Organization has been granted under the BIS Act in accordance with the BIS Rules (Recognition of Consumers' Association) 1991. The applications of three more consumer organizations were processed and forwarded to the Ministry, during this period, for granting recognition.

Public Grievances

Complaints regarding BIS certified products received from consumers during the year, continued to draw close attention. A data bank on public grievance is being maintained and regularly updated to provide monthly Status Report on complaints for all Regional/Branch Offices for review. On account of the regular review and monitoring of complaints, there has been a significant decline in the number of pending complaints (*see* Fig. 6).

International Consumer Related Activities

At the international level, BIS interacts with COPOLCO, ISO/IEC Council Committee on Consumer Policy. BIS was represented by Shri V.K. Kapoor, Director, Consumer Affairs at the Seventeenth Meeting of COPOLCO held in Beijing from 29 to 31 May 1995. The Consumer Education Brochure 'Standardization - Benefits to Consumers' brought out by BIS was appreciated in the meeting and was subsequently circulated to all the members, as requested by them.

आकृति 5 आयोजित उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या

Fig. 5 Number of Consumer Awareness Programmes Organised

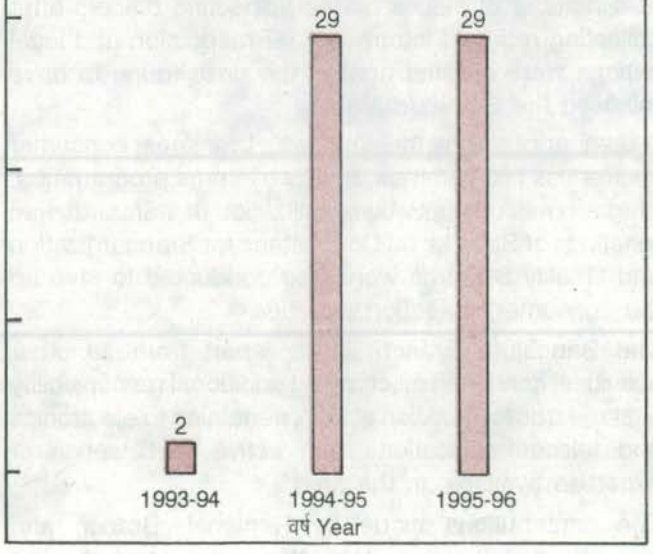

आकृति 6 31 मार्च को लम्बित शिकायतों की संख्या

Fig. 6 Number of Complaints Pending as on 31st March

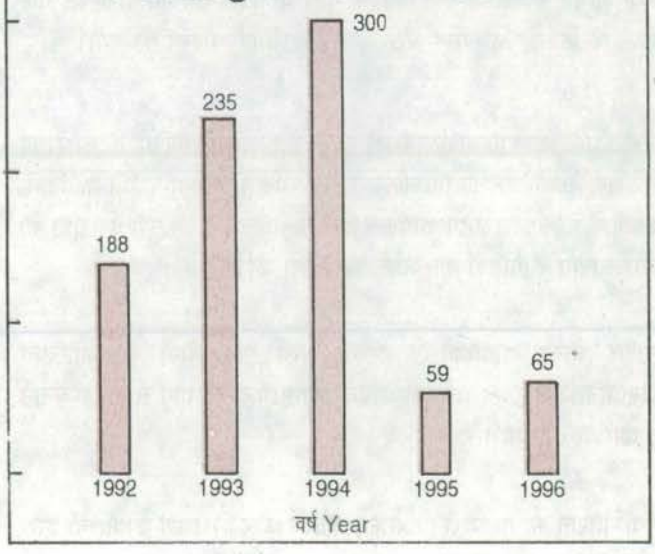

श्रेत्रीय, शाखा और निरीक्षण कार्यालय

भामा ब्यूरो का देश भर में फैले 5 श्रेत्रीय, 14 शाखा तथा 8 निरीक्षण कार्यालयों का नेटवर्क इच्छुक उपभोक्ताओं को न केवल स्थानिक सेवा उपलब्ध कराता है, बल्कि मानकीकरण, उत्पाद प्रमाणन मुहर (आई एस आई मुहर) और गुणता पद्धति प्रमाणन क्रियाकलापों की उपयोगिता और महत्व के प्रति जागरूकता भी पैदा करता है। इसके अतिरिक्त यह मानक मुहर लगी वस्तुओं के बारे में ग्राहकों द्वारा की गई शिकायतों पर तुरन्त कार्यवाही करता है। इस नेटवर्क के बारे में एक महत्वपूर्ण विकास यह हुआ है कि अगले वित्त वर्ष में पुणे और नागपुर निरीक्षण कार्यालयों को शाखा कार्यालयों में बदलने का निर्णय लिया गया है। नये कार्यालय आसपास के क्षेत्रों के लोगों को मानक संवर्धन, प्रमाणन मुहरांकन तथा तकनीकी सूचना ज्यादा बेहतर ढंग से दे सकेंगे।

यह महसूस करते हुए कि जिन उद्योगों की सेवा बडोदरा निरीक्षण कार्यालय से की जाती है, वे भा मा ब्यूरो के अहमदाबाद शाखा कार्यालय से ज्यादा दूर नहीं हैं, बडोदरा निरीक्षण कार्यालय बंद कर दिया गया है।

भामा ब्यूरो के इस नेटवर्क का उपयोग करते हुए कई बाजार सर्वेक्षण किए गए, जिनके दौरान विभिन्न निर्माता यूनिटों/उद्योगों द्वारा आई एस आई मुहर के दुरूपयोग के बारे में सूचना एकत्रित की गई और उपभोक्ताओं/व्यापारियों को मानक मुहर लगी वस्तुओं से होने वाले फायदे की जानकारी दी गई।

ऐसे सर्वेक्षण के दौरान नकली मुहर वाली वस्तुओं के नमूने आगे की कार्यवाही के लिए एकत्रित किए गए। मानक मुहर के दुरूपयोग की शिकायत मिलने पर अपेक्षित सूचना एकत्रित कर निरीक्षण अधिकारियों द्वारा तलाशी और जब्ती अभियान चलाया गया। मानक मुहर के दुरूपयोग की दोषी पाई कई यूनिटों के विरूद्ध अभियोग और कानूनी कार्रवाई आरम्भ की गयी।

उपभोक्ता संरक्षण क्रियाकलापों को बढ़ाने हेतु लाइसेंसधारियों के साथ कई पुनरीक्षण बैठकें, उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम, गुणता पद्धति कार्यक्रम, मानकों के शैक्षिक उपयोग कार्यक्रम और मानकीकरण एवं गुणता पद्धति की राज्य स्तरीय समितियों की बैठकें आयोजित की गयीं।

बंगलौर शाखा कार्यालय ने अपनी अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार के क्षेत्र के विशेषज्ञों के सहयोग से मानक बनाने का कार्य करना जारी रखा।

वर्ष के दौरान भा मा ब्यूरो के क्षेत्रीय, शाखा और निरीक्षण कार्यालयों द्वारा इसकी विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य प्राप्त करने में दिया गया योगदान इस रिपोर्ट के संबंधित शीर्ष के अन्तर्गत दिया गया है।

REGIONAL, BRANCH AND INSPECTION OFFICES

The BIS network consisting of 5 Regional, 14 Branch and 8 Inspection Offices spread throughout the country, not only provides on-the-spot services to intended users but also generates increased awareness about the importance and utility of standardization, Product Certification (ISI mark) and Quality Systems Certification activities. In addition, it also provides quick redressal to consumer complaints relating to Standard marked goods. An important development pertaining to this network was the decision taken to upgrade Pune and Nagpur Inspection Offices into Branch Offices in the next financial year. The new offices will be in a position to make available greatly enlarged services in the areas of standards promotion, certification marking and dissemination of technical information to their clients in the nearby areas.

Realising that distances of the industries served from Vadodara Inspection Office was not much from Ahmedabad where BIS has a Branch Office, Vadodara Inspection Office was closed.

Using this network of BIS Offices, a number of market surveys were carried out covering important local markets for collecting information regarding misuse of ISI Mark by various manufacturing units/industries and educating the consumers/traders about the benefits of using goods with Standard Mark.

During such market surveys samples of spuriously marked materials were collected for further action. On receiving complaints regarding misuse of Standard Mark, search and seizure operations were conducted at a number of places by the inspecting officers after collecting required information. Prosecution and legal actions were initiated against the units found to have misused the Standard Mark.

A number of review meetings with licensees, consumer awareness programmes, quality systems programmes, programmes on educational utilization of standards and meetings of State Level Committees for Standardization and Quality Systems were also conducted to step up the consumer protection activities.

The Bangalore Branch Office, apart from its other activities, continued discharging additional responsibility of standards formulation activity pertaining to electronics and telecommunications with active participation of expertise available in the area.

The contributions made by Regional, Branch and Inspection Offices during the year towards the achievement of goals for various activities of BIS are covered under respective heads in this report.

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियां

भा मा ब्यूरो ने अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) और अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग (आईईसी) की विभिन्न तकनीकी एवं नीति निर्माता समितियों की बैठकों में भाग लेना जारी रखा और अन्य देशों के राष्ट्रीय मानक निकायों एवं यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षीय सम्पर्क को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में भी प्रयास किये।

अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ)

आईएसओ की नीति निर्माता समितियों में से भारतीय प्रतिनिधि मण्डलों ने आईएसओ परिषद, सीओपी ओएल सीओ (कोपोल्को), आईएनएफसीओ (इन्फको) और डीईवीसीओ (डेवको) की बैठकों में भाग लिया।

श्री एन.एस. चौधरी, महानिदेशक, भा मा ब्यूरो ने जेनेवा में 8 से 9 जून 1995 तक और 15 सितंबर 1995 को आयोजित आईएसओ परिषद की क्रमशः इक्यावनवी (51वीं) और बावनवी (52वीं) बैठक में भामा ब्यूरो के एक सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल के रूप में भाग लिया। आईएसओ की क्यूएसएआर दीर्घ–कालिक कार्यपद्धति के दस्तावेज परिषद की इन बैठकों की मुख्य विशेषता थी। दस्तावेजों पर विचार–विमर्श कर यह निर्णय लिया गया कि इस पर और अधिक विचार–आमंत्रित किए जाएं। प्रथम क्यूएसएआर बोर्ड का भी गठन किया गया जिसमें एक अध्यक्ष (चेयरमैन) और मान्यता प्रदान करने वाली तीनों संस्थाओं, प्रमाणन/पंजीकरण संगठनों, आपूर्ति और खरीद संगठन से एक–एक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

जेनेवा में 10 सितंबर को क्षेत्रीय सम्पर्क अधिकारियों (आरएलओ), 11 से 12 सितंबर को डेवको और 13 से 14 सितंबर 1995 तक महासभा की बैठकें हुईं। इन बैठकों में श्री एन.एस. चौधरी, महानिदेशक, भा मा ब्यूरो ने भाग लिया।

श्री एन.एस. चौधरी, महानिदेशक, भामा ब्यूरो ने दक्षिण एशिया और ईरान क्षेत्र के सम्पर्क अधिकारी के रूप में 22 से 24 मई 1995 तक नेपाल का दौरा किया जिसके दौरान उन्होने उन्हें आईएसओ के विभिन्न विकास कार्यक्रमों से परिचित कराया और उनसे आईएसओ संगठन के सदस्य अथवा अन्यथा रूप में आने वाली अड़चनों को दूर करने के लिए फीडबैक प्राप्त किया।

जेनेवा में 4 से 9 सितंबर 1995 तक आयोजित सूचना समिति कार्यशाला और आईएनएफसीओ बैठक में श्री जे.सी. गेरा, निदेशक (तकनीकी सूचना सेवा) भा मा ब्यूरो एक–सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने भाग लिया।

आईएसओ तकनीकी समितियों और उपसमितियों के सदस्य सचिवों के लिए जेनेवा में पुनरीक्षित आईएसओ/आईईसी निर्देश भाग–1 के कार्यान्वयन हेतु एक कार्यशाला संपन्न हुई। 29 से 30 जून 1995 को आयोजित इस कार्यशाला में श्री वाई.आर. तनेजा, उपमहानिदेशक, भा मा ब्यूरो ने भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग (आईईसी)

श्री जे.एस. राजू, महानिदेशक, मानकीकरण, परीक्षण और गुणता नियंत्रण (एसटीक्यूसी), इलैक्ट्रॉनिकी विभाग और श्री पी.एस. दास, अपर महानिदेशक, भामा ब्यूरो ने डर्बन में 22 से 27 अक्तूबर 1995 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग की महासभा में भाग लिया।

INTERNATIONAL ACTIVITIES

BIS continued to participate in the various technical and policy making committees of International Organization for Standardization (ISO) and International Electrotechnical Commission (IEC). It also made efforts for further strengthening the bilateral relations with other national standards bodies and the European Union.

INTERNATIONAL ORGANIZATION FOR STANDARDIZATION (ISO)

Amongst the policy making committees of ISO, the ISO Council, COPOLCO, INFCO and DEVCO meetings were attended by Indian delegations.

A one-member Indian delegation comprising Shri N.S. Choudhary, Director General, BIS, attended the 51st and 52nd ISO Council meetings held during 8-9 June 1995 and 15 September 1995 respectively at Geneva. The significant features of these Council meetings were the QSAR Long-Range Strategies document being brought out by ISO. Deliberating upon the document, it was decided to seek more views on the same. Also, the first QSAR board was formed with a chairman and three each of accreditation bodies, certification/registration bodies, suppliers and purchasers.

The meeting of Regional Liaison Officers (RLO) was held at Geneva on 10 September , DEVCO from 11 to 12 September, General Assembly from 13 to 14 September 1995 which were attended by Shri N.S. Choudhary, Director General, BIS.

Shri N.S. Choudhary, Director General, BIS as Regional Liaison Officer of South Asia and Iran Region visited Nepal from 22 to 24 May 1995 to apprise them of the various developmental programmes of ISO and their feedback regarding any problems encountered by them otherwise or as a member body of ISO.

The Information Committee Workshop and the INFCO meeting which were held in Geneva from 4 to 9 September 1995 were also attended by a one member Indian delegation comprising Shri J.C. Gera, Director (Technical Information Services), BIS.

A Workshop for Implementation of Revised ISO/IEC directives, Part I, was held in Geneva for the member secretaries of ISO Technical Committees and subcommittees. Shri Y.R. Taneja, Deputy Director General, BIS attended this workshop on 29-30 June 1995.

INTERNATIONAL ELECTROTECHNICAL COMMISSION (IEC)

Shri J.S. Raju, Director General, Standardization, Testing and Quality Control (STQC), Department of Electronics and Shri P.S. Das, Additional Director General, BIS attended the IEC General Meetings from 22-27 October 1995 in Durban. Besides, various technical committees,

विभिन्न तकनीकी समितियों के अतिरिक्त कार्रवाई समिति और परिषद की बैठकें भी आयोजित की गईं।

प्रमाणन निकायों की आईईसीईई समिति (सीसीबी) और प्रबंध समिति (एमसी)

प्रमाणन निकायों की आईईसीईई समिति (सीसीबी) और प्रबंधन समिति (एमसी) की बैठकें 25 से 29 सितंबर, 1995 तक फ्रैंकफर्ट जर्मनी में आयोजित की गयी। बैठकों में भारतीय प्रतिनिधिमण्डल के रूप में श्री जे.एस. राजू, महानिदेशक, मानकीकरण, परीक्षण और गुणता नियंत्रण (एसटीक्यूसी), इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार और श्री आर.के. मोंगा, निदेशक (विद्युत तकनीकी), भामा ब्यूरो ने भाग लिया।

ग्यारह और आईईसी मानकों का विषयों में समावेश और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्रीय प्रमाणन निकाय के रूप में भामा ब्यूरो द्वारा सी.बी. प्रमाणपत्रों का स्वीकरण इन बैठकों की मुख्य विशेषता थी। इस बैठक में सुरक्षा मानकों से सम्बन्धित परीक्षण परिणामों को परस्पर मान्यता देने की योजना को अंतिम रूप दिया गया और उसे अपनाने के लिए प्रबंध समिति को सिफारिश की गयी।

इलेक्ट्रॉनी संघटकों के लिए आईईसी गुणता मूल्यांकन पद्धति (आईईसीक्यू)

इलेक्ट्रॉनी संघटकों के लिए आईईसी गुणता मूल्यांकन पद्धति (आईईसीक्यू) एक अन्तरराष्ट्रीय योजना है जिसे आईईसी प्रचालित करती है। इस प्रमाणन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि सम्बद्ध विशिष्टियों के अनुरूप अनुमोदित संघटकों का बिना आगे निरीक्षण किए उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकार किया जा सकता है।

भारत के आईईसीक्यू पद्धति में 1981 में शामिल होते ही भामा ब्यूरो ने राष्ट्रीय मानक संगठन (एनएसओ) और राष्ट्रीय प्राधिकृत संस्थान (एनएआई) के रूप में कार्य करना आरंभ कर दिया। भारत अप्रैल, 1989 में प्रमाणक सदस्य बना। अब तक 28 निर्माताओं, 4 प्रयोगशालाओं और एक वितरक को अनुमोदन प्रदान किया गया है।

आईईसीईई सीबी योजना

घरों, कार्यालयों, कार्यशालाओं और ऐसे ही स्थानों में सामान्यतया प्रयुक्त होने वाले विद्युत उपकरणों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग (आईईसी) द्वारा एक अन्तर्राष्ट्रीय योजना प्रचालित की जा रही है। विद्युत उपस्करों की सुरक्षा के मानकों के प्रति अनुरूपता परीक्षण की आईईसी पद्धति, जिसे आईईसीईईसीबी योजना के नाम से जाना जाता है, राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणन अथवा अनुमोदन प्राप्त करने के लिए परीक्षण परिणामों के पारस्परिक स्वीकरण के सिद्धान्त पर आधारित है।

राष्ट्रीय प्रमाणक निकाय (एनसीबी) और सीबी परीक्षण प्रयोगशालाएं सीबी योजना को चलाने वाली इकाइयां हैं। आईईसीईई प्रबंध समिति द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ टीम इन इकाइयों को विस्तृत मूल्यांकन के बाद ही स्वीकृति देती है। सीबी परीक्षण प्रयोगशाला से प्राप्त संतोषजनक परीक्षण परिणामों के आधार पर एनसीबी उन निर्माताओं को सीबी प्रमाण पत्र जारी कर सकती है, जो इस बात का प्राधिकारिक प्रमाण प्रस्तुत करें कि उत्पाद के नमूने

the meetings for committee of action and the council were also held.

IECEE COMMITTEE ON CERTIFICATION BODIES (CCB) AND MANAGEMENT COMMITTEE (MC)

The IECEE Committee on Certification Bodies (CCB) and Management Committee (MC) meetings were held in Frankfurt, Germany from 25-29 September 1995. The Indian delegation comprising Shri J.S. Raju, Director General, Standardization, Testing and Quality Control (STQC), Department of Electronics, Government of India and Shri R.K. Monga, Director (Electrotechnical), BIS attended these meetings.

The salient features of these meetings were inclusion of 11 more IEC standards in the issue and acceptance of CB certificates by BIS as National Certifying Body representing India. In this meeting, the new scheme for mutual recognition of test results for testing to safety standards was finalized and recommended to Management Committee for adoption.

IEC QUALITY ASSESSMENT SYSTEM FOR ELECTRONIC COMPONENTS (IECQ)

IEC Quality Assessment System for Electronic Components (IECQ) is an international scheme being operated by IEC. This certification entails that components approved as per relevant specifications can be accepted internationally, without the need for further inspection.

India joined IECQ System in 1981 with BIS assuming the role of both the National Standards Organization (NSO) and National Authorized Institution (NAI). India became a certifying member in April 1989. So far approvals have been granted to 28 manufacturers, 4 laboratories and 1 distributor.

IECEE CB SCHEME

To facilitate International trade in electrical equipment, normally used in homes, offices, workshops and similar locations, an international scheme is being operated by International Electrotechnical Commission (IEC). The IEC System for Conformity Testing to Standards for Safety of Electrical Equipment known as IECEE CB Scheme is based on the principle of mutual recognition, by its members, of test results for obtaining certification or approval at national level.

The operating units of the CB Scheme are National Certifying Bodies (NCBs) and CB Testing Laboratories which are accepted after a detailed assessment by a team of experts appointed by IECEE Management Committee. Based on satisfactory test results obtained at the CB test laboratory, the NCB can issue CB certificates to manufacturers providing authoritative evidence that

परीक्षण में सफल रहे हैं और उन्होने आईईसी के सम्बद्ध मानकों का अनुपालन किया है। ये प्रमाण पत्र सीबी योजना में सहभागी 32 सदस्य देशों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणन अथवा अनुमोदन प्राप्त करने के लिए मान्य होंगे।

भारत में भामा ब्यूरो प्रमाण–पत्र जारी और स्वीकार करने वाला राष्ट्रीय प्रमाणिक निकाय (एनसीबी) है। आज तक एक निर्माता को सीबी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

आईईसी महासभा की बैठकें 1997

सन 1997 में होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग की महासभा की बैठकों की तैयारी से स्वयं को परिचित करने के लिए श्रीमती ए.जे. स्किनेर, सामान्य सेवा प्रबंधक और श्री ए.एम. रेबर्न, महासचिव, आईईसी ने क्रमश 20 से 29 मार्च 1996 और 25 से 28 मार्च 1996 तक भामा ब्यूरो का दौरा किया। बैठकें भारत द्वारा नई दिल्ली में आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों को आयोजित करने के लिए भामा ब्यूरो और आईईसी ने समझौता किया है। इन बैठकों के स्थान का अनुमोदन आईईसी द्वारा किया गया था।

आईएसओ/आईईसी तकनीकी समितियां/उपसमितियां

भारतीय मानक ब्यूरो के प्रतिनिधिमण्डल ने आईएसओ और आईईसी की तकनीकी समितियों/उपसमितियों की चुनिंदा बैठकों में भाग लिया। इनके बारे में विवरण सारिणी 4 में दिया गया है।

representative specimens of the product have successfully passed the test and complied with relevant IEC standards which will be acceptable for obtaining certification or approval at National level in 32 member countries participating in the CB Scheme.

In India BIS is the recognized issuing and recognizing National Certifying Body (NCB). Till date one manufacturer has been granted CB certificate.

IEC GENERAL MEETINGS 1997

Mrs A.J. Skinner, General Services Manager and Mr A.M. Raeburn, General Secretary of IEC visited BIS during 20 to 29 March 1996 and 25 to 28 March 1996 respectively to acquaint themselves of the preparations going on for the IEC General Meetings to be held in 1997, being hosted by India in New Delhi. An agreement was signed between BIS and IEC for hosting of these meetings. The venue for these meetings was approved by the IEC.

ISO/IEC TECHNICAL COMMITTEES/ SUBCOMMITTEES

BIS delegations participated in selected ISO and IEC technical committees/subcommittees meetings. Details of these are given in Table 4.

सारिणी 4 आईएसओ और आईईसी की चुनिंदा तकनीकी समितियों/उपसमितियों की बैठकों में भाग लेने वाले भामा ब्यूरो के प्रतिनिधि मण्डल

TABLE 4 BIS DELEGATION PARTICIPATED IN SELECTED ISO AND IEC TECHNICAL COMMITTEES/SUBCOMMITTEES MEETINGS

नाम Name	समिति Committee	स्थान Venue	दिनांक Date
श्री वी.के. सहगल निदेशक, भामा ब्यूरो Shri V.K. Sehgal Director, BIS	आईएसओ/टीसी 104 ISO/TC 104	हेमबर्ग Hamburg	19 से 23 जून 1995 19-23 June 1995
श्री पी.पी. मलिक अपर निदेशक, भामा ब्यूरो Shri P.P. Malik Additional Director, BIS	आईएसओ/टीसी 207 ISO/TC 207	ओसलो नार्वे Oslo Norway	28 जून से 1 जुलाई 1995 28 June–1 July 1995
श्रीगति बिंदु मेहता उप निदेशक, भामा ब्यूरो Smt. Bindu Mehta Deputy Director, BIS	आईएसओ/टीसी 69 और इसकी उपसमितियाँ ISO/TC 69 and its Subcommittees	वाशिंगटन Washington	24 से 29 सितम्बर 1995 24-29 September 1995
श्री जे.आर. मेहता निदेशक, भामा ब्यूरो Shri J.R. Mehta Director, BIS	आईएसओ/टीसी 113/एससी1 ISO/TC 113/SC 1	लन्दन London	9 से 10 अक्तूबर 1995 9-10 October 1995
श्री एस.एम. भाटिया निदेशक, भामा ब्यूरो Shri S.M. Bhatia Director, BIS	आईएसओ/टीसी 122 और इसकी उपसमितियाँ ISO/TC 122 and its Subcommittees	कैलीफोर्निया California	16 से 20 अक्तूबर 1995 16-20 October 1995
श्री पी.एस. दास अपर महानिदेशक, भामा ब्यूरो Shri P.S. Das Additional Director General, BIS	आईएसओ/टीसी 176 ISO/TC 176	डर्बन Durban	28 अक्तूबर से 4 नवम्बर 1995 28 October-4 November 1995

भारत–ईईसी सहयोग कार्यक्रम

कैम्पडेन और क़ोरलीवुड फूड एंड रिसर्च एसोसिएशन (सीसीएफआरए), यू.के. जो भारत–ईईसी सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत हमारे परामर्शदाता हैं, के विशेषज्ञों ने वर्ष के दौरान केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद का तीन बार (मई 1995, अक्तूबर/नवंबर 1995 और फरवरी 1996) में दौरा किया तथा खाद्य प्रयोगशाला में गुणता पद्धति कार्यान्वयन और इसमें लागू विश्लेषणात्मक तकनीक में पूर्ण सुधार के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

सीईबीईसी पंजीकृत प्रयोगशाला, बेल्जियम और डीईएमसीओ, डेन्मार्क के दो विशेषज्ञों ने फरवरी 1996 में केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद का दौरा किया और विद्युत प्रयोगशाला में गुणता पद्धति में सुधार लाने और हमारी परीक्षण तथा माप तकनीकों को आईईसी मानकों के अनुरूप बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

श्री ई. कैपरिस, कन्सलटेन्ट भारत–ईईसी सहयोग कार्यक्रम ने सितंबर 1995 में भामा ब्यूरो का दौरा किया जिसके दौरान उन्होंने उन्नयन कार्यक्रम के समापन के बारे में विचार विमर्श किया। वे दूसरी बार भामा ब्यूरो के दौरे पर नवंबर 1995 में आये, जिसके दौरान उन्होने अपेक्षित उपकरणों के संस्थापन के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं की उपलब्धियों के बारे में विचार–विमर्श किया।

द्विपक्षीय सहयोग

भारतीय प्रतिनिधिमण्डल के रूप में श्री एन.एस. चौधरी, महानिदेशक, भामा ब्यूरो और डॉ. बी.एस. माथुर, उपनिदेशक, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला (एनपीएल) ने 9 से 11 अक्तूबर 1995 के दौरान गोस्टैंडार्ट, मास्को का दौरा कर मानकीकरण, माप विज्ञान और गुणता आश्वासन के उप कार्यकारी दल की दूसरी बैठक में भाग लिया। इस बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय, विशेषत: माप–विज्ञान के क्षेत्र में, लिए गए। बैठक में वर्ष 1996–97 के लिए माप विज्ञान के 11 क्षेत्रों में कार्य–योजना को अंतिम रूप दिया गया।

श्री पान बीक्विंग, निदेशक, राष्ट्रीय माप–विज्ञान संस्थान, चीन के नेतृत्व में चीन का पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल भामा ब्यूरो और स्टेट ब्यूरो ऑफ टेक्नीकल सुपरविजन (एसबीटीएस) चीन के बीच हुए समझौते पर आगे विचार–विमर्श करने के लिए दिनांक 19 दिसम्बर 1995 को भामा ब्यूरो आया।

श्री एन.एस. चौधरी, महानिदेशक, भामा ब्यूरो ने भामा ब्यूरो और ईजराईल मानक संस्था (एसआईआई) के बीच हुए समझौते पर विचार–विमर्श के लिए ईजराईल मानक संस्था का 5 से 6 जून 1995 तक दौरा किया। श्री पी.एस. दास, अपर महानिदेशक, भामा ब्यूरो ने भामा ब्यूरो और एसआईआई के बीच हुए एमओयू पर बातचीत के लिए 28 से 29 जनवरी 1996 जेरूसलीम में आयोजित भारत ईजराईल संयुक्त व्यापार और आर्थिक समिति की प्रथम बैठक में भाग लिया।

श्री एन.एस. चौधरी, महानिदेशक, भामा ब्यूरो ने भी ब्रिटिश स्टैंड्डर्स इंस्टीट्यूशन (बीएसआई), यू.के और भामा ब्यूरो के बीच सहयोग के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए 7 से 8 सितंबर 1995 तक वहां का दौरा किया।

INDO-EEC COOPERATION PROGRAMME

Experts from Campden and Chorleywood Food & Research Association (CCFRA), U.K. who are our consultant under the Indo-EEC Cooperation visited Central Laboratory, Sahibabad thrice during the year (May 1995, October/November 1995 and February 1996) and provided necessary guidance in implementation of the quality system in the food laboratory and overall improvement in the analytical techniques as applicable to the food laboratory.

Two experts from CEBEC Registration Laboratory, Belgium and from DEMCO, Denmark visited Central Laboratory, Sahibabad in February 1996 and provided general guidance in improvement of quality system in the Electrical Laboratory and also provided necessary guidance for improving our testing and measurement techniques to bring it at par with IEC Standards.

Mr E. Caparis, Consultant, Indo-EEC Cooperation Programme, visited BIS in September 1995 to hold discussions regarding the extent of completion of the upgradation programme. He visited BIS again in November 1995 to hold discussions on the achievements made in various laboratories for the installation of required apparatus.

BILATERAL COOPERATION

An Indian delegation comprising Shri N.S. Choudhary, Director General, BIS and Dr B.S. Mathur, Deputy Director, National Physical Laboratory (NPL) visited GOSSTANDART, Moscow from 9 to 11 October 1995 to attend the second meeting of the Sub Working Group on Standardization, Metrology and Quality Assurance. Various important decisions were taken in this meeting especially in the field of metrology. The work plan for 11 areas of metrology was finalized in the meeting for the year 1996-97.

A five-member Chinese delegation led by Mr Pan Bi Qing, Director, National Institute of Metrology, China visited BIS on 19 December 1995 to further deliberate upon the MOU signed between BIS and the State Bureau of Technical Supervision (SBTS), China.

Shri N.S. Choudhary, Director General, BIS visited Standards Institute of Israel (SII), Israel during 5-6 June 1995 to hold discussions on the MOU signed between BIS and Standards Institution of Israel (SII). Shri P.S. Das, Additional Director General, BIS, attended the first meeting of India-Israel Joint Trade and Economic Committee held in Jerusalem from 28 to 29 January 1996 to discuss the various issues on MOU signed between BIS and SII.

Shri N.S. Choudhary, Director General, BIS also visited British Standards Institution (BSI), UK to explore any possible area of cooperation between the two organizations from 7 to 8 September 1995.

श्री एम.वाई. अरियोरूक, अध्यक्ष तुर्क मानक संस्थान (टीएसई), तुर्की ने भामा ब्यूरो तथा टीएसई के बीच हुए समझौते के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श के लिए दिनांक 16 और 23 फरवरी, 1996 को भामा ब्यूरो का दौरा किया।

श्री ए.सी. दोसा, उपनिदेशक और श्री ए सी हरदोयाल, मंडल मानक अधिकारी, मौरिशस मानक ब्यूरो (एमएसबी) ने भामा ब्यूरो, विशेष कर केन्द्रीय प्रयोगशाला की कार्य प्रणाली को देखने के लिए दिनांक 26 से 27 फरवरी 1996 तक द्विपक्षीय सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत भामा ब्यूरो का दौरा किया।

अन्डरराईटर प्रयोगशाला (यूएल), यूएसए और कनाडा मानक एसोसिएशन (सीएसए)

भामा ब्यूरो अन्डरराईटर प्रयोगशाला (यूएल), यूएसए और कनाडा मानक एसोसिएशन (सीएसए) की ओर से भारत में निरीक्षण करने के लिए एक एजेंट के रूप में भी कार्य करता है। वर्तमान में भारत में यूएल की सूची में लगभग 160 और सीएसए की सूची में 50 फैक्टरियों का भामा ब्यूरो निरीक्षण करता है।

Mr M.Y. Ariyoruk, President of Turk Standardlari Enstitusu (TSE), Turkey visited BIS on 16 and 23 February 1996 to deliberate upon the various aspects of MOU signed between BIS and TSE.

Under Bilateral Cooperation Programme, Mr A.C. Dossa, Deputy Director and Mr A.C. Hardoyal, Divisional Standards Officer of Mauritius Standards Bureau (MSB) visited BIS on 26 and 27 February 1996 to see the activities of BIS especially the Central Laboratory.

UNDERWRITERS LABORATORIES (UL), USA AND CANADIAN STANDARDS ASSOCIATION (CSA)

BIS is also an agent for Underwriters Laboratories (UL), USA and Canadian Standards Association (CSA) for carrying out inspections on their behalf in India. Presently there are about 160 UL listees and 50 CSA factories in India for which BIS is carrying out the inspections.

मानव संसाधन विकास

भा मा ब्यूरो में 31 मार्च 1996 को कुल 2 298 व्यक्ति नियोजित थे। वर्ष के दौरान भा मा ब्यूरो की विभिन्न गतिविधियों में नियोजित व्यक्तियों की संख्या निम्नानुसार थी :

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

As on 31 March 1996, a total of 2298 persons were employed in BIS. The deployment of personnel in the various activities of BIS during the year is given below:

गतिविधि Activity	31 मार्च 1996 तक नियोजित कार्मिक Deployment of Personnel as on 31 March 1996
कार्पोरेट Corporate	43
मानक निर्धारण Standards Formulation	315
प्रमाणन और प्रयोगशालाएँ Certification and Laboratories	1 388
तकनीकी सहायी सेवा Technical Support Services	239
प्रशासन एवं वित्त Administration & Finance	313
योग Total	**2 298**

अनुसूचित जातियों/जनजातियों का प्रतिनिधित्व SC/ST REPRESENTATION

समूह Group	31 मार्च 1995 को नियोजित अनुसूचित जातियों/जनजातियों के कार्मिकों की संख्या No. of SC/ST Personnel as on 31 March 1995	31 मार्च 1996 को नियोजित अनुसूचित जातियों/जनजातियों के कार्मिकों की संख्या No. of SC/ST Personnel as on 31 March 1996
क A	63	62
ख B	25	26
ग C	168	169
घ (सफाई कर्मचारियों को छोड़कर) D (Excluding Safai Karamchari)	130	127
सफाई कर्मचारी Safai Karamchari	41	42
योग Total	**427**	**426**

कर्मचारी कल्याण

भा मा ब्यूरो द्वारा अपनाए गए कल्याणकारी कार्य वर्ष के दौरान भी जारी रहे। कर्मचारियों के विश्राम के लिए होलीडे होम उपलब्ध कराए गए। केन्द्र सरकार के कर्मचारियों को उपलब्ध कल्याणकारी उपाय जैसे कि समूह बीमा योजना भा मा ब्यूरो के कर्मचारियों के लिए भी किए गए।

संस्थागत प्रशिक्षण

भामा ब्यूरो अपने कार्मिकों को संस्थागत प्रशिक्षण देने पर बहुत बल देता है। 1995–96 के दौरान 60 संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विभिन्न स्तरों के 1 243 कार्मिकों को 3 769 मानव दिवसों का प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जिन कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिए गए, उनमें डीटीपी वेन्चुरा प्रशिक्षण, प्रमाणन मुहरांकन अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, मानक निर्धारण में रत अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, हिन्दी टिप्पण और आलेखन कार्यशाला, कार्यालय मैनुअल, वैयक्ति सहायकों/रिपोर्टर के लिए साधिवक कुशलता प्रशिक्षण, आरंभकों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण, प्रबंधकीय प्रभावकता, समूह "घ" के कर्मियों के लिए प्रभावकता और उत्पादकता बढ़ाने का प्रशिक्षण, डेरी उत्पाद परीक्षण प्रशिक्षण,

STAFF WELFARE

Welfare measures adopted by BIS for its employees were continued. Holiday Homes for recreation of the employees were made available. Welfare measures applicable to Central Government employees were also made available to BIS employees, such as Group Insurance Scheme.

IN-HOUSE TRAINING

BIS lays a lot of emphasis on In-House Training for its personnel. During 1995-96 a total of 60 In-House Training Programmes were organized for 1 243 personnel covering 3 769 man-days, drawn from all levels of employees. Some of the important training programmes were on Training on DTP Ventura, Refresher Course for Certification Marks Officers, Refresher Course for Officers Engaged in Standards Formulation, Hindi Workshops on noting and drafting, Office Manual, Secretarial Effectiveness for PA/Reporter, Computer for Beginners, Managerial Effectiveness, Increasing Efficiency and Productivity for Group D Personnel, Training on Testing of Dairy Products,

प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, सक्ष्मजैविक परीक्षण प्रशिक्षण, मल्टी–मीडिया पैकेजों के संचालन का प्रशिक्षण, कार्यालय प्रक्रिया प्रशिक्षण, शब्द–रत्न प्रशिक्षण, गैर–वित्तीय अधिकारियों के लिए वित्तीय प्रशिक्षण और अग्नि–शमन प्रशिक्षण इत्यादि सम्मिलित थे।

बाहर की एजेंसियों द्वारा प्रशिक्षण

भामा ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों को संस्थागत प्रशिक्षण देने के अतिरिक्त बाहर की एजेंसियों द्वारा विभिन्न विशेषज्ञीकृत कार्यक्रमों में भा मा ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों को नामित करके इन एजेंसियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाने की प्रक्रिया भी जारी रखी गई। वर्ष 1995–96 के दौरान 48 विभिन्न कार्यक्रमों में 94 कार्मिकों को 750 मानव दिवसों के प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया। जो 12 अधिकारी आन्तरिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षण अधिकारियों के रूप में चुने गए थे, उन्होंने सचिवालयी प्रशिक्षण और प्रबंन्ध संस्थान (आईएसटीएम), नई दिल्ली में प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम में तीन सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाहर की एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी 5 अधिकारियों को नामित किया गया। इनके अलावा भा मा ब्यूरो के अधिकारियों को जिन अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया, उनमें पुस्तकालय स्वचलन, आईएसओ 9000 लेखा–परीक्षण एनहांसमेंट, टीआईसीकेआईटी लेखा परीक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (सोफ्टवेयर लीड एसेसर), नेत्रहीन कर्मियों के लिए "ओ" स्तर का कम्प्यूटर प्रशिक्षण, प्रलेख–जाँच का अभिमुखीकरण प्रशिक्षण, गुणता सुधार के लिए प्रमाणित फैसिलिटेटर पाठ्यक्रम, सार्क (एसएएआरसी) नागरिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, एचआरडी फैसिलिटेटरों के लिए मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण, गैस वर्णलेखी पद्धति अभ्यास, कम्प्यूटर प्रबोधन में प्रशिक्षु प्रशिक्षण, कार्यालय उत्पादकता सुधार, द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण, समग्र गुणता प्रबन्ध, डाटा संचार और नेटवर्किंग, प्रशासनिक निर्णयों के विधिक पहलू, आईएसओ 14001 के अनुसार पर्यावरणीय प्रबन्ध पद्धति (ईएमएस) पर कार्यशाला और सेवाओं में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण का प्रशिक्षण शामिल थे।

द्विपक्षीय सहयोग के अन्तर्गत विदेशों में प्रशिक्षण

भामा ब्यूरो के कार्मिकों के लिए दो विशेषज्ञीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :

क) 22 मई से 2 जून 1995 तक राष्ट्रीय मानक और प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएसटी) यूएसए द्वारा आयोजित "मानकीकरण विशेषज्ञों के लिए व्यापार में मानक" प्रशिक्षण कोर्स में पाँच–सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमण्डल ने भाग लिया। प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व श्री राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने किया। प्रतिनिधिमण्डल में शामिल अन्य प्रतिनिधि सर्वश्री डी.आर. कोहली, ए.आर. बनर्जी, एम.एस. नागराजा, सभी निदेशक भामा ब्यूरो और श्री एम.एन. मूर्ति, अपर निदेशक, भामा ब्यूरो थे।

ख) 11 से 22 सितम्बर 1995 तक डीआईएन जर्मनी में आयोजित पर्यावरण प्रबन्ध पद्धति, समग्र गुणता प्रबन्ध और सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कोर्स में चार–सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधि मण्डल ने भाग लिया। प्रतिनिधि मण्डल में सर्वश्री हरचरन सिंह, टी.आर. राजगोपालन, ए.एन. जौहरी, सभी निदेशक भामा ब्यूरो और श्री एन.सी. बंधोपाध्याय, अतिरिक्त निदेशक, भामा ब्यूरो शामिल थे।

Training on First Aid, Training on Micro-biological Testing, Training on Operation of Multi-media packages, Training on Office Procedure, Training on Shabad Rattan, Training on Finance for non-finance executives and Training on Fire-fighting.

TRAINING BY OUTSIDE AGENCIES

Besides In-house Training Programmes for officers and staff of BIS, advantage is continuously being taken of the various training programmes organized by outside agencies by deputing officers and staff of BIS in these specialized programmes. In the year 1995-96, 94 personnel were deputed to attend 48 different programmes covering 750 man-days. Twelve officers who were selected as the internal faculty of Training Institute were imparted three weeks training on Training for Trainers at Institute of Secretarial Training and Management (ISTM), New Delhi. 5 officers were also deputed to the Training of Trainers Programme organized by outside agencies. Some of the other important areas covered were Library Automation, ISO 9000 Auditor Enhancement, TICKIT Auditors Training Course (Software Lead Assessors), 'O' Level Course on Computer for Blind, Orientation to Document Examination, Certified Facilitator Course for Quality Improvement, Training Programme for SAARC Nationals, Human Resource Development for HRD Facilitators, Practice of Gas Chromatography, Training for Trainers in Computer Awareness, Improving Office Productivity, Second All India Official Language Training Programme, Total Quality Management, Data Communication and Networking, Legal Dimensions of Administrative Decisions, Workshop on Environmental Management System (EMS) as per ISO 14001 and Training on Reservation in Services SC/ST/OBC.

OVERSEAS TRAINING UNDER BILATERAL COOPERATION

Two specialized training programmes were organized for the participants from BIS.

a) A five-member Indian delegation attended a training course on 'Standards in trade for standardization experts' conducted by National Institute of Standards and Technology (NIST), USA from 22 May to 2 June 1995. The delegation was led by Shri Rajiv Srivastava, Joint Secretary, Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs & Public Distribution. The other delegates were S/Shri D.R. Kohli, A.R. Banerjee, M.S. Nagaraja, all Directors, BIS and Shri M.N. Murthy, Additional Director, BIS.

b) A four-member Indian delegation attended a training course in DIN, Germany on environmental management system, total quality management and information technology held during 11 to 22 September 1995. The delegation comprised of S/Shri Harcharan Singh, T.R. Rajagopalan, A.N. Jauhari, all Directors, BIS and Shri N.C. Bandyopadhyay, Additional Director, BIS.

वित्त, लेखा और ऑडिट

भा मा ब्यूरो लगातार सातवें वर्ष भी, बिना किसी भारत सरकार की बजट संबंधी सहायता के अपने गैर योजना व्यय को वहन करने के लिए आत्मनिर्भरता के उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहा।

राजस्व (गैर–योजना)

पिछले वर्ष के 3 819 लाख रुपये की तुलना में इस वर्ष कुल आय 4 514 लाख रुपये रही, इस वर्ष आय में पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस आय में सबसे अधिक योगदान प्रमाणन शुल्क का रहा, यह शुल्क पिछले वर्ष के 3 231 लाख रुपये की तुलना में इस वर्ष 3 678 लाख रुपये था (देखें आकृति 7)।

पिछले वर्ष के 132 लाख रुपये की तुलना में इस वर्ष जमाओं पर ब्याज 405 लाख रुपये हो गया। इस बढ़ोतरी का कारण ब्याज उपचयी आधार पर परिगणित किया गया। इस वर्ष 3 016 लाख रुपये खर्च हुए, जबकि 1994–95 के दौरान खर्च 2 689 लाख रुपये था। इस प्रकार इस वर्ष खर्च में 12 प्रतिशत की वृद्धि देखने में आई। कुल परिचालन अधिशेष बढ़कर 1 498 लाख रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 1130 लाख थी। विश्व बैंक ग्रहण प्रतिदान निधि खाते में 50 लाख रुपये के विनियोजन के बाद निवल अधिशेष 1 448 लाख रुपये रहा।

1995–96 के दौरान हुए आय और व्यय का तुलना विवरण 1994–95 के विवरण के साथ इस प्रकार है :

FINANCE, ACCOUNTS AND AUDIT

For the seventh consecutive year, BIS achieved the goal of self reliance in meeting its non-plan expenditure without any budgetary support from the Government of India.

REVENUE (NON-PLAN)

Total income was higher at Rs 451.4 million against Rs 381.9 million in the previous year resulting in a growth of 18 percent. The largest contribution to the income was certification marking fee which stood at Rs 367.8 million against Rs 323.1 million in the previous year *(see Fig. 7)*.

Interest on deposits increased to Rs 40.5 million from Rs 13.2 million in previous year due to accounting of interest on accrued basis. Expenditure during the year has risen to Rs 301.6 million from Rs 268.9 million during 1994-95 depicting an increase of 12 percent. The operative surplus has increased to Rs 149.8 million compared to Rs 113.0 million in the previous year. After appropriating Rs 5.0 million towards World Bank Loan Redemption Fund Account, net surplus stood at Rs 144.8 million.

A comparative statement of Income and Expenditure during 1995-96 *viz-a-viz* 1994-95 is as under:

	(रुपये दस लाख में) 1994-95	(Rupees in millions) 1995-96	बढ़ोतरी/ कमी Increase/ decrease (–)
आय INCOME			
प्रमाणन शुल्क Certification Fee	323.1	367.8	14%
मानकों की बिक्री Sale of Standards	28.1	25.0	(–) 11%
गुणता पद्धति शुल्क Quality System Fee	14.1	14.3	2%
जमाओं पर ब्याज Interest on Deposits	13.2	40.5	207%
अन्य विविध आय Other Misc. Income	3.4	3.8	15%
योग Total	**381.9**	**451.4**	**18%**
व्यय EXPENDITURE			
आय तथा भत्ते Pay & Allowances	141.5	161.4	14%
अन्य प्रचालन संबंधी खर्चे Other Operating Expenses	110.7	123.5	12%
विश्व बैंक परियोजना World Bank Project राजस्व व्यय Revenue Expenses	3.9	2.1	(–) 45%
मूल्य ह्रास Depreciation	12.8	14.6	14%
योग Total	**268.9**	**301.6**	**12%**

पूंजी (योजनागत)

सरकार ने 1995–96 के दौरान (पिछले वर्ष के बिना खर्च किए 44.2 लाख रुपये के अतिरिक्त) 260 लाख रुपये योजना अनुदान के रूप में दिए। योजनागत परियोजना भुगतान (अग्रिम सहित) 210.6 लाख रुपये का किया गया।

विश्व बैंक परियोजनाएँ

31 मार्च 1996 तक प्राप्त कुल ऋण 390 लाख रुपये था। 1995–96 के दौरान 21 लाख रुपये की राशि राजस्व संबंधी मदों और 15 लाख रुपये की राशि पूंजीगत मदों पर खर्च की गई। विश्व बैंक ऋण से हुआ संचयी व्यय 31 मार्च 1996 तक 221 लाख रुपये (152 लाख रुपये के अग्रिम को छोड़कर) रहा। 221 लाख रुपयों में राजस्व संबंधी मदों पर 139 लाख रुपये तथा पूंजीगत मदों पर 82 लाख रुपये खर्च किए गए।

आकृति 7 आय (दस लाख रुपयों में)
Fig 7. Income (Million Rupees)

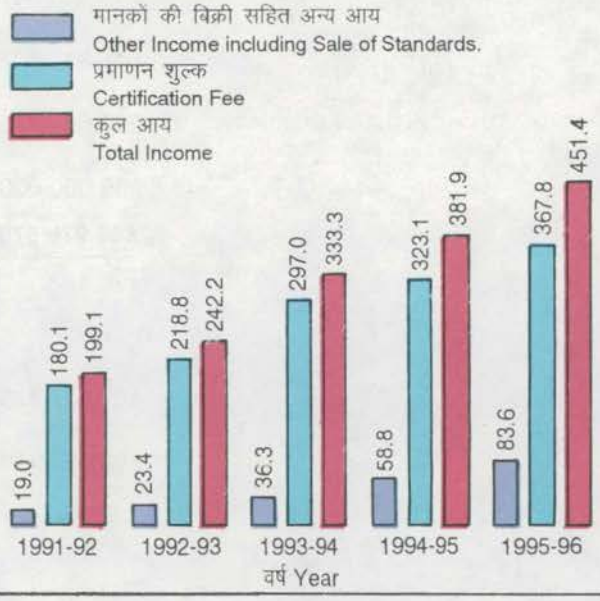

CAPITAL (PLAN)

The Government released Rs 26.0 million as plan grant during the year 1995-96 (in addition to unspent balance of Rs 4.42 million from the previous year). Plan projects payments (including advances) stood at Rs 21.06 million.

WORLD BANK PROJECTS

The total loan received upto 31 March 1996 stood at Rs 39.0 million. During 1995-96 a sum of Rs 2.1 million was spent on revenue items and Rs 1.5 million on capital items.

Cumulative expenditure upto 31 March 1996 out of World Bank Loan stood at Rs 22.1 million (excluding advances of Rs 15.2 million). Out of Rs 22.1 million, expenditure on Revenue items stood at Rs 13.9 million and capital items stood at Rs 8.2 million.

31 मार्च 1996 का पक्का चिट्ठा
BALANCE SHEET AS ON 31 MARCH 1996

		अनुसूची SCHEDULE		चालू वर्ष CURRENT YEAR		पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR
1.	**निधि के स्त्रोत SOURCES OF FUNDS**					
1.1	पूंजी निधि Capital Fund	एन N		545 311 807		384 610 357
1.2	रिजर्व और निधियां Reserves & Funds	ओ O		280 666 763		248 615 641
1.3	ऋण Loans	पी P		39 000 000		29 275 000
	योग TOTAL			**864 978 570**		**662 500 998**
2.	**निधियों का उपयोग APPLICATION OF FUNDS**					
2.1	अचल परिसम्पत्ति Fixed Assets	क्यू Q		107 277 828		102 195 536
2.2	निवेश Investments	आर R		609 921 459		438 644 306
3.	**कार्यकारी पूंजी WORKING CAPITAL**					
3.1	चल परिसम्पत्ति, ऋण और अग्रिम Current Assets, Loans & Advances	एस S	170 864 777		142 054 147	
3.2	नामे : चालू देयता Less : Current Liabilities	टी T	23 085 494		20 392 991	
				147 779 283		121 661 156
	योग TOTAL			**864 978 570**		**662 500 998**

टिप्पणी : NOTES:

1) अनुसूची ए से टी तक लेखे का भाग हैं।
2) भारतीय मानकों के क्लोजिंग स्टाक का मूल्य नहीं आंका गया है और लेखे में शामिल नहीं किया गया है।

1) Schedules A to T form part of Accounts.
2) The closing stock of Indian Standards has not been valued and included in the accounts.

हस्ता./Sd./-	हस्ता./Sd./-	हस्ता./Sd./-
सी.के. मोदी	रश्मि चौधरी	बी.जी. शंकरराव
(C.K. MODI)	(RASHMI CHOUDHRY)	(B.G. SHANKRA RAO)
महानिदेशक भा.मा.ब्यूरो	उपमहानिदेशक, वित्त, भा.मा.ब्यूरो	निदेशक (वित्त) भा.मा.ब्यूरो
DIRECTOR GENERAL, BIS	DY. DIRECTOR GENERAL FINANCE, BIS	DIRECTOR (FINANCE), BIS

31 मार्च 1996 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 1996

आय INCOME

	अनुसूची SCHEDULE	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1995-96	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1994-95
1. प्रमाणन शुल्क Certification Fees		367 789 935	323 140 400
2. मानकों की बिक्री Sale of Standards	ए A	25 033 020	28 145 529
3. अन्य आय Other Income	बी B	58 580 588	30 577 996
4. सरकारी अनुदान Govt. Grant		–	–
योग TOTAL		**451 403 543**	**381 863 925**

व्यय EXPENDITURE

1. वेतन और भत्ते Pay and Allowances	सी C	161 434 043	141 481 825
2. सेवा निवृत्ति लाभ Retirement Benefits	डी D	11 336 455	10 153 058
3. अन्य स्टाफ लाभ Other staff benefits	ई E	10 868 523	10 826 641
4. यात्रा व्यय Travelling Expenses	एफ F	17 442 312	11 081 440
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को चंदे Subscription to International Organisations	जी G	11 816 808	12 990 558
6. उत्पादन Production	एच H	3 403 440	4 899 215
7. परीक्षण Testing	आई I	20 524 051	19 781 193
8. प्रचार Publicity	जे J	3 602 057	2 488 274
9. कार्यालय व्यय Office Expenses	के K	28 597 048	23 605 205
10. मरम्मत व रखरखाव Repairs & Maintenance	एल L	8 269 890	9 011 107
11. अन्य व्यय Other Expenses	एम M	7 585 090	5 885 370
12. विश्व बैंक परियोजना World Bank Project राजस्व व्यय Revenue Expenses	एम1 M1	2 119 457	3 851 545
13. मूल्यह्रास Depreciation	क्यू Q	14 592 699	12 829 218
योग TOTAL		**301 591 873**	**268 884 649**
अधिशेष/(घाटा) Surplus/(Deficit)		149 811 670	112 979 276

विनियोजन APPROPRIATIONS

निम्न को अंतरण : Transfer to:			
क) विश्व बैंक ऋण प्रतिदान निधि	A) World Bank Loan Redemption Fund	5 000 000	3 474 500
ख) पूँजीगत निधि	B) Capital Fund	144 811 670	109 504 776
योग TOTAL		**149 811 670**	**112 979 276**

अनुसूची ए – मानकों की बिक्री SCHEDULE A — SALE OF STANDARDS

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1995-96	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1994-95
1. भारतीय मानक Indian Standards	23 439 359	25 665 672
2. परिकलन सहायकांग और बाइंडर Calculation Aids and Binders	16 000	31 590
3. विदेशी प्रकाशन (कमीशन) Overseas Publications (Commission)	1 577 661	2 448 267
योग TOTAL	25 033 020	28 145 529

अनुसूची बी – अन्य आय SCHEDULE B — OTHER INCOME

1. गुणता पद्धति शुल्क Quality System Fee	14 296 912	14 057 103
2. निवेश पर ब्याज Interest Earned on Investment	40 461 727	13 187 059
3. केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा अंशदान CGHS Contribution	173 011	158 908
4. सम्मेलन, परामर्श और प्रशिक्षण शुल्क Conferences, Consultancy & Training Fees	1 244 408	258 349
5. आवास निर्माण ऋण से ब्याज Interest from House Bldg. Loan	477 053	675 079
6. विविध Miscellaneous		
क) अन्य स्रोत [खंड 18(i) (सी) देखें] a) Other Sources [refer Section 18(i)(c)]		
ख) अन्य b) Others	1 927 477	2 241 498
योग TOTAL	58 580 588	30 577 996

अनुसूची सी – वेतन और भत्ते SCHEDULE C — PAY AND ALLOWANCES

1. वेतन PAY		
ब्यूरो के सदस्य (महानिदेशक को छोड़कर) Members of the Bureau (Other than Director General)	—	—
महानिदेशक Director General	35 936	51 329
अधिकारी Officers	28 632 253	29 111 581
स्टाफ Staff	31 793 970	31 608 282
2. भत्ते ALLOWANCES		
ब्यूरो के सदस्य (महानिदेशक को छोड़कर) Members of the Bureau (Other than Director General)	—	—
महानिदेशक Director General	99 317	39 726
अधिकारी Officers	41 227 960	34 280 805
स्टाफ Staff	59 644 607	46 390 102
योग TOTAL	161 434 043	141 481 825

अनुसूची डी – सेवानिवृत्ति लाभ SCHEDULE D — RETIREMENT BENEFITS

अंशदानः Contributions to:		
1. भविष्य निधि Provident Fund	1 336 455	1 020 009
2. पेंशन निधि Pension Fund	10 000 000	9 133 049
3. ग्रेचयुटी निधि Gratuity Fund	—	—
योग TOTAL	11 336 455	10 153 058

अनुसूची ई – अन्य स्टाफ लाभ SCHEDULE E — OTHER STAFF BENEFITS

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1995-96	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1994-95
1. के. सरकार स्वा. से और अन्य चि. लाभ CGHS and other Medical Benefits	5 519 682	4 848 884
2. कर्मचारी कल्याण Staff Welfare	3 402 926	3 140 865
3. छुट्टी यात्रा रियायत Leave Travel Concession	1 945 915	2 836 892
योग TOTAL	**10 868 523**	**10 826 641**

अनुसूची एफ – यात्रा व्यय SCHEDULE F — TRAVELLING EXPENSES

1. विदेश Overseas	2 416 688	858 678
2. अधिकारी और स्टाफ Officers and Staff	14 980 020	10 110 011
3. समिति सदस्य Committee Members	45 604	112 751
योग TOTAL	**17 442 312**	**11 081 440**

अनुसूची जी – अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों को चंदे SCHEDULE G — SUBS. TO INTERNATIONAL ORGANISATIONS

1. अन्तर्राष्ट्रीय मानक संगठन International Standardization Organization	6 747 087	7 775 919
2. अंतर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग International Electrotechnical Commission	5 069 721	5 214 639
योग TOTAL	**11 816 808**	**12 990 558**

अनुसूची एच – उत्पादन SCHEDULE H – PRODUCTION

1. मानक Standards	2 016 965	2 978 087
2. बुलेटिन Bulletin	336 967	717 120
3. अन्य प्रकाशन Other Publications	1 049 508	1 204 008
योग TOTAL	**3 403 440**	**4 899 215**

अनुसूची आई – परीक्षण SCHEDULE I — TESTING

1. बाहरी प्रयोगशालाओं को परीक्षण शुल्क का भुगतान Testing Fees Paid to Outside Labs	16 009 932	15 022 268
2. प्रयोगशाला उपकरण और स्टोर का सामान Laboratory Apparatus and Stores	3 095 382	3 746 644
3. बाजार से खरीदे गए नमूने Market Samples	1 418 737	1 012 281
योग TOTAL	**20 524 051**	**19 781 193**

अनुसूची जे – प्रचार SCHEDULE J — PUBLICITY

1. प्रदर्शनी Exhibition	161 520	368 752
2. विज्ञापन Advertising	2 059 173	1 740 022
3. श्रव्य दृश्य और अन्य Audio Visuals and Others	1 381 364	379 499
योग TOTAL	**3 602 057**	**2 488 273**

अनुसूची के – कार्यालय व्यय SCHEDULE K — OFFICE EXPENSES

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1995-96	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1994-95
1. स्टेशनरी Stationery	3 973 431	2 869 380
2. डाक व्यय Postage	1 895 518	1 824 315
3. टेलीफोन और टेलेक्स Telephone and Telex	4 945 485	4 410 728
4. भर्ती Recruitment	158 689	440 763
5. जलपान और मनोरंजन Refreshment and Entertainment	583 322	530 616
6. वर्दी Liveries	517 599	290 375
7. भाड़ा और ढुलाई Freight and Cartage	517 581	551 725
8. बीमा और बैंक प्रभार Insurance and Bank Charges	1 149 121	727 193
9. विविध Miscellaneous	1 897 635	944 311
10. किराया और कर Rent and Taxes	4 509 311	3 982 678
11. बिजली और पानी Electricity and Water	8 449 356	7 033 122
योग TOTAL	**28 597 048**	**23 605 206**

अनुसूची एल – मरम्मत और रखरखाव SCHEDULE L — REPAIRS AND MAINTENANCE

1. फर्नीचर एवं उपस्कर Furniture and Equipment	1 129 617	1 172 383
2. भवन Building	6 167 981	6 853 253
3. वाहन Vehicles	972 292	985 471
योग TOTAL	**8 269 890**	**9 011 107**

अनुसूची एम – अन्य व्यय SCHEDULE M — OTHER EXPENSES

1. अनुसंधान और परामर्श Research and Consultation	–	–
2. सम्मेलन, परामर्श एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम Conferences, Consultancy and Training Programme	1 574 483	1 091 466
3. इलैक्ट्रानिकी आँकड़ा संसाधन Electronic Data Processing	1 519 403	1 336 750
4. पुस्तकालय चंदा और अन्य व्यय Library Subscription and Other Expenses	206 020	352 856
5. लेखा परीक्षा शुल्क और कानूनी कार्यवाही प्रभार Audit Fees and Legal Charges	478 675	467 887
6. स्टाफ प्रशिक्षण Staff Training	852 271	818 487
7. आवास निर्माण ऋण पर ब्याज/ब्याज पर छूट Interest/Interest subsidy on House Building Loan	2 925 746	1 722 354
8. अन्य ऋणों पर ब्याज : Interest on other loans from :		
क) केन्द्र सरकार – वाहन ऋण से a) Central Government – Towards Conveyance Loan	17 500	85 000
ख) अन्य स्रोतों से b) Other Sources		
9. डूबते ऋण बट्टे खाते में डाला Bad Debts Written Off	10 992	10 570
योग TOTAL	**7 585 090**	**5 885 370**

अनुसूची एम 1 – विश्व बैंक परियोजना राजस्व व्यय SCHEDULE M 1 — WORLD BANK PROJECT REVENUE EXPENSES

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1995-96	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1994-95
1. परियोजना 1 – मानकीकरण प्रबन्ध एवं मानक विकास Project 1 – Standardization Management & Standards Development	1 186 421	167 175
2. परियोजना 2 – उत्पादों की गुणता का उन्नयन Project 2 – Upgrading Quality of Products	570 686	474 563
3. परियोजना 3 – भा मा ब्यूरो प्रयोगशाला नेटवर्क का उन्नयन Project 3 – Upgrading BIS Lab network	–	–12 093
4. परियोजना 4 – भा मा ब्यूरो प्रशिक्षण गतिविधि को बढ़ाना Project 4 – Strengthening BIS Training Activity	105 399	1 905 687
5. परियोजना 5 – भा मा ब्यूरो के संवर्धनात्मक प्रयासों को बढ़ाना Project 5 – Strengthening BIS Promotional Efforts	153 017	550 784
6. परियोजना 6 – निर्यात के लिए तकनीकी सहायता Project 6 – Technical Assistance to Exports	–	213 000
7. परियोजना 7 – मानक सूचना केन्द्र Project 7 – Standards Information Centres	96 684	552 429
8. परियोजना 8 – इलैक्ट्रोनिक प्रलेख इमेज रिट्रीवल सिस्टम एंड इन्ट्राएक्टिव इन्फोर्मेशन सिस्टम Project 8 – Electronic Document Image Retrieval System & Intractive Information System	7 250	–
योग TOTAL	**2 119 457**	**3 851 545**

अनुसूची एन – पूँजीनिधि SCHEDULE N — CAPITAL FUND

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1995-96	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1994-95
पिछले पक्के चिट्ठे के अनुसार As per last Balance Sheet	384 610 357	265 930 330
जमा: Add:		
i) पूँजीगत परिसंपत्तियों की लागत (अनुसूची 'ओ' की क्रम सं. 1 देखें) Cost of assets capitalized (Refer Schedule 'O' Sl No.1)	15 765 230	9 084 289
iii) क्वासम निधि से पूँजीगत परिसम्पत्तियों की लागत (अनुसूची 'ओ' का क्रम सं. 3ए देखें) Cost of assets capitalized from QAWSM funds (Refer Schedule 'O' Sl No. 3a)	124 693	108 478
iv) व्यय से आय की अधिकता (आय तथा व्यय लेखे अग्रानीत से अधिशेष) Excess of income over expenditure (Surplus Carried over from Income and Expenditure Account)	144 811 670	109 504 776
योग TOTAL	**545 311 950**	**384 627 873**
नामे: Less:		
ii) बट्टे खाते में डाला पूँजीगत निवेश Capital investment written off	143	17 516
योग TOTAL	**545 311 807**	**384 610 357**

अनुसूची ओ – रिजर्व और निधियाँ SCHEDULE O—RESERVES AND FUNDS

क्रम सं. / Sl No.	विवरण / Particulars	अनुदान का स्रोत / Source of Grant	1 अप्रैल 95 को स्थिति / As on 1 April 95	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/समायोजन / Receipts/Adjustments during the year	वर्ष के दौरान उपयोग / Utilisation during the year			31 मार्च 96 को स्थिति / As on 31 March 96
					पूँजी Capital	राजस्व Revenue	योग Total	
1.	पूंजीकरण की प्रक्रिया में निधियां Funds in the process of Capitalization (परियोजना के नाम) (Name of the Projects)							
	क) प्रयोगशाला उपस्कर, कंप्यूटर तथा संबद्ध उपकरण निधियां	नागरिक पूर्ति, उ.मा.व.सा. वितरण मंत्रालय						
a)	Laboratory equipment, computer and associated equipment fund	Ministry of Civil Supplies,CA&PD	18 086 345	14 862 541	6 523 020	—	6 523 020	26 425 866
बी)	कलकत्ता प्रयोगशाला–सह–कार्यालय भवन निधि	–वही–						
b)	Calcutta Lab-cum-Office building fund	-do-	807 418	–292 605	—	—	—	514 813
सी)	एस एण्ड टी परियोजना निधि	–वही–						
c)	S & T project fund	-do-	60 845	726 698	—	718 186	718 186	69 357
डी)	हैंडबुक परियोजना निधि का विकास	–वही–						
d)	Development of hand book project fund	-do-	56	–56	—	—	—	—
ई)	स्टाफ आवास परियोजना	–वही–						
e)	Staff housing project	-do-	10 796 314	9 976 686	9 123 000	—	9 123 000	11 650 000
एफ)	मद्रास भवन निधि	–वही–						
f)	Madras building fund	-do-	287 678	–260 201	27 477	—	27 477	—
जी)	गैट परियोजना निधि	–वही–						
g)	GATT project fund	-do-	185 845	105 888	91 733	27 500	119 233	172 500
एच)	मुख्यालय भवन का विस्तार	–वही–						
h)	Extension of HQ building	-do-	459 293	–459 293	—	—	—	—
आई)	प्रयोगशाला भवन, लखनऊ	–वही–						
i)	Lab. building, Lucknow	-do-	1 900 000	—	—	—	—	1 900 000
जे)	प्रशिक्षण इन्स्टीट्यूट निधि	–वही–						
j)	Training Institute fund	-do-	500 000	1 500 000	—	—	—	2 000 000
	योग TOTAL		**33 083 794**	**26 159 658**	**15 765 230**	**745 686**	**16 510 916**	**42 732 536**

(क्रमशः..... Contd.....)

अनुसूची ओ – रिजर्व और निधियाँ SCHEDULE O—RESERVES AND FUNDS

क्रम सं. विवरण Sl No. Particulars	अनुदान का स्रोत Source of Grant	1 अप्रैल 95 को स्थिति As on 1 April 95	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/समायोजन Receipts/Adjustments during the year	वर्ष के दौरान उपयोग Utilisation during the year			31 मार्च 96 को स्थिति As on 31 March 96
				पूँजी Capital	राजस्व Revenue	योग Total	
2. कर्मचारी निधियां Employee Funds							
ए) ग्रेच्युटी निधि							
a) Gratuity fund	—	171 204	—	—	—	—	171 204
बी) हितकारी निधि							
b) Benevolent fund	—	292 627	167 897	—	185 237	185 237	275 287
सी) पेंशन निधि							
c) Pension fund	—	12 235 636	10 488 022	—	21 201 760	21 201 760	1 521 898
डी) सा.भ. निधि							
d) G.P. Fund	—	168 549 525	47 641 290	—	22 854 357	22 854 357	193 336 458
ई) अंश भ. निधि							
e) C.P. Fund	—	4 174 842	866 131	—	221 500	221 500	4 819 473
योग TOTAL		**185 423 834**	**59 163 340**	**—**	**44 462 854**	**44 462 854**	**200 124 320**
3. अन्य विशेष परियोजनाएं							
Other Specific Projects							
ए) क्वासम	कृषि मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग)						
a) QAWSM	Ministry of Agriculture (Deptt. of Rural Development)	1 090 054	—	124 693	55 454	180 147	909 907
बी) ऊर्जा संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम (विद्युत विभाग)	ऊर्जा मंत्रालय (विद्युत विभाग)						
b) Energy Conservation Awareness Programme (Deptt. of Power)	Ministry of Energy (Deptt. of Power)	11 769	—	—	11 769	11 769	—
सी) उपभोक्ता संरक्षण प्रदर्शनी	नागरिक पूर्ति, उ.मा. व सा. वितरण मंत्रालय						
c) Consumer Protection Exhibition	Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution	6 190	—	—	6 190	6 190	—
डी) विश्व बैंक प्रतिदान निधि							
d) World Bank Loan Redemption Fund	—	29 000 000	7 900 000	—	—	—	36 900 000
योग TOTAL		**30 108 013**	**7 900 000**	**124 693**	**73 413**	**198 106**	**37 809 907**
महायोग GRAND TOTAL		**248 615 641**	**93 222 998**	**15 889 923**	**45 281 953**	**61 171 876**	**280 666 763**

अनुसूची पी – ऋण SCHEDULE P — LOANS

ऋण की प्रकृति Nature of Loan	31 मार्च 95 को स्थिति As on 31 March 95	1995-96 के दौरान During 1995-96		31 मार्च 96 को शेष Balance on 31 March 96
		प्राप्तियां Receipts	पुनर्भुगतान Repayment	
i) भारत सरकार से प्राप्त ऋण Loans from Govt. of India				
1. वाहन ऋण Conveyance Loan	175 000	—	175 000	—
2. आवास निर्माण ऋण House Building Loan	100 000	—	100 000	—
योग Total	**275 000**	**—**	**275 000**	**—**
ii) अन्य स्रोतों से प्राप्त ऋण Loans from other sources				
1. विश्व बैंक World Bank	29 000 000	10 000 000	—	39 000 000
योग Total	**29 000 000**	**10 000 000**	**—**	**39 000 000**
महायोग Grand Total	**29 275 000**	**10 000 000**	**275 000**	**39 000 000**

अनुसूची क्यू – स्थिर परिसंपत्तियाँ SCHEDULE Q – FIXED ASSETS

क्र. सं. Sl No.	विवरण Description	सकल ब्लॉक मूल्य के अनुसार Gross Block at Cost				मूल्य ह्रास Depreciation				नेट ब्लॉक Net Block	
		31 मार्च 95 को स्थिति As at 31 March 95	जमा Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते Deduction Sale/written off	31 मार्च 96 को स्थिति As at 31 March 96	31 मार्च 95 तक Upto 31 March 95	जमा Addition	बिक्री/घटा बट्टे खाते Deduction Sale/written off	31 मार्च 96 तक Upto 31 March 96	31 मार्च 96 को स्थिति As at 31 March 96	31 मार्च 95 को स्थिति As at 31 March 95
1.	भवन–मुख्यालय Building-Headquarters (मानक भवन/मानकालय) (Manak Bhawan/Manakalaya)	4 921 703	—	—	4 921 703	3 462 088	70 339	—	3 532 427	1 389 276	1459615
2.	भवन– I मद्रास Building-I Madras	1 133 556	—	—	1 133 556	618 721	25 752	—	644 473	489 083	514 835
3.	भवन– II मद्रास Building-II Madras	8 756 820	27 497	—	8 784 317	1686118	384 551	—	2 070 669	6 713 648	7 070 702
4.	भवन–साहिबाबाद में केन्द्रीय प्रयोगशाला Building-Central Laboratory at Sahibabad	14 365 960	—	—	14 365 960	5 475 246	497 660	—	5 972 906	8 393 054	8 890 714
5.	भवन–मुंबई Building-Mumbai	5 274 900	—	—	5 274 900	2 645 061	133 125	—	2 778 186	2 496 714	2 629 839
6.	भवन– I कलकत्ता Building-I Calcutta	3 112 635	—	—	3 112 635	1 613 553	77 196	—	1 690 749	1 421 886	1 499 082
7.	भवन– II कलकत्ता Building-II Calcutta	8 642 586	—	—	8 642 586	906 422	411 528	—	1 317 950	7 324 636	7 736 164
8.	रिहायशी फ्लैट Residential Flats	24 862 267	9 123 000	—	33 985 267	2 788 684	1 559 830	—	4 348 514	29 636 753	22 073 583
9.	जीरॉक्स कापी उपस्कर Zerox Copying Equipment	130 541	—	—	130 541	129 289	323	—	129 612	929	1 252
10.	प्रयोगशाला उपस्कर Laboratory Equipment	110 770 200	6 647 713	—	117 417 913	85 327 100	7 585 629	—	92 912 729	24 505 184	25 443 100
11.	फर्नीचर और उपस्कर Furniture and Equipment	26 148 256	1 702 988	—	27 851 244	17 444 220	1 753 070	—	19 197 290	8 653 954	8 704 036
12.	वाहन Vehicles	1 988 767	311 964	24 543	2 276 188	1 299 073	200 303	24 400	1 474 976	801 212	689 694

क्रमशः..... Contd.....

अनुसूची क्यू – स्थिर परिसंपत्तियाँ SCHEDULE Q – FIXED ASSETS

क्र. सं. Sl No.	विवरण Description	सकल ब्लॉक मूल्य के अनुसार Gross Block at Cost				मूल्य ह्रास Depreciation				नेट ब्लॉक Net Block	
		31 मार्च 95 को स्थिति As at 31 March 95	जमा Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते Deduction Sale/written off	31 मार्च 96 को स्थिति As at 31 March 96	31 मार्च 95 तक Upto 31 March 95	जमा Addition	बिक्री/घटा बट्टे खाते Deduction Sale/written off	31 मार्च 96 तक Upto 31 March 96	31 मार्च 96 को स्थिति As at 31 March 96	31 मार्च 95 को स्थिति As at 31 March 95
13.	रिप्रोग्राफी उपस्कर Reprographic Equipment	1 128 929	—	—	1 128 929	1 024 397	26 133	—	1 050 530	78 399	104 532
14.	पुस्तकालय में पुस्तकें Library Books	7 725 994	767 699		8 493 693	—	—	—	—	8 493 693	7 725 994
15.	मुख्यालय भवन का विस्तार – मानक भवन में सभागार Ext.of HQ Building–Auditorium in Manak Bhawan	1 442 902	—	—	1 442 902	720 564	69 387	—	789 951	652 951	722 338
16.	मुख्यालय भवन का विस्तार – अग्नि शमन परियोजना Ext. of HQ Building-Fire Fighting Project	2 937 333	—	—	2 937 333	—	568 993	—	568 993	2 368 340	2 937 333
17.	लखनऊ में प्रयोगशाला एवं कार्यालय भवन (डब्लयू आई पी पूँजी) Lab cum Office Building–Lucknow (Capital WIP)	119 472	—	—	119 472	—	—	—	—	119 472	119 472
18.	विश्व बैंक परियोजना उपस्कर World Bank Project Equipment	7 094 409	1 094 273	—	8 188 682	3 221 158	1 228 880	—	4 450 038	3 738 644	3 873 251
	योग TOTAL	**230 557 230**	**19 675 134**	**24 543**	**250 207 821**	**128 361 694**	**14 592 699**	**24 400**	**142 929 993**	**107 277 828**	**102 195 536**

अनुसूची आर – निवेश (लागत पर) SCHEDULE R — INVESTMENTS (AT COST)

क्र. सं. Sl No.	विवरण Particulars	31 मार्च 95 को स्थिति As on 31 March 95	जमा Additions	कटौतियां (बिक्री/परिपक्वता) Deduction (Sale/Maturity)	31 मार्च 96 को स्थिति As on 31 March 96
1.	भा मा ब्यूरो के मुख्य लेखे से बैंक में जमा Deposits with Banks from BIS Main Account	230 951 621	140 100 000	—	371 051 621
2.	बैंक में जमा–विश्व बैंक ऋण प्रतिदान निधि निवेश लेखा Deposits with Banks — World Bank Loan Redmp.Fund Investment Account	29 000 000	7 900 000	—	36 900 000
3.	पेंशन निधि Pension Fund	9 657 750	—	8 150 000	1 507 750
4.	सा भ निधि GPFund	163 041 180	24 407 953	—	187 449 133
5.	अंश भ निधि CP Fund	4 043 755	19 200	—	4 062 955
6.	बैंक में जमा–अन्य Deposits with Banks—others				
	क) ग्रेच्युटी निधि खाता a) Account Gratuity Fund	350 000	—	—	350 000
	ख) योजनागत परियोजना b) Out of Plan Projects	—	7 000 000	—	7 000 000
	ग) अ.शा.का. भवन परियोजना c) ABO Building Project	1 400 000	—	—	1 400 000
	घ) लाभदायी निधि d) Benevolent Fund	200 000	—	—	200 000
	योग TOTAL	**438 644 306**	**179 427 153**	**8 150 000**	**609 921 459**

अनुसूची एस – चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण और अग्रिम SCHEDULE S — CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES

क्र.सं. Sl No.	विवरण Particulars	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1995-96	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1994-95
1.	स्टॉक (लागत पर) Stock (at cost)		
	क) छपाई का कागज a) Printing Paper	1 531 152	1 030 113
	ख) प्रयोगशाला में उपकरण और स्टोर का सामान b) Laboratory apparatus and stores	1 781 848	1 612 383
	ग) स्टेशनरी तथा कंप्यूटर की खपत योग्य सामग्री व्यय c) Stationery & Computer Consumables	1 420 000	1 186 361
	घ) मरम्मत और रखरखाव की खपत योग्य सामग्री व्यय d) Repair & Maintenance Consumables	79 396	123 200
2.	फुटकर लेनदारियां Sundry Debtors		
	क) प्रकाशनों की बिक्री a) Sale of Publications	2 560 607	2 351 265
	ख) प्रमाणन b) Certification	6 370 966	6 187 512
3.	ऋण, अग्रिम और जमा Loans, Advances and Deposits		
	क) कर्मचारियों को निम्नलिखित के लिए ऋण a) Loans to employees for:		
	i) वाहन की खरीद के लिए i) Purchase of conveyance	7 900 146	8 234 806
	ii) आवास निर्माण केलिए ii) House construction	501 820	803 317
	ख) कर्मचारियों को निम्नलिखित के लिए ऋण b) Advances to employees for:		
	i) त्यौहार i) Festival	297 505	350 805
	ii) प्राकृतिक आपदाएं ii) Natural calamities	5 860	1 400
	iii) यात्रा व्यय iii) Travelling Expenses	3 176 365	3 603 968
	iv) छुट्टी यात्रा iv) Leave Travel	485 888	730 155
	v) वसूली योग्य लेखे v) Accounts recoverable	181 598	113 057
	vi) पंखा अग्रिम vi) Fan advance	8 360	3 120
	ग) समायोज्य अग्रिम (गैर योजना) (कर्मचारी/पार्टियां) c) Adjustable Advances (Non Plan) (Employees/Parties)	2 935 381	3 202 731
	घ) पार्टियों को अग्रिम : d) Advances to parties : योजनागत परियोजना योजनाओं के अंतर्गत Under Plan Projects Schemes	31 313 128	28 791 727
	ङ) पार्टियों को अग्रिम e) Advances to parties : विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत Under World Bank Projects	15 219 117	5 117 494
	च) सरकारी पार्टियों से वसूली योग्य f) Recoverables form Govt. parties: (कोलम्बो योजना/एससीएपीपी/आईटीईसी) (Colombo Plan/SCAPP/ITEC)	1 510 153	193 046
	छ) वसूली योग्य लेखे (अन्य) (जीआईएस लेखे में अंतर सहित) g) Accounts Recoverable (Other) (Including Diff. in GIS Account)	1 158 169	1 043 169
4.	प्रतिभूति जमा Security Deposits	1 183 717	1 145 446
5.	पूर्वप्रदत्त व्यय Prepaid Expenses	736 026	426 900
6.	स्रोत पर काटा गया कर Tax Deducted at Source	687 388	630 579
7.	ब्याज प्राप्ति तथा बकाया Interest Accrued & Due	32 048 000	——
8.	कैश तथा बैंक शेष Cash and Bank Balances		
	क) बैंक में a) With banks	57 271 669	74 084 470
	ख) हाथ में (इम्प्रेस्ट सहित) b) In hand (including imprest)	357 572	370 032
	ग) फ्रेंकिंग मशीन c) Franking machine	79 946	82 091
	घ) पारवहन में चैक d) Cheques in transit	63 000	635 000
	योग TOTAL	**170 864 777**	**142 054 147**

अनुसूची टी – चालू देयताएँ SCHEDULE T — CURRENT LIABILITIES

क्र.सं. SI No.	विवरण Particulars	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1995-96	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1994-95
1.	फुटकर देनदारियाँ Sundry Creditors		
	क) देश में a) Inland	1 170 510	3 042 299
	ख) विदेश में b) Abroad	11 513 490	6 254 782
	ग) बयाना राशि c) Earnest Money	3 906 066	3 782 574
	घ) ग्राहक बकाया (बिक्री) d) Customer Balances (Sales)	1 555 139	1 924 378
	ङ) ग्राहक बकाया (प्रमाणन) e) Customer Balances (Certification)	2 584 714	2 516 837
2.	भुगतान योग्य लेखे (कर्मचारियों के) Accounts Payable (Employees)	503 466	532 057
3.	अप्रदत्त वेतन और मजदूरी Unpaid Salaries and Wages	993	24 296
4.	बिहार सरकार (प्रयोगशाला उपस्कर खाता) Government of Bihar (a/c Lab. Equipment)	395 526	395 526
5.	गुजरात सरकार (अ.शा.का. भवन खाता) Government of Gujarat (ABO Building a/c)	1 455 590	1 388 069
6.	आईटीईसी और एससीएपीपी तथा श्रीलंका को सहायता – विदेश मंत्रालय ITEC, SCAPP & Aid to Sri Lanka — Ministry of External Affairs	—	532 173
	योग TOTAL	23 085 494	20 392 991

लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने भारतीय मानक ब्यूरो के 31 मार्च, 1996 को समाप्त हुए वर्ष के आय और व्यय लेखा तथा दिनांक 31 मार्च, 1996 के तुलन पत्र की जांच कर ली है। मैंने सभी अपेक्षित सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं और संलग्न लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभ्युक्तियों में अध्याधीन अपनी लेखा परीक्षा के परिणाम स्वरूप मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में और मेरी सर्वोत्तम सूचना और मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों और संगठन की बहियों में दिए गए उल्लेख के अनुसार ये लेखों और तुलन पत्र उपयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं और भारतीय मानक ब्यूरो के कार्यकलाप का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

हस्ता0

(एस.पी. सिंह)
प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 31.12.1996

UDIT CERTIFICATE

I have mined the Income and Expenditure Account for the ar ended 31st March 1996 and the Balance Sheet an 31st March 1996 of the Bureau of Indian Standar. I have obtained all the Information and explanans that I have required, and subject to observans in the appended Audit Report I certify, as a result my audit that in my opinion these accounts and Bace Sheet are properly drawn up so as to exhibit aue and fair view, of the state of affairs of the Bureau Indian Standards according to the best of informan and explanations given to me and as shown by the bks of the organisation.

Sd/-
(S.P. SINGH)
Pr. Director of Audit

Place : w Delhi
Dated : .12.1996

भारतीय मक ब्यूरो की वर्ष 1995–96 के आययय की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

AUDIT REPORT ON ACCOUNTS OF THE BUREAU OF INDIAN STANDARDS FOR THE YEAR 1995-96

1. परिचय

भारतीय मानकरो की स्थापना भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 के अन्त एक सांविधिक निकाय के रूप में दिनांक 1 अप्रैल 1987 को हुई ने उत्पाद प्रमाणन, गुणता आश्वासन, परामर्श देना, परीक्षण आदि सो तत्कालीन भारतीय मानक संस्था के सभी कार्य संभाले।

ब्यूरो के क्रियाक का वित्त पोषण प्रमाणन मुहर शुल्क की प्राप्ति और प्रकाशनों की बिएवं केन्द्र सरकार के अनुदान से होता है।

ब्यूरो के लेखे–ज की लेखा–परीक्षा भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 के अनु 22 (2) और नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकाौर सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 के अनुच्छेद 19 (2) के अंतर्गत गई।

2. लेखा पटेप्पणी

2.1 बैलेंस ट

चालू परिसम्पगां, ऋण तथा अग्रिम

2.1.1 चालू पम्पत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों के 27.60 लाख रु. का न्यून ण

क) वर्ष 1994‑5 तक भामा ब्यूरो व मंत्रालय के अधिकारियों तथा कर्मचारियों से 8 लाख रु. की राशि वसूली योग्य थी, जिसका लेखा परीक्षा में समय‑नय पर जिक्र किया गया।

1. INTRODUCTION

The Bureau of Indian Standards was established as a statutory body with effect from 1st April, 1987 with the enactment of Bureau of Indian Standards Act, 1986. It took over all activities, viz, product certification on quality assurance, consultancy services, testing etc, of the erstwhile Indian Standards Institution.

The activities of the Bureau are financed from receipt of fees for certification mark, sale of publications and grant from Central Government. ·

The audit of the accounts of the Bureau was conducted under Section 22(2) of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 and Sec 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties Powers and Condition of Service) Act, 1971.

2. COMMENTS ON ACCOUNTS

2.1 Balance Sheet

Current Assets, Loans & Advances

2.1.1. Understatement of Current Assets, Loans and Advances by Rs 27.60 lakhs

a) Rs. 8.03 lakhs was recoverable from the officers and staff of the Bureau and of the Ministry upto the year 1994-95 as pointed out by Audit from time to time.

(रुपये लाख में) (Rupees in lakhs)

वर्ष Ye	राशि Amount
1989-9	00.37
1991-9	00.03
1992-9	02.35
1993-9	01.70
1994-9	03.58
1995-9	13.64
योग Tl	**21.67**

उपरोलिखित राकि न तो वसूली की गयी और न ही लेखा पुस्तकों में इसे वसूली य राशि के रूप में दिखाया गया। कुछ कर्मचारी पहले ही सेवानिवृत आ स्थानांतरित हो चुके हैं, किन्तु ये वसूलियां उनसे नहीं की गयीं। इए चालू परिसम्पत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों का इस सीमा तक कम के उल्लेख किया गया है।

ख) असमाशोध्य ए. अग्रिम के नियंत्रण रजिस्टर के अनुसार 37.69 लाख रु. की राकुछ अधिकारियों तथा स्टाफ के प्रति 31.3.96 तक असमाशोध्य, जबकि इस शीर्ष के अंतर्गत केवल 31.76 लाख

The above mentioned amounts were neither recovered nor shown recoverable in the books of accounts. Some of the officials had already retired or transferred but recoveries had not been made. Thus the current assets, Loans & Advances stood understated to this extent.

b) As per control register of outstanding T.A. Advances, advances of Rs 37.69 lakhs were lying outstanding against some officers and staff as on 31.3.96 whereas only Rs 31.76 lakhs was accounted for under this head

रु. लिये गये हैं। अतः 5.93 लाख रु. की राशि चालू परिसम्पत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों के अंतर्गत न्यून करके दिखायी गयी। भा मा ब्यूरो ने (दिस. 96) में बताया कि इस राशि को वापस लेने के लिए 1996–97 के दौरान समुचित कार्यवाही की जा रही है।

Thus an amount of Rs 5.93 lakhs was understated under Current Assets, Loans and Advances. BIS stated (Dec '96) that appropriate action is being taken to recover the amounts during 1996-97.

2.1.2 वार्षिक लेखों के अनुसार ब्याज संयोजित तथा देय के रूप में 320.48 लाख रु. दिखाये गये हैं, जबकि पूरक खाते के अनुसार यह राशि 319.43 लाख रु. होनी चाहिए। इस प्रकार ब्यूरो की आय में 1.05 लाख रु. तक की स्फीति की गई।

2.1.2. Interest accrued and due as per annual accounts had been shown as Rs 320.48 lakhs whereas it should be Rs 319.43 lakhs as per subsidiary ledger. Thus income of the Bureau was inflated to the extent of Rs 1.05 lakhs.

2.1.3 चालू परिसम्पत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों के अंतर्गत असमाशोधित अधिशेष

नीचे दिये हुए विवरण के अनुसार 15.46 लाख रु. की राशि के बैलेंस न तो समाशोधित किये गये और न ही इसके समयवार विवरण तैयार किये गये।

2.1.3 Unreconciled balances under Current Assets, Loans and Advances

Balances amounting to Rs 15.46 lakhs as detailed below were neither reconciled nor agewise details worked out.

(लाख रुपयों में) (Rupees in Lakhs)

क) सामूहिक बीमा योजना a) Group Insurance Scheme	00.36
ख) इन्डो टेक्निकल इकोनोमिक अफ्रीकन एसिसटेन्स b) Indo Technical Economic African Assistance	6.83
ग) स्पेशल कॉमनवेल्थ अफ्रीकन एसिसटेन्स c) Special Commonwealth African Assistance	5.69
घ) कोलम्बो योजना d) Colombo Plan	2.53
ङ) श्रीलंका को सहायता e) Aid to Sri Lanka	00.05
योग Total	**15.46**

2.1.4 चालू देयताओं के अंतर्गत असमाशोधित अधिशेष

एलआईसी से संबद्ध 00.72 लाख रु. का न तो समाशोधन किया गया और न ही इसके समयवार विवरण तैयार किये गये।

2.1.4 Unreconciled balance of Current Liabilities

Balance of Rs 00.72 lakh pertaining to LIC was neither reconciled nor agewise details worked out.

2.1.5 मानकों के स्टॉक का रख–रखाव न किया जाना

ब्यूरो द्वारा प्रकाशित मानकों को 15 वर्गों में बांटा गया है। इन प्रकाशनों की कीमत 10 रु. से 100 रु. प्रति मानक तक के बीच है। वर्ष 1995–96 के दौरान मानकों के मुद्रण पर रु. 20.17 लाख का व्यय हुआ और उनकी बिक्री से रु. 234.39 लाख की आमदनी हुई। ब्यूरो ने वर्ग 10 से 15 तक के मानकों के स्टॉक का लेखा रखा है लेकिन वर्ग 1 से 9 तक के मानकों, जिनकी कीमत रु. 10 से 60 प्रति मानक के बीच है, का स्टॉक लेखा नहीं रखा। 31 मार्च 1996 तक मानकों के स्टॉक का मूल्यांकन भा मा ब्यूरो द्वारा नहीं किया गया तथा 1 से 9 के मूल्य वर्ग में आने वाले प्रकाशनों, जिनका मूल्य 10 रु. से 60 रु. प्रति मानक है, का लेखा नहीं रखा गया। 31 मार्च 1996 के मानकों के स्टॉक का मूल्यांकन भा मा ब्यूरो द्वारा नहीं किया गया तथा उसे अपने वार्षिक लेखे में भी शामिल नहीं किया गया। इस प्रकार वार्षिक लेखे में स्टॉक–स्थिति इस सीमा तक कम दर्शाई गई है।

2.1.5 Non Maintenance of stock of Standards

The Publication of standards brought out by the Bureau have been classified into 15 groups. These publications are priced ranging from Rs 10 to Rs 100 per standard. The Expenditure on printing of standards and receipt from the sale of standards during the year 1995-96 was Rs 20.17 lakhs and Rs 234.39 lakhs respectively. Though the stock of standards under group 10 to 15 have been maintained by the Bureau but the stock accounts in respect of publications falling under group 1 to 9 priced between Rs 10 to 60 per standard were not maintained. The valuation of stock of standards as on 31st March 1996 was not done by the BIS and accounts in respect of publications falling under group 1 to 9 priced between Rs 10 to 60 per standard were not maintained. The valuation of stock of standards as on 31st March 1996 was not done by the BIS and shown in their annual accounts. Thus the position of stock was understated to this extent.

2.1.6 देयता का न्यून विवरण

31 मार्च 1996 तक भारतीय मानक ब्यूरो ने भा मा ब्यूरो क्लब कैंटीन को 75 654 रु. देने थे, लेकिन ब्यूरो के लेखों में वर्ष 1995–96के लिए यह असमाशोधित देयता दर्शायी नहीं गयी, जिसके परिणामस्वरूप देयता का न्यून विवरण दिया गया।

हस्ता/–

(एस.पी. सिंह)

प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 31.12.1996

2.1.6 Understatement of Liability

A sum of Rs 75 654 was payable by the Bureau o Indian Standards to the BIS club canteen as on 31st March 1996 but this outstanding liability was not depicted in the accounts of the Bureau for the year 1995-96 resulting in understatement of liability.

Sd/-

(S.P. SINGH)

Pr. Director of Audit

Place : New Delhi

Dated : 31.12.1996